नई दिल्ली
गुरुवार 12 मार्च 2026
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 29, अंक : 327
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 19

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी : हरियाणा की धमाकेदार जीत, विदर्भ को 130 रनों से रौंदा

भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है

पश्चिम-एशिया में चल रहे युद्ध में हुई 2 भारतीयों की मौत, एक लापता है : प्रवक्ता जायसवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध के बीच विदेश मंत्रालय ने पहली बार मारे गए भारतीयों की संख्या की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है। बुधवार को मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अभी तक इस संघर्ष के दौरान 2 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 1 अन्य लापता है। उन्होंने कहा कि ये घटना उस वक्त हुई। जब भारत के ये तमाम लोग उन व्यापारिक जहाजों पर सवार थे। जिन्हें संघर्ष क्षेत्र के समुद्र में हुए हमलों के दौरान निशाना बनाया गया था। पूरे घटनाक्रम में क्षेत्र में कुछ भारतीय खाड़ी क्षेत्र में घायल भी हुए हैं। इनमें से एक भारतीय इजरायल में घायल हुआ है। जबकि ऐसी ही एक सूचना हमें दुबई से भी मिली है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। साथ ही कहा कि समूचे क्षेत्र में भारत के कुल करीब 1 करोड़ लोग हैं। जिनकी सुरक्षा और कल्याण भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

घायलों से साधा संपर्क, दे रहे जरूरी सहायता

उन्होंने ये भी बताया कि मंत्रालय घायलों के लगातार संपर्क में बना हुआ है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। खाड़ी के इलाके में मौजूद तमाम देशों में हमारे दूतावास, मिशन लगातार काम कर रहे हैं। हालात पर नजर रखने के लिए नई दिल्ली में भी मंत्रालय ने एक 24 घंटे चलने वाला विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पश्चिम एशिया के हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र के कई शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत की है। साथ ही विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर भी इस संबंध में अपने तमाम समकक्षों के साथ संवाद बनाए हुए हैं। बताते चलें कि बीते 28 फरवरी से शुरू हुई इस लड़ाई में अब तक ईरान में कुल 1230 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही इससे लेबनान में 397 और इजरायल में 11 लोग मारे जा चुके हैं।

व्यापारिक जहाजों को ना बनाया जाए निशाना

मंत्रालय ने एक बयान में कांडला की ओर आ रहे थाइलैंड के एक व्यापारिक जहाज पर होर्मुज की खाड़ी के इलाके में बुधवार को हुए हमले को लेकर दुख जताते हुए कहा कि युद्ध के बीच व्यापारिक जहाजों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। क्योंकि इनमें हमलों में मारे जा रहे निर्दोष लोगों, जहाज के चालक दल के सदस्यों के मामले को लेकर समुद्री क्षेत्र में आवाजाही और कई व्यापार की स्वतंत्रता बाधित होती है। जिससे बचना चाहिए। मंत्रालय ने कहा, बीते वक्त में हुए हमलों में कुछ भारतीयों की भी जान चली गई है। जबकि अब इस संघर्ष का लगातार विस्तार हो रहा है।

Dinh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सेंसेक्स 1,000 अंक लुढ़का डूब गए 2.50 लाख करोड़

नई दिल्ली। मंगलवार को जब शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी, तब ट्रंप ने ईरान वॉर

जल्द खत्म होने के संकेत दिए थे। लेकिन बुधवार को बाजार में गिरावट आई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र के दौरान 1000 अंकों से ज्यादा नीचे दिखाई दिया। निवेशकों को 2.50 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

अब सोना ही नहीं, चांदी भी दिलाएगी 'लोन'

नई दिल्ली। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब चांदी भी काम आएगी। आरबीआई

ने एक अप्रैल से चांदी के बदले लोन देने के नए नियमों को मंजूरी दे दी है। अभी तक बैंक और फाइनेंस कंपनियां मुख्य रूप से सोने पर ही लोन देती थीं, लेकिन अब बैंकों व फाइनेंस कंपनियों में चांदी गिरवी रखकर भी नकदी प्राप्त की जा

आज आएगा ईरान से 100 स्टूडेंट्स का बैच

नई दिल्ली। ईरान में पढ़ रहे 100 भारतीय स्टूडेंट्स का पहला बैच गुरुवार के रास्ते अर्मेनिया बॉर्डर से निकलेगा। स्टूडेंट्स एसोसिएशन के कन्वीनर ने बताया कि, तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, और शाहिद बेहेश्टी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में एनरोल्ड स्टूडेंट्स को दो इवैक्युएशन रूट दिए गए हैं, एक आर्मेनिया का दूसरा अजरबैजान का। अधिकारी और स्टूडेंट ग्रुप यह पक्का करने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं ।

गृहमंत्री अमित शाह ने दो टूक अंदाज में तथ्यों के साथ सदन में परत-दर-परत खोली कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष की पोल

लोकसभा में 'ध्वनिमत' से खारिज हुआ बिरला के खिलाफ लाया गया 'अविश्वास प्रस्ताव'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

- *बोले, सदन केवल नियमों से ही चलेगा, जो नियमों से परे जाएगा, उसका माइक तो बंद ही होगा*
- *राहुल पर कसा तंज, कभी पीएम को लगाते गले, कभी सदन में आंख मटकाते हैं*

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को सदन में ध्वनिमत से खारिज हो गया है। मामले पर सदन में हुई कुल 13 घंटे की चर्चा में 42 सांसदों की भागीदारी के बाद कांग्रेस के मोहम्मद जावेद सहित किसी अन्य विपक्षी दल के सांसद द्वारा प्रस्ताव पर मतदान की मांग नहीं की गई। जिसकी वजह पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल के आह्वान पर सदन द्वारा अंत में इसे पूर्णतः खारिज कर दिया गया। हालांकि चर्चा के अंत में गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष द्वारा बिरला के आचरण पर लगाए गए तमाम आरोपों का तथ्यों के साथ दो टूक अंदाज में करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाना ही है तो प्रधानमंत्री के खिलाफ लाइए। लेकिन बीते चार दशक के बाद सदन में अध्यक्ष के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया है। जो बेहद अफसोसजनक है। साथ ही उन्होंने सख्ती के साथ कहा, यह सदन नियमों से चलता है। जो नियमों से नहीं चलेगा, उसका माइक तो बंद ही होगा। इस बीच कांग्रेस के सांसदों ने अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर हंगामा और नारेबाजी भी की। जिसमें उनके द्वारा गृह मंत्री से सदन में माफी मांगने की मांग की जा रही थी।

नेहरू के जमाने के हैं नियम, भाजपा ने नहीं बनाए

शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोकसभा इस देश की सबसे बड़ी पंचायत है। जिसमें संविधान ने अध्यक्ष को अभिभावक के रूप में दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थ की भूमिका में रखा है। उन्हें विधायी न्यायशास्त्र का सर्वोच्च न्यायाधीश कहा जाता है और उनके निर्णयों के प्रति असहमति तो जताई जा सकती है। लेकिन कभी कोई सवालिया निशान खड़ा नहीं किया जा सकता या शंका नहीं जताई जा सकता है। अध्यक्ष का फैसला ही सदन में अंतिम और सर्वमान्य होता है। पक्ष, विपक्ष के लिए अध्यक्ष संरक्षक होते हैं, उन्हें सदन को नियमों से चलाना होता है। यहां किसी को भी नियमों के खिलाफ जाकर बोलने का अधिकार नहीं है। जब आप नियमों को नजरअंदाज करेंगे तो अध्यक्ष को पूरा अधिकार है कि वो आपको बोलने से रोकें, टोकें या फिर सदन से बाहर कर दें। शाह ने कहा कि लोकसभा कार्रवाई के ये नियम भाजपा ने नहीं बल्कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के समय से बने हुए हैं। जिसके तहत सभी को बोलने का अधिकार मिला है। लेकिन यह कोई विशेषाधिकार नहीं है। जो ▶▶शेष पेज 5 पर

असमंजस में विपक्ष, बिरला ने दिखाई उदारता

उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव को लाने के दौरान विपक्ष असमंजस में नजर आया। जब बजट सत्र के पहले भाग में कांग्रेस के नेतृत्व में लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय को प्रस्ताव सौंपा गया था। तो उस पर तारीख पिछले साल की लिखी हुई थी। वेणुगोपाल, 119 सदस्य प्रस्ताव लाए थे। लेकिन संकल्प संलग्न नहीं था। शायद उन्हें लगा होगा कि इसे कार्यालय खारिज कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ने इसमें सुधार ▶▶शेष पेज 5 पर

यूं कागज फाड़कर सदन चलाना है

गृह मंत्री ने कहा, पूर्व समय में तीन बार लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। जिसमें एक बार भी भाजपा शामिल नहीं हुई है। हमने हमेशा से ही रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाई है। अध्यक्ष की निष्ठा पर संदेह नहीं करना चाहिए, ये हमारे दल का मजबूत मत है। उनके कार्यों में सर्वोच्च न्यायालय भी दखल नहीं दे सकता है। सदन में व्यवस्था, शिष्टाचार को बनाए रखना अध्यक्ष का दायित्व होता है। उन्होंने सदन के नियम 351, 74 के तहत अध्यक्ष द्वारा सदस्यों को दी जाने वाली चेतावनी, नामित करने, निष्कासन के साथ ▶▶शेष पेज 5 पर

केरलम में पीएम मोदी ने राहुल पर बोला हमला

फंसे भारतीयों की सुरक्षा में जुटी सरकार, कांग्रेस कर रही है राजनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- *कांग्रेस के राजकुमार केरलम और भारत के युवाओं की सोच को नहीं समझते*
- *भारत अपने नागरिकों को कहीं भी मुसीबत में अकेला नहीं छोड़ता*

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने त्रिशूर लोकसभा सीट और तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में भाजपा की जीत का जिक्र किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा की यह सफलता अब पूरे केरलम में फैलेगी। पीएम ने कहा कि केरलम में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी शासन करने के पुराने तरीके को बदलना अब बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से ▶▶शेष पेज 5 पर

खाड़ी देशों का जताया आभार

इसके साथ ही पीएम ने खाड़ी देशों का भी आभार जताया जो विषम परिस्थिति में फंसे लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि गल्फ के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें भी हमारे देश के नागरिकों का पूरा ध्यान रख रही हैं। मैं उन सभी सरकारों का ▶▶शेष पेज 5 पर

आत्मनिर्भर भारत जरूरी

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत की महत्ता भी समझाई। गल्फ में चल रहे युद्ध ने हमें आत्मनिर्भरता का महत्व फिर से समझाया है। एनर्जी हो या अन्य सेक्टर भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रहा है। आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है ये हमने कोरोना के दौर में देखा है। यूक्रेन संकट के दौरान देखा है और वर्तमान संकट ने एक बार फिर से सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी है।

मंदिर समिति ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

चारधाम यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फाइल फोटो

उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 26 प्रत्येक संप्रदाय को अपने ▶▶शेष पेज 5 पर

दो भाइयों ने खेला था मुनाफे का खेल

देश के सबसे बड़े बिटकॉइन घोटाले में 'पहली' गिरफ्तारी

20,000 करोड़ का गेन बिटकॉइन क्रिप्टो घोटाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फाइल फोटो

सीबीआई ने 20,000 करोड़ के गेन बिटकॉइन क्रिप्टो घोटाले में डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। सीबीआई के अनुसार आयुष वार्ष्णेय इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर जारी कर रखा था। सोमवार ▶▶शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री सैनी ने इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल के साथ की बैठक

हरियाणा और कनाडा नवाचार व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं : नायब

- एआई, स्टार्टअप और शिक्षा के क्षेत्र में कनाडा के साथ सहयोग की संभावनाओं पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को अपने आवास संत कबीर कुटीर पर इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री प्रशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कनाडा के साथ बढ़ते सहयोग को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में वे देश और क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहे हैं, जो ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर ▶▶शेष पेज 5 पर

आप पार्टी ने टेलीकॉम कंपनियों की मनमानी पर उठाए सवाल

'रीचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग बंद होना गलत, संसद में उठा मामला'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने मोबाइल फोन उपभोक्ताओं का मुद्दा उठाया है। उन्होंने प्रीपेड मोबाइल यूजर्स की बड़ी परेशानी की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि प्रीपेड रिचार्ज खत्म होने के बाद उनकी इनकमिंग सर्विसेज भी रुक जाती हैं, जो कि पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे टेलीकॉम कंपनियों की सरासर मनमानी बताया है। राज्यसभा में राघव चड्ढा ने कहा कि ट्राई का डेटा बताता है कि देश में 125 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं। इनमें से 90 फीसदी प्रीपेड मोबाइल यूजर्स हैं। मैं प्री-पेड मोबाइल यूजर्स की ओर से दो बड़ी ▶▶शेष पेज 5 पर

यह है तीन मांगें

- प्रीपेड मोबाइल में इनकमिंग कॉल और इनकमिंग एसएमएस कम से कम एक साल तक लगातार चलता रहे
- कोई भी मोबाइल नंबर तीन साल बाद डिएक्टिवेट होना चाहिए। ऐसा न हो कि आपका मोबाइल नंबर, बदलकर किसी और अलॉट कर दिया जाए
- मोबाइल ऑपरेटर्स की ओर से इनकमिंग के लिए कम कीमत में रिचार्ज की सुविधा होनी चाहिए। जिससे इनकमिंग कॉल-एसएमएस की सुविधा लोगों को मिलती रहे

गाजियाबाद के रहने वाले हरीश राणा की जिंदगी मशीनों पर

पहली बार 'इच्छामृत्यु' की मंजूरी, पिता की गुहार पर लाइफ सपोर्ट हटाया जाएगा

ऐतिहासिक फैसला : 13 साल से कोमा में रहने वाले 32 साल के हरीश राणा केस में फैसला सुनाते भावुक हो गए सुप्रीम कोर्ट के जज पारदीवाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को मंजूरी दी है। यह फैसला पिछले 13 साल कोमा में रह रहे एक शख्स के लिए आया है। गाजियाबाद के रहने वाले 32 साल के हरीश राणा की जिंदगी सिर्फ मशीनों और ट्यूबों के सहारे चल रही थी, लेकिन अब कोर्ट ने उनके पिता की गुहार पर जीवन-रक्षक इलाज (लाइफ सपोर्ट सिस्टम) हटाने की इजाजत दे दी। यह फैसला 2018 के कॉमन कॉज जजमेंट पर आधारित है, जिसमें ▶▶शेष पेज 5 पर

- सुप्रीम कोर्ट ने भारत में पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को मंजूरी दी
- यह फैसला 2018 के कॉमन कॉज जजमेंट पर आधारित

हरीश राणा की पहले की फोटो, दूसरे में कोमा के दौरान की तस्वीर

पिता को मजबूरन मांगनी पड़ी बेटे की मौत

हरीश के पिता ने सालों से अपने बेटे की हालत देखी और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। 2024 में उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील की, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। फिर सुप्रीम कोर्ट ने मामले को संज्ञान में ▶▶शेष पेज 5 पर

कोर्ट के मुख्य निर्देश क्या- क्या हैं?

- हरीश को दिए जा रहे सभी जीवन-रक्षक इलाज, जिसमें सीएएन शामिल है, तुरंत बंद या रोका जाए।
- एम्स अपने पेलिएटिव केयर सेंटर में हरीश को भर्ती करे और घर से वहां शिफ्ट करने की पूरी सुविधा दे।
- इलाज हटाने का प्लान ऐसा हो कि मरीज की गरिमा बनी रहे।
- उच्च न्यायलयों को निर्देश है कि वे ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट्स को मेडिकल बोर्ड के फैसले की जानकारी दें।
- कोर्ट ने केंद्र सरकार से सिफारिश की कि इस मामले में एक व्यापक कानून बनाया जाए।

खबर संक्षेप

चाकू के बल पर छात्र से लूटपाट करने वाले दो पकड़े

नई दिल्ली। मॉडल टाउन पुलिस ने दिनदहाड़े चाकू के बल पर छात्र से लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पकड़े गए आरोपी का नाम सौरभ बताया गया है। पुलिस ने इनके पास से मोबाइल व चाकू बरामद किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि आसान और जल्दी पैसा कमाने के लालच में इन्होंने वारदात को अंजाम दिया था। डीसीपी आकांक्षा यादव के अनुसार सोमवार को दक्ष नामक युवक ने पुलिस को शिकायत दी। उसने बताया कि वह अपने कॉलेज जाने के लिए समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन से मेट्रो में सवार हुआ और करीब 2:30 बजे आजादपुर मेट्रो स्टेशन पर उतरा। स्टेशन से बाहर निकलने के बाद जैसे ही वह आजादपुर के मुख्य गेट के सामने पहुंचा। इसी दौरान पीछे से एक लड़के ने उसके कंधे पर हाथ रखा। पीछे मुड़ते ही दूसरे लड़के ने चाकू निकालकर उसे धमकाया और उसका मोबाइल छीन व पर्स लूट लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

पूर्व पार्षद के घर लगी आग, बच्चे समेत दो घायल

नई दिल्ली। मालवीय नगर थाना इलाके के चिराग दिल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बीजेपी के पूर्व निगम पार्षद राकेश गुलिया (55) के घर में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि घर में वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। आग की चपेट में आने से पूर्व पार्षद और उनका तीन वर्षीय पोता घायल हुये हैं। पुलिस के अनुसार राकेश गुलिया को पांच प्रतिशत बर्न इंजरी आई है। वहीं बच्चे के बाल जले है। घायलों का सफदरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा है। शुरुआती जांच के बाद आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट के चलते आग लगी है। पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने का कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है। डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 5.44 बजे आग की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियों को हनुमान रोड पर चिराग दिल्ली के हाउस नंबर 546ए की तीसरी मंजिल पर लगी थी। आग घरेलू सामान में लगी थी।

क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े छेनू गैंग के दो बदमाश

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने छेनू गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम राशिद उर्फ सोनू और फहीम बताये गये। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्टल, पांच कारतूस और एक कार जब्त की है। राशिद मयूर विहार थाने का घोषित बदमाश है और उस पर 21 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह जयपुर में 70 लाख की ज्वेलरी चोरी के मामले में भी वांटेड था। डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार सूचना मिली कि लुटेरों व चोरों का एक अंतरराज्यीय गिरोह, जो हाल ही में छेनू गिरोह में शामिल हुआ है रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल के पास किसी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने जेके नंबर की एक संदिग्ध कार को रोका। पुलिस को देखकर आरोपी कार से उतरकर भागने लगे। थोड़ी हाथापाई के बाद टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। इनकी निशानदेही पर कार से दो पिस्टल व कारतूस बरामद किए गये।

मुख्यमंत्री ने 'जनसुनवाई' में सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

सीएम जनसुनवाई पोर्टल, एप से घर बैठे दर्ज हो रही हैं शिकायतें : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- अब दफ्तरों के चक्कर काटने से लोगों को मिल रही है मुक्ति, तकनीक और पारदर्शिता से बदल रही दिल्ली की कार्य संस्कृति

दिल्ली में सीएम जनसुनवाई पोर्टल, एप और हेल्पलाइन से घर बैठे शिकायतें दर्ज हो रही हैं। इससे दिल्ली के लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल रही है वहीं तकनीक और पारदर्शिता से दिल्ली की कार्य संस्कृति बदल रही है। यह बात बुधवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में जनसुनवाई के दौरान कही। गौरतलब है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित 'जनसुनवाई' के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल लोगों की समस्याओं को विस्तार से सुना, बल्कि मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की बात सुनना और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान देना ही सुशासन का असली पैमाना है। दिल्ली की यह नई कार्य संस्कृति है, जहां सरकार जनता के द्वार तक पहुंच रही है। हमारा संकल्प दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था को सेवा, पारदर्शिता और जनभागीदारी के स्तंभों पर मजबूत करना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नागरिकों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। तकनीक का उपयोग करते हुए सरकार और जनता के बीच की दूरी को खत्म किया गया है। उन्होंने 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल' और मोबाइल ऐप की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा साझा मंच है जहां दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार के सभी विभागों की शिकायतें एकसाथ दर्ज की जा सकती हैं। पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायत की प्रगति को ट्रैक भी कर सकते हैं। अगर समाधान से नागरिक संतुष्ट नहीं है तो सिस्टम के माध्यम से मामला स्वतः ही उच्च अधिकारियों (अपीलीय प्राधिकार) के पास पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, कॉल सेंटर (1902) की हेल्पलाइन सेवा और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर ऑफलाइन माध्यम से भी अपनी बात रखने की सुविधा प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने डिजिटल डिवाइड को खत्म करने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) नेटवर्क का विस्तार किया है। अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र और पेंशन जैसी 75 महत्वपूर्ण ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाएं दिल्ली के कोने-कोने में स्थित 7 हजार से अधिक केंद्रों पर उपलब्ध हैं। इसके लिए केवल 30 रुपये का नाममात्र शुल्क तय किया गया है ताकि बिचौलिया तंत्र और साइबर कैफे द्वारा होने वाले आर्थिक शोषण पर लगाम लग सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की संतुष्टि ही हमारी सफलता की कसौटी है।

दो कुख्यात ड्रग तस्कर क्राइम ब्रांच ने दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने दो कुख्यात ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। ड्रग तस्करों के नाम विजय कुमार उर्फ डैनी और विकास उर्फ विक्की बताये गये हैं।

एडिशनल सीपी एएनटीएफ अभिषेक धानिया के अनुसार दिल्ली में एक्टिव ड्रग पेडलर्स की रीढ़ तोड़ने और नारकोटिक्स सप्लाई नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनकी टीम ने ऑर्गनाइज्ड नारकोटिक्स ट्रेड में शामिल ड्रग ट्रैफिकर्स की पहचान करने और उन्हें बेअसर करने के लिए लगातार और फोकस्ड कोशिशें कीं। दोनों आरोपियों को तिहाड़ जेल भेजा गया है। आरोपी विजय कुमार नंद नगरी का रहने वाला है। इसका क्रिमिनल इतिहास 1992 से है। वह लगभग 50 मामलों में शामिल रहा है, जिनमें मर्डर, स्नैचिंग, एक्साइज वायलेशन और ड्रग ट्रैफिकिंग से जुड़े अपराध शामिल हैं। नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग में इसका नाम साल 2007 में सामने आया। तब इसे नंद नगरी थाने की पुलिस ने 2.6 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया था। हाल ही में इसके और साथियों के पास से 726 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। आरोपी विकास उर्फ विक्की नजफगढ़ का रहने वाला है। इसने 12वीं तक पढ़ाई की है और वह नशीली दवाओं की अवैध तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। ड्रग तस्करी में उसकी संलिप्तता पहली बार साल 2022 में सामने आई, जब उसे क्राइम ब्रांच ने 54 ग्राम एम्फेटेमिन नामक ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद 2025 में भी इसे पकड़ा गया, जिसमें उसके और साथियों के पास से 61 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुई।

नारकोटिक्स की तस्करी में इनके बार-बार शामिल होने को देखते हुए दोनों आरोपियों पर पीआईटीएनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। डीसीपी राहुल अलवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में पीआईटीएनडीपीएस एक्ट के तहत दूसरे एक्टिव ड्रग तस्करों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी ताकि एक मजबूत रोकथाम बनाई जाए और इसमें शामिल लोगों में कानून का डर बना रहे।

सूरज ने दिखाए कड़े तेवर इस सीजन का सबसे अधिक तापमान हुआ दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली वालों के लिए सूरज के बढ़ते कड़े तेवर परेशानी का सबब बन रहा है। हालात यह हो गए हैं कि मार्च के मध्य से पहले ही दिल्ली वालों को मई जून वाली भीषण गर्मी की मार सहनी पड़ रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़कर 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 8.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। आईएमडी के अनुसार स्थानीय स्तर की बात करे तो रिज एरिया व आया नगर में अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि लोधी रोड में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 37. 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह से ही मौसम ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए जो दिन चढ़ने के साथ बढ़ते चले गए। आसमान एकदम साफ सुथरा रहने की वजह से सूरज की किरणें सीधी जमीन पर पहुचने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज हुई। फिलहाल उमस नहीं होने से राहत जरूर मिल रही है, लेकिन सूरज आग उगलने लगा है। शनिवार यानी 7 मार्च 2026 से ही दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से अधिक दर्ज हो रहा है जो गत कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मौसम के जानकारों का कहना है अगले तीन चार दिनों में मौसम में कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। पहाड़ों में होने वाली मौसमी गतिविधियों का असर दिल्ली एनसीआर में गर्मी में कमी के रूप में सामने आ सकता है।

दिल्ली में ईंधन की कोई किल्लत नहीं अफवाहों पर ध्यान न दें : दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दिल्ली में एलपीजी और पीएनजी का पर्याप्त भंडार मौजूद, पेट्रोल-डीजल और गैस की आपूर्ति सामान्य
- मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में किसी भी प्रकार की चोरी या कालाबाजारी पर रोक लगाने के दिए निर्देश

दिल्ली में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दे और अनावश्यक घबराहट या भंडारण से बचें। यह अपील बुधवार को दिल्ली सरकार ने दिल्ली की जनता से की है। गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्य सचिव राजीव वर्मा की अध्यक्षता में खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, दिल्ली पुलिस, राजस्व विभाग, इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और विभिन्न तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मध्य-पूर्व एशिया में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण एलपीजी गैस की आपूर्ति बाधित होने संबंधी फैल रही अफवाहों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 9 मार्च 2026 को एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए घरेलू (डोमेस्टिक) पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति, उसके उचित और समान वितरण और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में घरेलू उपयोग के लिए पीएनजी की कोई कमी नहीं है। साथ ही प्राथमिकताओं का पुनः निर्धारण करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगभग 80 प्रतिशत तक निर्बाध गैस आपूर्ति को नियमित कर दिया गया है। तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी.गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और कंपनियों के पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। तेल और गैस की सप्लाई पहले की तरह लगातार मिल रही है। गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है, लेकिन बुकिंग के बाद औसतन 2 से 3 दिनों के भीतर सिलेंडर उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचाया जा रहा है। बैठक में यह भी बताया गया कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए तेल विपणन कंपनियों द्वारा कुछ दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं, जिनके तहत शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल गैस की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए ऑयल कंपनियां लगातार प्रयासरत हैं। सरकार ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि गैस की किसी भी प्रकार की चोरी या कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। इस उद्देश्य से दिल्ली पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार ने पुनः दोहराया है कि राजधानी में तेल और गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है। आम जनता से अपील की गई है कि एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक घबराहट या भंडारण से बचें।

एनडीएमसी दे रहा कला और संस्कृति को बढ़ावा

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) प्रशासन का कहना है कि कला और संस्कृति को बढ़ावा देना एनडीएमसी अधिनियम-1994 की धारा-12 के तहत परिषद के कार्यों में से एक है। यह प्रावधान परिषद को कला और संस्कृति को संग्रहालयों और ऑडिटोरियम की सीमाओं से बाहर निकालकर खुले में लाने की जिम्मेदारी देता है, जहां आम जनता इनमें भाग ले सके और इनका आनंद उठा सके। एनडीएमसी स्पिक मैके और एसआरएफ फाउंडेशन के सहयोग से नेहरू पार्क, नई दिल्ली में "म्यूजिक इन द पार्क" श्रृंखला के अंतर्गत शास्त्रीय संगीत की दो शामों का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम शनिवार और रविवार, अर्थात 14 और 15 मार्च 2026 को शाम 6:30 बजे से आयोजित होगा। नेहरू पार्क में कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति मार्ग से है और सभी के लिए निःशुल्क है।

वर्तमान पार्षदों एवं उनके आश्रितों को सीजीएचएस दरों पर मिलेगी उपचार की सुविधाः महापौर

नई दिल्ली। जनप्रतिनिधियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने बुधवार को जानकारी दी कि दिल्ली नगर निगम ने अपने वर्तमान पार्षदों के लिए निजी स्वास्थ्य संस्थानों में केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की दरों पर चिकित्सा उपचार की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। महापौर ने बताया कि इस पहल के तहत दिल्ली नगर निगम के वर्तमान पार्षद एवं उनके पात्र आश्रित अब सूचीबद्ध निजी अस्पतालों, नेत्र केंद्रों, दंत चिकित्सालयों तथा डायग्नोस्टिक केंद्रों में विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय जाँच एवं उपचार सीजीएचएस दरों पर प्राप्त कर सकेंगे।

वर्ष 2002 से आज तक सभी नए मेट्रो कॉरिडोर की पहली ट्रेन में यात्रा करने वाले का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल की शुरुआत 2002 से मार्च 2026 तक सभी नए मेट्रो कॉरिडोर की शुरुआत की पहली मेट्रो में ट्रेन में यात्रा करने वाले अनिल मारवाह को सम्मान किया गया। इस बारे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने बताया कि मारवाह को यह सम्मान नई दिल्ली में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू के हाथों प्रदान किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री साहू के अलावा डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार व डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन अनुज दयाल आदि मौजूद थे। इस बारे में दयाल ने बताया कि केंद्रीय मंत्री साहू ने कहा कि वाकई मारवाह का 24 साल का सफ़र दिल्ली मेट्रो के साथ लोगों के गहरे जुड़ाव और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए उनके उत्साह को दिखाता है। उनके अनुभव सुनना सच में दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के के नेतृत्व में और डबल-इंजन सरकार के साथ, पूरे भारत में मेट्रो सिस्टम लगातार बढ़ रहा है और ज़्यादा साफ़, सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद बन रहे है। जिससे लाखों लोगों के लिए रोजाना आना-जाना आसान बनाने के लिए शहरी मोबिलिटी मजबूत हो रही है। तोखन साहू ने कहा कि मैं लोगों से, खासकर हमारे मेट्रो शहरों में, मेट्रो जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करने की गुज़ारिश करता हूँ। हर राइड ट्रैफ़िक, प्रदूषण और एनर्जी के इस्तेमाल को कम करने में मदद करती है। लाखों लोगों के छोटे-छोटे फैसले हमारे शहरी भविष्य को बदल सकते हैं।

आबकारी मामले को किसी अन्य बेंच को सौंपा जाए : केजरीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- केजरीवाल-सिसोदिया समेत कई आरोपियों ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर की मांग

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और दिल्ली आबकारी नीति मामले के कई अन्य आरोपियों ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर मांग की है कि इस मामले को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से किसी अन्य बेंच में ट्रांसफर किया जाए। पत्र में उन्होंने तर्क दिया है कि निष्पक्षता सुनिश्चित करने और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए मामले की सुनवाई एक निष्पक्ष बेंच द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी आबकारी मामले में जज द्वारा पारित कई आदेशों को सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें डर है कि इस मामले में पूरी तरह से निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो पाएगी। उन्होंने मांग की है कि सीबीआई बनाम कुलदीप सिंह और अन्य मामले को किसी अन्य बेंच के सामने रखा जाए। इससे न्याय प्रणाली में निष्पक्षता और जनता का विश्वास बना रहेगा। पत्र में तर्क दिया गया है कि आरोप मुक्त किए गए आरोपियों को सुने बिना शुरुआती चरण में ऐसे निर्देश जारी करना चिंता पैदा करता है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या रिवीजन याचिका की जांच आवश्यक न्यायिक तटस्थता के साथ की जाएगी।

बच्चे की किडनैपिंग का मामला सुलझा, कपल अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खजूरी खास में बच्चे की किडनैपिंग का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। बच्चे को सुरक्षित बचाकर पुलिस ने आरोपी कपल को भी अरेस्ट कर लिया। डीसीपी आशीष मिश्रा के अनुसार 9 मार्च को खजूरी खास थाने में एक बच्चे के लापता होने की घटना रिपोर्ट हुई थी। 45 वर्षीय महिला ने पुलिस को बताया कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। शाम करीब 4:30 बजे एक 35 साल के आसपास उम्र वाली अनजान महिला खाना देने के बहाने उसके आठ महीने के बेटे को ले गई और बाद में उसका कुछ पता नहीं चला। जांच के दौरान टीम ने अलग-अलग सोर्स से जरूरी सबूत इकट्ठा किए और अहम सुराग हासिल किए। इकट्ठा किए गए सुरागों के आधार पर पुलिस ने रूप नगर इलाके से एक 30 साल की महिला को पकड़ा। उसके कब्जे से किडनैप हुए बच्चे को सुरक्षित छुड़ाया। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी महिला ने जुर्म में शामिल होने की बात मान ली। महिला की निशानदेही पर उसके पति पवन (31) को भी गिरफ्तार कर लिया गया। बचाया गया बच्चा सुरक्षित उसकी मां के हवाले कर दिया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कुलदीप उर्फ कुणाल** पुत्र जय भगवान, निवासी- मकान नं. बी-1/213 सुल्तानपुरी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 291/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना पश्चिम विहार पश्चिम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कुलदीप उर्फ कुणाल** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **कुलदीप उर्फ कुणाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **कुलदीप उर्फ कुणाल, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 291/2019 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना पश्चिम विहार पश्चिम, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री अंकित करण सिंह
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट-08
कमरा नंबर 30
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/3027/OD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित पुत्र श्री मुकेश पताः मकान नं 365, गली नं. 5/1, बी ब्लॉक, बाबा कॉलोनी, संत नगर, बुराड़ी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1199/2022 धारा 379/411 भा.द.स. के तहत** थानाः बुराड़ी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1199/2022 धारा 379/411 भा.द.स. के तहत थाना बुराड़ी, दिल्ली के उक्त रोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पायल सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–09
(केंद्रीय जिला) कमरा नं. 286,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3040/N/2026

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नं. 1–10, ब्लॉक–बी, सेक्टर–4, पंचकूला

घोषणा

विषय : उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा में मनोविज्ञान विषय में असिस्टेंट प्रोफैसर (कॉलेज कैडर) के पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा (विज्ञा. सं. 63/2024)

नीचे वर्णित पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु क्वालीफाइड हो चुके उम्मीदवारों की सामान्य जानकारी के लिए एतद द्वारा यह घोषणा की जाती है कि आयोग ने नीचे दिये गये कार्यक्रम के अनुरूप विषय ज्ञान परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है :-

क्र.सं.	पद व विभाग का नाम	विज्ञा. सं.	परीक्षा की तिथि व समय
1.	उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा में मनोविज्ञान विषय में असिस्टेंट प्रोफैसर (कॉलेज कैडर)	63/2024	22.03.2026 पूर्वा. 10:00 बजे से अप. 1:00 बजे तक

उम्मीदवारों को अपने प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट अर्थात **https://hpsc.gov.in** पर उपलब्ध करवाए गए लिंक से 16.03.2026 से डाउनलोड करने का परामर्श दिया जाता है।

आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि सभी उम्मीदवार जो उपरोक्त पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु क्वालीफाइड हो चुके हैं, को परीक्षा में बैठने के लिए अंतरिम रूप से अनुमति दी जा रही है, जो विज्ञापन के अनुरूप सभी पात्रता शर्तें पूर्ण करने के अधीन है।

टिप्पणियां :-

1. *उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र डाउनलोड करने और ए-4 साइज पेपर पर इसका प्रिंट लेने का निर्देश दिया जाता है ताकि उनके फोटो और अन्य विवरण आसानी से देखे / प्रमाणित किये जा सकें। अस्पष्ट फोटो / हस्ताक्षरों सहित छोटे आकार के प्रवेश-पत्र वाले उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।*
2. *उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र पर दिये गये सभी निर्देश बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ने का परामर्श दिया जाता है।*

दिनांक : 10.03.2026
हस्ता/- उप सचिव
संवाद-1156/13/379/2026/43720/88/7 दि. 11.03.26
हरियाणा लोक सेवा आयोग, पंचकूला

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प करनाल	कैथल में जिला उद्योग केन्द्र का निर्माण (ईएलवी सेवाओं का प्रावधान केवल) + 6 कार्य।	10.03.2026 16.03.2026	108.63 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प हांसी	हांसी जिले में मौजूदा एसडीओ सिविल कॉम्पलैक्स अब डीसी कार्यालय में सम्मेलन हॉल का पुनरोद्धार (जीएसटी के बिना)।	10.03.2026 16.03.2026	16.66 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1663259688 pwd-eepd-hansi@hry.nic.in
3	लोनिवि भ व प रोहतक	जीन्द में ज्यूडीशियल कोर्ट कॉम्पलैक्स, नरवाना में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधाएं (13 पैसेंजर लिफ्टों का प्रावधान केवल) + 1 कार्य।	10.03.2026 17.03.2026	25.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwd-eeed-rohtak@hry.nic.in
4	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	संवर्धन कैनाल कॉलोनी, मेरठ रोड, करनाल में कोठी नं. 5 का पुनरोद्धार + 1 कार्य।	10.03.2026 17.03.2026	23.58 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2258008 xeninddivn@yahoo.in
5	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सिरसा	रूपावास - आरसीसी पाइप इनलेट चैनल को बदलना, पेंटिंग, डिस्टेम्परिंग और स्नोसेम, वितरण पाइप लाइन, स्लूइस वॉल्व हौदियां बिछाना, कनेक्शनों की बहाली और नये कनेक्शन तथा रूपावास में उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्य।	09.03.2026 24.03.2026	128.55 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1666221925 ee2sirsa@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2026/100/43745/I/88/7 दि. 11.03.26

लोक निवास में दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ

संधू बने दिल्ली के 23 वें उपराज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को राजधानी दिल्ली के 23 वें उपराज्यपाल के रूप में पदभार संभाला। लोक निवास में आयोजित समारोह में दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने संधू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद एलजी संधू ने कहा कि मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को हार्दिक धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे विकसित दिल्ली और विकसित भारत के विज़न में योगदान देने की यह जिम्मेदारी सौंपी है। एलजी संधू ने कहा कि मैं भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार, हमारे पड़ोसी राज्यों और दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर नेशनल कैपिटल की समस्याओं को हल करने और शहर को ग्लोबल कैपिटल के तौर पर उसकी सही जगह दिलाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि वह भारत सरकार, दिल्ली सरकार, पड़ोसी राज्यों और दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर, प्रधानमंत्री के विकसित दिल्ली और विकसित भारत के विजन को साकार करने का काम करेंगे। सभी हितधारकों के साथ मिलकर शहर की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए काम करेंगे। समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राज्य मंत्री कॉर्पोरेट कार्य हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली, पंजाब तथा अन्य राज्यों के विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद और दिल्ली के सत्तारूढ़ तथा विपक्षी दलों के विधायक भी उपस्थित रहे। इनके अलावा दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेता, प्रतिष्ठित नागरिक, उनके पूर्व सहयोगी तथा पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से आए उनके सैकड़ों मित्र और शुभचिंतक भी मौजूद थे। समारोह में बड़ी संख्या में कूटनीतिक कोर के सदस्य भी उपस्थित थे। इनमें भारत में अमेरिका के राजनयिक सर्जियो गोर, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन, भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हमीदुल्लाह सहित पड़ोसी और अन्य देशों के कई राजदूत शामिल थे। कार्यभार संभालने के बाद में एलजी संधू ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, तथा ऐतिहासिक गुरुद्वारा रकाब गंज तथा कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दें कि एलजी संधू भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के पूर्व अधिकारी रहे है। दिल्ली में इस समय भाजपा की ही सरकार है ऐसे में कहा जा सकता है कि नए एलजी संधू के पास बहुत कुछ करने के लिए नहीं होगा। दिल्ली सरकार के फैसलों पर फ्री हैंड होकर कुछ करना शायद आसान न हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नवनियुक्त उपराज्यपाल को दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को उनके शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुईं। उन्होंने नए उपराज्यपाल को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली हम सबकी साझा विरासत है। इसकी प्रगति और समावेशी समृद्धि के लिए हम सभी मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके व्यापक और दीर्घ प्रशासनिक अनुभव से दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों को नई गति और ऊंचाइयां प्राप्त होंगी। आपके सफल और यशस्वी कार्यकाल के लिए हार्दिक मंगलकामनाएं।

भूमि आवंटियों के अधिकारों के मुद्दे को अधिकारियों के समक्ष गंभीरता से उठाएंगे : रविंद्र इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम, 1954 की धारा 74(4) के तहत 20 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत भूमि के आवंटियों को भूमिदारी अधिकार प्रदान करने के विषय को संबंधित अधिकारियों के साथ पूरी गंभीरता से उठाया जाएगा, ताकि इस दिशा में आवश्यक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके और सकारात्मक समाधान की संभावनाओं पर विचार किया जा सके। यह बात बुधवार को कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह के आवास पर उनसे मिलने आए दिल्ली देहात दलित पिछड़ा जन कल्याण मंच के प्रतिनिधियों को आश्वासन देते हुए कही।

गौरतलब है कि बुधवार को दिल्ली देहात दलित पिछड़ा जन कल्याण मंच के अध्यक्ष सत्य नारायण के नेतृत्व में लगभग 50 व्यक्तियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में मंच के चेयरमैन मंगत राम तथा उपाध्यक्ष प्रीत सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम, 1954 की धारा 74(4) के अंतर्गत 20 सूत्री कार्यक्रम के तहत कृषि भूमि के आवंटियों को भूमिदारी अधिकार प्रदान करने से संबंधित विषय को मंत्री इंद्राज के समक्ष उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लंबे समय से इस विषय को लेकर आवंटी परिवारों की अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं और यदि उन्हें भूमिदारी अधिकार प्रदान किए जाते हैं तो इससे उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी।

खबर संक्षेप

प्लास्टिक की थैलियां और बोतलें बन सकती हैं मच्छरों का घर : डॉ माधुरी पंत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और देहात के ग्रामीण इलाकों में इधर-उधर और नाले नालियों में फेंकी गई प्लास्टिक की थैलियां, खाली बोतलें और अन्य प्लास्टिक कचरा मच्छरों के पनपने का बड़ा कारण बन सकते हैं। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन में उप जन-स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ माधुरी पंत का कहना है कि इन वस्तुओं में थोड़ी-सी बारिश या सफाई के बाद जमा हुआ पानी लंबे समय तक ठहरा रहता है, जो मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर सड़कों के किनारे, खाली प्लॉटों और नालों के आसपास बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा जमा है। इन थैलियों और बोतलों में पानी भर जाने से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं।

निगम स्थायी समिति अध्यक्ष ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बुधवार को वार्ड संख्या-70 (शास्त्री नगर) क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं तथा चल रहे विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद मनोज कुमार जिंदल, सिटी-सदर पहाड़गंज जोन के उपायुक्त तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान स्थायी समिति अध्यक्ष ने सबसे पहले शास्त्री नगर स्थित ढलाव घर का दौरा किया। उन्होंने स्वच्छता अधीक्षक को निर्देश दिए कि ढलाव घर के आसपास और भीतर पूर्ण साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा वहां से किसी प्रकार की दुर्गंध न आए, क्योंकि यह स्थान मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित है। साथ ही उन्होंने ढलाव घर की समय-समय पर पेंटिंग कराने के भी निर्देश दिए, ताकि उसका स्वरूप साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखाई दे।

जीटीबी और संजय गांधी अस्पताल में शुरू होंगे नए स्पेशल मेडिकल कोर्स : डॉ. पंकज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार जल्द ही गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में दो नए स्पेशल मेडिकल कोर्स शुरू करेगी। इस बात की जानकारी बुधवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित प्रोग्राम में जीटीबी अस्पताल में गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी फेलोशिप और संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में फैमिली मेडिसिन में डीएनबी प्राइमरी कोर्स शुरू किया जाएगा। इन कोर्सों के शुरू होने से मेडिकल एजुकेशन और स्पेशल हेल्थकेयर सर्विस को और ज्यादा मजबूती मिलेगी। मंत्री पंकज ने बताया कि जीटीबी अस्पताल में गाइनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी फेलोशिप प्रोग्राम को एसोसिएशन ऑफ गाइनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एजीओआई) के तहत एक सीट के साथ शुरू करने का प्रस्ताव है।

ठेके पर सफाई कर्मियों की नियुक्ति को लेकर सिविक सेंटर पर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में ठेके पर सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को लेकर बुधवार को दिल्ली नगर निगम मजदूर फेडरेशन के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। फेडरेशन के अध्यक्ष रणधीर गागट के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार शाम को महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह से मुलाकात कर हर जोन में 50-50 ठेका कर्मचारियों को लगाए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया। गागट ने महापौर से निवेदन करते हुए कहा कि यदि ठेके पर कर्मचारियों की नियुक्ति का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो दिल्ली नगर निगम मजदूर फेडरेशन और दिल्ली नगर निगम सर्व कर्मचारी भारतीय लोक हित मोर्चा संयुक्त रूप से आंदोलन शुरू करेंगे। इस दौरान फेडरेशन के कार्यकर्ताओं ने निगम प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। महापौर राजा इकबाल सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ऐसा नहीं किया जाएगा। वहीं फेडरेशन के महामंत्री सनोटिया ने कहा कि जब तक इस निर्णय को लेकर लिखित रूप में आदेश रद्द नहीं किए जाते, तब तक कर्मचारियों का विरोध और आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर फेडरेशन के चेयरमैन जयप्रकाश जेपी, भीम लुक्कड़, महिला अध्यक्ष रीना बहोत, सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीडीए उपाध्यक्ष सरवन की मौजूदगी में अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक सुरक्षा को लेकर बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष एन. कुमार सरवन की मौजूदगी में बुधवार को एक अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक सुरक्षा को लेकर कई मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। जानकारी अनुसार डीडीए में अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों और प्रोग्राम को लागू करने के बारे में एक रिव्यू मीटिंग हुई जिसकी अध्यक्षता नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल ट्राइब्स के सदस्य, निरुपम चकमा और डॉ. आशा लाकड़ा ने की। मीटिंग में अनुसूचित जनजातियों की संवैधानिक सुरक्षा व उपायों के कार्यान्वयन की स्थिति की वर्तमान व आगामी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में इनके संवैधानिक सुरक्षा उपायों का असरदार तरीके से पालन सुनिश्चित करने के उपायों को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया।

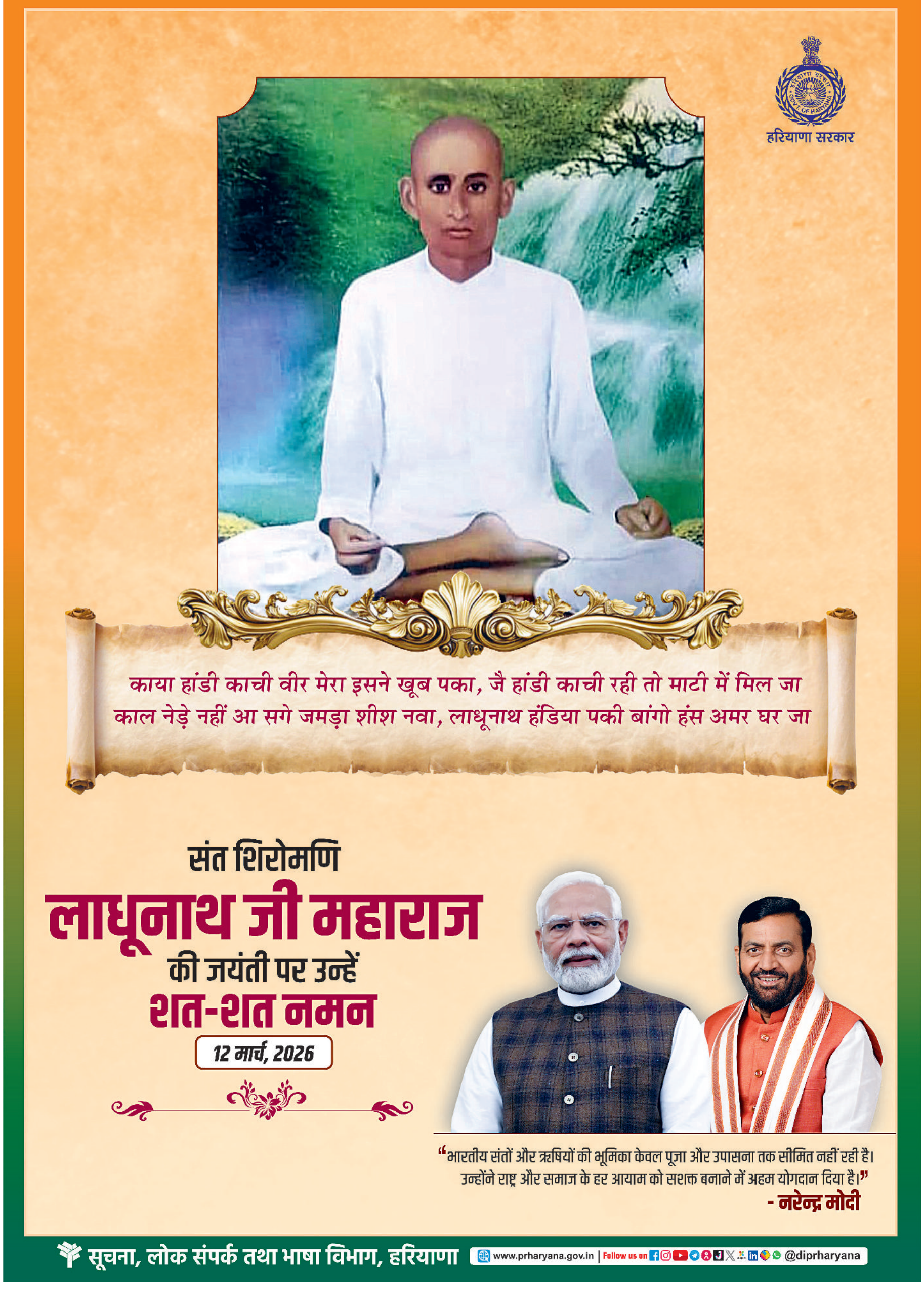

खबर संक्षेप

गहने हड़पने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना पल्ला क्षेत्र के अंतर्गत महिला को बातों के झांसे में लेकर उसके गहने उतरवाकर ले

जाने के मामले में क्राईम ब्रांच उंचा गांव की टीम ने एक महिला सहित दो को गिरफ्तार किया है। आरोपी मनोज निवासी निहाल विहार नई दिल्ली के रूप में हुई है।सेहतपुर वासी एक महिला ने थाना पल्ला में दी अपनी शिकायत में बताया कि 16 फरवरी की शाम को वह चेतन मार्केट गई थी।

ठगी के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल में दर्ज 14,73,337 रुपए की ठगी के एक मामले में थाना की टीम ने 10

मार्च को साहिल अख्तर व वसीम अख्तर निवासी पहाड़गंज नई दिल्ली को मैन बाजार पहाडगंज से गिरफ्तार किया है। सेक्टर-89 निवासी एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि उसको ठगों द्वारा झांसे में लेकर उसकी कॉल फारवर्ड करवा ली गई जिससे ओटीपी का एक्सस ठगो के पास चला गया।

पांच गोकश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना क्रोसिंग रिपब्लिक पुलिस ने मंगलवार की रात में मुठभेड़ के दौरान पांच

गोकशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की तरफ से चली गोली से दो गोकश घायल हो गये। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मंगलवार की रात में मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि जिस गिरोह के द्वारा 3 मार्च को गौकशी की घटना को अंजाम दिया गया था वही गिरोह आज दोबारा से सक्रिय है।

सरकार से नाराज फायर कर्मी जुटे आंदोलन की तैयारियों में सभी फायर स्टेशनों का किया तूफानी दौरा

फायर फाइटर भवी चंद व रणवीर को शहीद का दर्जा न देने से भड़के फायर कर्मचारी 8 व 9 अप्रैल को करेंगे हड़तालः प्रधान राजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की इकाई हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने 8 व 9 अप्रैल की राज्यव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। आज एनआईटी नेहरू ग्राउंड स्थित फायर स्टेशन सहित अन्य सभी स्टेशनों पर जाकर कर्मचारियों की सभाएं आयोजित कर हड़ताल को सफल बनाने की अपील की। हड़ताल की सफलता के लिए हरियाणा फायर विभाग कर्मचारी यूनियन ने चार जत्थों का गठन किया है। आज फायर विभाग के प्रधान राजेन्द्र व महासचिव गुलशन भारद्वाज के नेतृत्व में जत्था फरीदाबाद पहुंचा उनके साथ हरियाणा फायर विभाग कर्मचारी यूनियन के नेता जयप्रकाश, अरुण, समेराम, रामपाल, रिंकू कुमार व संतोष भी उपस्थित रहे। फायर कर्मचारियों की सभाओं में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप महासचिव सुनील चिंडालिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हरियाणा फायर विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेन्द्र व महासचिव गुलशन भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा सरकार न्याय देने में देरी कर रही है बल्कि शहीद फायर फाइटर भविचंद, रणवीर सिंह को न्याय दिलाने के लिए फायर कर्मचारियों को आंदोलन करने के लिए मजबूर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का न्याय सामान्य नहीं बल्कि दोयम दर्जे का है उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि सूरजकुंड में झूला एक्सीडेंट दुर्घटना में मारे गए पुलिस कर्मचारी को सरकार ने शहीद का दर्जा व एक करोड़ रुपया आर्थिक सहायता राशि परिवार के सदस्य को नौकरी देने की तत्परता से घोषणा की थी लेकिन मुजेसर सेक्टर 24 कालका जी स्टील कंपनी में भयानक आगजनी और विस्फोट में मारे गए पुलिसकर्मी रवि व फायर कर्मी भविचंद एवं रणवीर को शहीद का दर्जा आर्थिक सहायता एक-एक करोड़ रुपए व परिवार के आश्रितों को नौकरी देने में सरकार देरी कर रही है सरकार का यह व्यवहार न्याय संगत नहीं है।

फायर विभाग के प्रधान राजेंद्र ने चेतावनी दी है कि यदि फायर कर्मचारियों को सरकार ने न्याय नहीं दिया और फायर कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो फायर के कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल को अनिश्चितकालीन हड़ताल में परिवर्तित करने का निर्णय लेंगे।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि हरियाणा फायर विभाग कर्मचारी यूनियन नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की इकाई है और उनके न्याय उचित मांगों के लिए किए जा रहे आंदोलन का सर्व कर्मचारी संघ व नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा समर्थन करता है तुरंत प्रभाव से फरीदाबाद आगजनी घटना के शहीदों को सम्मान उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए सहायता राशि व नौकरी देकर सरकार न्याय प्रदान करें सरकार ने यदि फायर कर्मचारी की मांगों को पूरा करने में देरी की और फायर कर्मचारियों का आंदोलन आगे बढ़ा तो पालिका परिषद और निगमों के 50 हजार कर्मचारी भी इस आंदोलन में कूद पड़ेंगे।

लायनिज्म के 70 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह का आयोजन हुआ

लायन योगिन्दर सिंह तेवतिया को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मेडल से सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारत में लायनिज्म के 70 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321.1 के सक्रिय समाजसेवी लायन योगिन्दर सिंह तेवतिया को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों एवं लायनिज़्म के प्रति समर्पण के लिए प्रतिष्ठित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मेडल से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान लायंस इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन अरविंदर पाल सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन जितेन्द्र एस चौहान, डिसट्रिक्ट गवर्नर लायन ओंकार सिंह रेनू, डिस्ट्रिक्ट 321.1 तथा पीडीजी लायन तेज पाल सिंह खिल्लन (पीडीजी), डीजी हनी कमेटी चेयरपर्सन एवं भारत में लायनिज़्म के 70 वर्ष पूर्ण होने के समारोह समिति के अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में आईपीडीजी लायन एन के गुप्ता

जी (डिसट्रिक्ट गवर्नर 2024-2025) सहित देश के विभिन्न जिलों से आए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स, लायंस इंटरनेशनल के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट 321.1 के अनेक लायन सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लायनिज़्म की सेवा परंपराए सामाजिक सहयोग और मानवीय मूल्यों की गौरवशाली यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। लायन योगिन्दर सिंह तेवतिया, जो वर्तमान में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी, स्किल्स डेवलपमेंट फॉर यूथ एम्पावरमेंट (डिस्ट्रिक्ट 321.1) के रूप में सेवाएं दे रहे हैं, को यह सम्मान समाज सेवाए युवा सशक्तिकरण तथा मानवीय सेवा कार्यों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-2025 में लायंस क्लब फरीदाबाद डेफोडिल के क्लब प्रेसिडेंट के रूप में कार्य करते हुए लायन योगिन्दर सिंह तेवतिया के नेतृत्व में क्लब द्वारा अनेक प्रमुख सेवा कार्य किए गए, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों को व्यापक लाभ मिला और लायनिज़्म की सेवा भावना को नई ऊंचाई मिली। इस सम्मान के लिए लायन योगिन्दर सिंह तेवतिया ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन ओंकार सिंह रेनू, आईपीडीजी लायन एन के गुप्ता, पीडीजी लायन तेज पाल सिंह खिल्लन तथा डिस्ट्रिक्ट 321.11 के सभी लायन सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा के कार्यों को और अधिक समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

कई अहम मंजूरी हासिल की

एमआरओ सेक्टर को मजबूत करेगा हैवियस एयरोटेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

भारत में विमान मरम्मत और रखरखाव (एमआरओ) सेक्टर को मजबूत करने की दिशा में हैवियस एयरोटेक इंडिया लिमिटेड ने बड़ा विस्तार किया है। कंपनी ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से कई अहम मंजूरी हासिल की है। वहीं जर्मनी की सैफ्रान केबिन जर्मनी के साथ रणनीतिक साझेदारी भी की है। अब बेंगलुरु में कंपनी की नई तकनीकी सुविधाएं शुरू की गई हैं, जबकि दिल्ली स्थित यूनिट को भी नई तरह की तकनीकी सेवाएं देने की अनुमति मिली है। जिसके चलते भारतीय एयरलाइंस को अब विमान के कई महत्वपूर्ण उपकरणों और केबिन से जुड़ी मरम्मत के लिए विदेश पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

कंपनी को बेंगलुरु स्थित अपने केंद्र में गैली, एवियोनिक्स और लाइफ-सेविंग इक्विपमेंट की मरम्मत और सर्विस करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही यह केंद्र दक्षिण भारत का पहला और फिलहाल एकमात्र ऐसा सर्विस स्टेशन बन गया है जिसे जर्मनी की सैफ्रान केबिन जर्मनी ने आधिकारिक तौर पर अधिकृत किया है। वहीं दिल्ली स्थित कंपनी के केंद्र को भी नागर विमानन महानिदेशालय से एक अहम मंजूरी मिली है। यहां अब एनवायरमेंटल और टेम्परेचर-कंट्रोल्ड कार्गो कंटेनर की मरम्मत और मेंटेनेंस किया जा सकेगा। कंपनी का कहना है कि जर्मनी की सैफ्रान केबिन जर्मनी जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों के साथ मिलकर वह भारत में ऐसी आधुनिक सुविधाएं विकसित कर रही है, जिससे विमानों की देखभाल और मरम्मत तेज, सस्ती और ज्यादा भरोसेमंद तरीके से यहीं देश के अंदर हो सके।

जीडीए करेगा आठ गोल चक्करों का ग्रीनलैंड थीम पर सौंदर्यीकरण

गाजियाबाद के चौराहों की बढ़ेगी सुंदरता,ट्रैफिक प्रबंधन होगा स्मार्ट

प्रमुख चौराहे जिनका होगा ग्रीनलैंड थीम पर सौंदर्यीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के चौराहों की न केवल सुंदरता बढ़ेगी,बल्कि ट्रैफिक प्रबंधन भी

पूरी तरह से सुधर जाएगा। इसके लिए जीडीए में शहर के आठ प्रमुख गोल चक्करों का पुनर्विकास करेगा। जिसका कार्य शुरू हो गये है। इन गोल चक्करों का ग्रीनलैंड थीम पर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। जिससे शहर की सुंदरता और ट्रैफिक प्रबंधन दोनों में सुधार होगा। प्रथम चरण में 5 गोल चक्करों का पुनर्विकास किया जाएगा।

- डीपीएस चौराहे से लीलावती चौराहा, दोनो चौराहों का सौन्दर्यीकरण एवं इनके मध्य स्थित लगभग 800 मी0 मार्ग को "मॉडल रोड़" के रूप में विकसित किया जाएगा
- हापुड़ चुंगी से डायमंड कट तक फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तथा डायमंड कट को सिग्नल फ्री किए जाएंगे
- मधुबन बापूधाम योजना में स्थित राउण्ड अबाउट के सौन्दर्यीकरण का कार्य

मधुबन बापूधाम योजना स्थित बुनकर मार्ट चौराहे पर रोटरी का निर्माण

- रिवर हाईटस चौराह, राजनगर एक्स का सुदृढ़ीकरण/सौन्दर्यीकरण
- होली चाईल्ड चौराहा, नेहरूनगर का सुदृढ़ीकरण/सौन्दर्यीकरण।

हापुड़ तिराहा (ठाकुरद्वारा तिराहा), हापुड़ रोड का सुदृढ़ीकरण/सौन्दर्यीकरण।

- हिन्ट चौक, राजनगर का सुदृढ़ीकरण/सौन्दर्यीकरण।

अजनारा चौराहा, राजनगर एक्सटेंशन का सुदृढ़ीकरण/सौन्दर्यीकरण

- सेठ मुकन्दलाल चौराहे को सिग्नल फ्री किये जाने का कार्य।

प्रथम चरण में पांच गोल चक्करों का पुनर्विकास होगा

गोल चक्करों का ग्रीनलैंड थीम पर सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। जिससे शहर की सुंदरता और ट्रैफिक प्रबंधन दोनों में सुधार होगा। प्रथम चरण में 5 गोल चक्करों का पुनर्विकास किया जाएगा।

-जीडीए उपाध्यक्ष नन्दकिशोर कलाल

45 गैस एजेंसियों पर पर्याप्त सप्लाई, स्थिति पूरी तरह सामान्य

एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं जमाखोरी न करें: डीएफएससी कविता

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) फरीदाबाद कविता ने स्पष्ट किया है कि जिला फरीदाबाद में एलपीजी गैस की किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है और आम नागरिकों को घबराने या अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर जमा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले में गैस की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और सभी गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं।

डीएफएससी कविता ने बताया कि फरीदाबाद जिले में बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल की कुल 45 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। फरीदाबाद में प्रतिदिन औसतन लगभग 20000 एलपीजी सिलेंडरों की मांग रहती है और वर्तमान में इस मांग के अनुसार पूरी आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मांग और सप्लाई में किसी प्रकार का कोई अंतर नहीं है। विभाग द्वारा दैनिक औसत सप्लाई को लगातार मॉनिटर किया जा रहा है ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कि विभाग के इंस्पेक्टर लगातार फील्ड में तैनात हैं और गैस एजेंसियों पर सप्लाई एवं वितरण व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी प्रकार की जमाखोरी या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएफएससी ने यह भी बताया कि जिले में सभी जरूरी सेवाओं व दिनचर्या सहित आपातकालीन सेवाओं के लिए गैस सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है अस्पतालों व अन्य आवश्यक संस्थानों को निर्बाध गैस उपलब्ध होती रहे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और पैनिक होकर गैस सिलेंडर की जमाखोरी न करें।

कटारिया ने कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने किया संसद घेराव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने कार्यकर्ताओं से आगामी 16 मार्च को किए जाने वाले संसद घेराव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। जिसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने फरीदाबाद में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य 16 मार्च को प्रस्तावित संसद घेराव कार्यक्रम को लेकर संगठन को मजबूत करना और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने कार्यकर्ताओं को संसद घेराव के लिए कहा कि सभी कार्यकर्ता इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाएं।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित किया जा रहा है।

निशित कटारिया ने कहा कि भारत मंडपम में हुए एआई-समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज कर उन्हें जेल में डाला गया। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के तहत युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निशाना बनाते हुए उनके खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं पर कार्रवाई करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है।

सरकार को चाहिए कि वह इस मामले की निष्पक्ष समीक्षा करे और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मुकदमे तुरंत वापस ले। बैठक में मौजूद प्रदेश तरुण तेवतिया ने भी 16 मार्च को होने वाले संसद घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया और अधिक से अधिक युवाओं को इस आंदोलन से जोड़ने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य डिजिटल शोध क्षमताओं को मजबूत करना

ईयू समर्थित एनएसआईएस परियोजना के तहत डिजिटल शोध व उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

यूरोपीय संघ के सहयोग से संचालित इरास्मस कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसआईएस (व्यवसाय, नवाचार और उद्यमिता के लिए सूचना, शोध और डिजिटल कौशल विकास) परियोजना के तहत भारत, श्रीलंका और नेपाल की विश्वविद्यालयों के लिए दस मॉड्यूल का डिजिटल शोध और उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

इस पहल की जानकारी राष्ट्रीय जागरूकता दिवस 2026 के दौरान दी गई, जिसका आयोजन मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में किया गया। इस कार्यक्रम में एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे और सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड

टेक्नोलॉजी, चेन्नई भी सहयोगी संस्थान के रूप में शामिल रहे। कार्यक्रम में दक्षिण एशिया और यूरोप के शिक्षाविद, शोधकर्ता और नीति विशेषज्ञ एकत्रित हुए। इस दौरान डिजिटल शोध क्षमताओं को मजबूत करने, नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने और विश्वविद्यालयों में मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर चर्चा की गई। साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों को डिजिटल और सूचना कौशल से लैस करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, ताकि वे नवाचार आधारित आर्थिक विकास में प्रभावी योगदान दे सकें। परियोजना के प्रमुख और इरास्मस. समन्वयक डॉ. पैड्रेग किर्बी ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में जानकारी, शोध और डिजिटल कौशल को मजबूत करना है। इसके तहत दस मॉड्यूल का पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा, जिसमें डिजिटल साक्षरता, आंकड़ा कौशल, बौद्धिक संपदा अधिकार, ऑनलाइन शोध प्रकाशन, अकादमिक लेखन और व्यवसाय प्रबंधन जैसे विषय शामिल होंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक ऑनलाइन मंच के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा जिससे प्रतिभागी पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री तक आसानी से पहुंच सकेंगे। संस्थान की शोध अधिष्ठाता डॉ. सरिता सचदेवा ने कहा कि आज के दौर में तेज़ी से बढ़ती प्रौद्योगिकी, डिजिटल परिवर्तन और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के कारण सूचना तक पहुंच, शोध क्षमता और डिजिटल कौशल नवाचार और उद्यमिता के प्रमुख आधार बन गए हैं। एनएसआईएस परियोजना के माध्यम से भारत, श्रीलंका और नेपाल के संस्थानों के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ आधुनिक शोध वातावरण के लिए आवश्यक डिजिटल कौशल विकसित किए जाएंगे। संस्थान के प्रो वाइस चांसलर डॉ. नरेश ग्रोवर ने कहा कि उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन केवल नई तकनीक अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीखने, शोध और सहयोग के तरीकों को पूरी तरह से बदलने की प्रक्रिया है। और संस्थागत निर्णयों को अधिक डेटा आधारित बना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान दक्षिण एशिया में व्यवसाय, नवाचार और उद्यमिता के लिए सूचना और शोध विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डिजिटल परिवर्तन विषय पर आयोजित परिचर्चा का संचालन मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव कपूर ने किया।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

DD NO.14 दिनांक 09.03.2026 धारा 194 बी.एन.एस एस थाना सदर सोनीपत जिला सोनीपत।

नाश की पहचान

नाम- नामपता नामालूम।
पिता का नाम - नामालूम।
पता-नामालूम ।
उम्र-40 वर्ष ।
कद-5 फुट 4 ईन्च ।
हुलियाः- रंग सांवला, जीभ बाहर निकली, गोल चेहरा, शरीर फुला हुआ, आँखे बंद है।
पहनावा :- काले रंग की टी-शर्ट, महरूम रंग की लोवर पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 09.03.2026 को एक पता नामालुम व्यक्ति की नाश NCR नहर रोहट से बवाना दिल्ली गुरुग्राम बा हद रकबा गाँव रोहट सोनीपत से मिली है। नाश की शिनाख्त नहीं हो सकी है। नाश को शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल सोनीपत की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए रखवाया गया है। अगर किसी को उपरोक्त नाश के बारे कोई सुराग मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सुचित करे।

प्रबन्धक थाना मो० न0 - 7419410534
अनुसंधान कर्ता मो० न0 - 9466548188
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त ।
मुख्यालय, सोनीपत ।

पीआरडीएच-1084/11/4560/2026/43717/88/7 दि. 11.03.26

खबर संक्षेप

'गहने लाऊंगा' कह कर गए पति की लौटी लाश

रांची। हरियाणा में कंस्ट्रक्शन साइट पर मिट्टी का टीला ढह जाने से सात मजदूरों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। मृतकों में छह झारखंड के रहने वाले थे। घायल मजदूरों में से तीन नेपाल के हैं। पुलिस ने बताया कि परियोजना प्रभारी और निर्माण स्थल प्रभारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिला प्रशासन ने एक जांच समिति का गठन किया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि निर्माण स्थल पर मजदूरों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय उपलब्ध नहीं थे।

इजराइल-ईरान युद्ध से पटना में हाहाकार

पटना। इजराइल-ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब राजधानी पटना में भी देखने को मिल रहा है। घरेलू उपयोग वाले एलपीजी सिलेंडर के लिए नंबर लगाने में काफी परेशानी हो रही है। वहीं, कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई है. इसका सबसे ज्यादा असर उन छात्रों पर पड़ रहा है, जो बिहार के अलग-अलग जिलों से आकर पटना में रहकर पढ़ाई करते हैं। एक स्टोव का चूल्हा और तीन से चार लीटर की छोटी गैस टंकी होती है।

गैस की कोई कमी नहीं, कालाबाजारी की तो होगी जेल

लखनऊ। एलपीजी गैस को लेकर कानपुर में बढ़ती अफवाहों और कालाबाजारी की शिकायतों के बीच जिला प्रशासन ने सख्त हो गया है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। एलपीजी सिलिंडरों का पर्याप्त स्टॉक होने की बात कही गई। डीएम ने चेतावनी दी कि घरेलू गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी की शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई होगी। पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि जिले में कुल 11,44,075 सक्रिय गैस उपभोक्ता हैं।

एयरपोर्ट का 95 प्रतिशत कार्य कम्पलीट

जेवर एयरपोर्ट का पहला चरण जल्द होगा शुरू, एक रनवे से उड़ेंगी रोज करीब 150 फ्लाइट, हवाई अड्डा 7 करोड़ यात्रियों सेवा में देने सक्षम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लखनऊ। गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से संचालन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का लगभग 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

पहले चरण में एयरपोर्ट को एक रनवे के साथ संचालित किया जाएगा। इसकी सालाना यात्री क्षमता करीब 1 करोड़ 20 लाख होगी और प्रतिदिन औसतन करीब 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान है। अधिकारियों के अनुसार, जैसे ही यात्रियों की संख्या एक करोड़ के आंकड़े को पार करेगी, एयरपोर्ट पर दूसरे रनवे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

दो रनवे के साथ यह एयरपोर्ट करीब 7 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। परियोजना के पहले चरण में लगभग 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। एयरपोर्ट के लिए अब तक 6,700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है, जबकि शेष 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित करने की योजना है। भूमि खरीद पर करीब 5000 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, वहीं निर्माण कार्य पर लगभग 7000 करोड़ रुपए की लागत आ रही है। सरकार की योजना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े और आधुनिक हवाई अड्डों में से एक के रूप में विकसित किया जाए।

औद्योगिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

परियोजना पूरी होने के बाद यहां कुल पांच रनवे होंगे और एयरपोर्ट का कुल क्षेत्रफल लगभग 11,750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने पर इसकी सालाना यात्री क्षमता करीब 30 करोड़ होने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल हो सकता है। एयरपोर्ट के निर्माण से क्षेत्र में आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके आसपास लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी और बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते यात्री दबाव को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। साथ ही, यह परियोजना दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में उभरेगी और प्रदेश को वैश्विक निवेश व व्यापार के नक्शे पर और मजबूती से स्थापित करेगी।

सीएम योगी ने कहा-लोहम कंपनी लगाएगी भारत की पहली रेयर अर्थ फैसिलिटी, एआई से 10 लाख युवा प्रशिक्षित होंगे

यूपी जल्द एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च का हब होगा, उच्च तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के सकारात्मक माहौल को सराहा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम के सीईओ रजत वर्मा और चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात का यूपी में स्वागत किया।

नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार को सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की इस बीच लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टॉफ आयुष सबात भी उपस्थित रहे। तीनों अतिथियों ने निवेश को लेकर यूपी के सकारात्मक माहौल को सराहा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम के सीईओ रजत वर्मा और चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात का यूपी में स्वागत किया।

एआई पहल के तहत 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्टिफीशल इंटेलीजेंस एआई को भविष्य का गेमचेंजर बताते हुए कहा है कि यह 'ऑयल इकोनॉमी' की जगह लेगा और उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख टेक्नोलॉजी हब बनाएगा। उन्होंने लखनऊ में एआई सिटी विकसित करने, डेटा सेंटर स्थापित करने और 'एआई प्रज्ञा' पहल के तहत 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने की बात कही है।

तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा : बैठक में उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर विचार हुआ। इस क्रम में लोहम की ओर से प्रदेश में भारत की पहली "रेयर अर्थ टू मैग्नेट" इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके स्थापित होने से देश में उच्च तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने वाला है।

नोबेल विजेता नोवोसेलोव ने सीएम योगी से मुलाकात की।

यूपी को एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च हब बनाने पर

अहम खनिजों की बेहतर रिकवरी को तय करना है

लोहम और नोवोसेलोव के सहयोग का फोकस दो खास क्षेत्रों पर होगा। पहला, 2डी मटेरियल (जैसे ग्रैफीन) का उपयोग करके अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता को बढ़ाना है। इसके साथ सुरक्षा के साथ लाइफ को अधिक करना है। वहीं दूसरा, बैटरियों और परमानेंट मैग्नेट का उन्नत रीसाइक्लिंग सिस्टम का विकास करके अहम खनिजों की बेहतर रिकवरी को तय करना है। इससे सर्कुलर इकॉनमी को मजबूती मिलती है। इस तहर के सहयोग से भारत के "मेक इन इंडिया" और ग्रीन एनर्जी विजन के लिए अहम माना जा रहा है।

बैटरी तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में लागू

नोबेल पुरस्कार विजेता कोंस्टेंटिन नोवोसेलोव, जो ग्रैफीन की खोज को लेकर विश्व प्रसिद्ध हैं, लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर और सहयोगी के रूप में काम कर रहे हैं। उनका लक्ष्य उन्नत मटेरियल साइंस को औद्योगिक स्तर पर बैटरी तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में लागू करना होगा।

बैठक में हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई

बैठक में उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस क्रम में लोहम द्वारा प्रदेश में भारत की पहली "रेयर अर्थ टू मैग्नेट" इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस फैसिलिटी के स्थापित होने से देश में उच्च तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम योगी ने दी मंजूरी

यूपी में सरकारी नौकरी करने वालों के लिए नियम में बदलाव

इंट्रो:- यूपी की योगी सरकार ने कैबिनेट बैठक में सरकारी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी में सरकारी नौकरी करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए नियमों में अहम बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मचारियों की आचरण नियमावली, 1956 में संशोधन को मंजूरी दे दी गई।

सरकार का कहना है कि इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के निवेश, चल-अचल संपत्ति और वित्तीय गतिविधियों में पारदर्शिता बढ़ाना है, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक स्पष्ट और जवाबदेह बन सके।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले के बाद सरकारी कर्मचारियों को अब अपने निवेश और संपत्ति से जुड़ी जानकारी पहले की तुलना में अधिक नियमित रूप से देनी होगी।

सरकार का मानना है कि इससे सरकारी सेवा में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं की संभावना कम होग। उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की आचरण नियमावली वर्ष 1956 से लागू है। समय-समय पर इसमें परिस्थितियों के अनुसार संशोधन किए जाते रहे हैं। अब जो बदलाव किए गए हैं, वे मुख्य रूप से नियम-21 और नियम-24 से संबंधित हैं। सरकार का कहना है कि वर्तमान समय में निवेश के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय साधनों में निवेश बढ़ा है।

चल संपत्ति की खरीद पर भी सूचना अनिवार्य

सरकार ने नियम-24 में भी बदलाव किया है। अब यदि कोई कर्मचारी अपने दो महीने के मूल वेतन से अधिक कीमत की चल संपत्ति खरीदता है, तो उसे इसकी सूचना संबंधित अधिकारी को देनी होगी। पहले यह सीमा एक महीने के मूल वेतन के बराबर थी। यानी पहले छोटी-सी खरीदारी पर भी सूचना देनी पड़ती थी। अब सीमा बढ़ाकर दो महीने के वेतन के बराबर कर दी गई है, जिससे कर्मचारियों को थोड़ी राहत भी मिलेगी। चल संपत्ति में वाहन, महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कीमती सामान या अन्य मूल्यवान वस्तुएं शामिल हो सकती हैं।

पेज एक का शेष

नेहरू के जमाने के हैं नियम ...

लोग इस बाबत मुगालते में जीते हैं। उन्हें और उनके दल को जनता माफ नहीं करेगी। वो लगातार छोटे होते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने कई बार नियम तोड़े हैं। नेता प्रतिपक्ष स्वयं इस प्रस्ताव को लेकर आए। लेकिन उन्होंने इससे जुड़ी चर्चा में भाग तक नहीं लिया।

असमंजस में विपक्ष ...

के लिए प्रस्ताव लौटाया। दूसरी बार प्रस्ताव पर केवल गौरव के ही हस्ताक्षर थे, बाकी की फोटो कॉपी दी गई थी। बावजूद इसके ओम बिरला ने ऊंचे दर्जे की नैतिकता दिखाते हुए इसे स्वीकार किया और विपक्ष को प्रस्ताव को सदन में पेश करने की अनुमति दी। पूर्व में 3 बार लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान तत्कालीन अध्यक्ष अपने आसन पर बैठकर कार्रवाई संचालन करते थे। जबकि मौजूदा अध्यक्ष ने इससे परहेज किया है।

सरकार ने विपक्ष के लिए खाली रखा उपाध्यक्ष पद: विपक्ष के उपाध्यक्ष पद को रिक्त रखने के आरोप पर उन्होंने कहा, पहले जब 3 बार समान प्रस्ताव आया था। तब सदन में उपाध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के ही थे। अब वो स्थान खाली है तो उसे लेकर आपको मुद्दा बनाने का कोई अधिकार नहीं है। क्योंकि आपने दो बार इस पद को अपने दल से ही भरा था। हमने तो यह पद विपक्ष के लिए ही खाली रखा है। बीएसी ने विपक्ष की सहमति से चर्चा के लिए 9 मार्च का दिन तय किया था। लेकिन फिर भी सदन में हंगामा किया गया, जिससे 10 मार्च से चर्चा शुरू हुई। सदन में 4 दशक बाद ये संकल्प आया है। जिसमें राहुल की मंशा केवल सदन को बिखेरने की है।

सदन में बोलना नहीं चाहते राहुल : नेता प्रतिपक्ष पर आरोप लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा, वो अध्यक्ष पर आरोप लगाते हैं कि उन्हें सदन में बोलने का मौका नहीं दिया जाता है। जबकि सच्चाई ये है कि उनकी इसमें कोई रुचि नहीं है। वह अधिकतर महत्वपूर्ण समय और मुद्दों, विधेयकों, लोकहित के मामलों पर चर्चा के दौरान सदन से अनुपस्थित रहते हैं और उनके द्वारा अभी तक ऐसी किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लिया गया है। राहुल पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा, किसी भी दल के बड़े नेता संसद चलने के दौरान पार्टी कार्यक्रमों के तहत यात्राएं करते हैं। लेकिन राहुल के मामले में बीते कुछ सालों में बजट सत्र एक ऐसा समय रहा है। जब वो अक्सर विदेश दौरों जैसे इंग्लैंड, जर्मनी या अन्य देशों की यात्राओं पर रहे हैं। विदेश यात्रा के दौरान सदन में बोलने के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने राहुल के आचरण पर भी टिप्पणी की व कहा, कभी वो सदन में अचानक दौड़कर आते हैं और पीएम को गले लगाते हैं। कभी फ्लाइंग किस तो कभी आंख मटकाते हैं। ऐसी स्थिति में वो अध्यक्ष के आचरण पर कैसे टिप्पणी कर सकते हैं।

आपातकाल में दबी विपक्ष की आवाज: चीन ने अक्साई चिन के इलाके पर कब्जा कांग्रेस की सरकार के जमाने में किया था। डोकलाम विवाद में राहुल चीनी दूतावास में बैठक कर रहे थे। इनकी पार्टी का चीन के साथ एमओयू है। कांग्रेस के पूर्व रक्षा मंत्री ने संसद में कहा, हम सीमा पर विकास नहीं करेंगे। क्योंकि उससे चीन देश के अंदर घुस जाएगा। ये कांग्रेस पार्टी ही थी। जिसने यूएनएससी में चीन को स्थायी सदस्य बना दिया। उनके द्वारा सदन में न बोलने देने का मुद्दा उठाने के पीछे देश में भाजपा की छवि खंडित करने के लिए जारी प्रयास ही नजर आता है। असल में विपक्ष की आवाज दबाने का काम 1975 में आपातकाल लागू कर किया गया था। जब समूचे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने आंकड़ों के साथ बीते लोकसभा सत्रों की कार्य उत्पादकता के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि इस दौरान सत्ता पक्ष से अधिक विपक्ष को बोलने का अवसर दिया गया है।

किसानों का कोई नुकसान नहीं होगा : अमित शाह ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते या किसी अन्य समझौते से देश के किसानों का कोई अहित नहीं होगा। विपक्ष मामले पर हमेशा से झूठ फैलाने में लगा हुआ है। भारत के किसानों का सही में नुकसान कांग्रेस की सरकार के समय हुआ था। जो इन्होंने डब्ल्यूटीओ में किया था। एआई सम्मेलन के दौरान विपक्षी दल के लोग विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के सामने कपड़े उतारकर प्रदर्शन कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई सभी उच्च संस्थाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता पर इन्हें शंका रहती है। लेकिन इसके साथ-साथ अध्यक्ष के आचरण पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

यूं कागज ...

निलंबित करने के अधिकार का उल्लेख किया। शाह ने कहा कि क्या विपक्ष अध्यक्ष के सामने कागज फाड़कर उनके आसन की ओर फेंक कर सदन चलाना चाहता है? किसी का नाम लिए बगैर उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी की और कहा कि किसी के सलाहकार आंदोलनकारी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारियों को सदन में नियम के तहत ही चलना पड़ेगा। पीएम की चेयर तक विपक्षी महिला सांसदों के पहुंचने की घटना की भी शाह ने निंदा की। भाषण के अंशों को काट देने के आरोप पर कहा, लय में की गई टिप्पणियां संसद के इतिहास में नहीं रखनी चाहिए। क्योंकि इससे भावी पीढ़ियों को सही सीख नहीं मिलेगी।

फंसे भारतीयों की ...

अगले पांच साल एनडीए को सेवा का मौका देने की अपील की। उन्होंने जनता को मोदी की गारंटी का भरोसा दिया। पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राजकुमार केरल और भारत के युवाओं की सोच को नहीं समझते। उन्होंने केरल के भविष्य के लिए अपनी योजना साझा की। उन्होंने कहा कि हम केरल को एआई (एआई) और भविष्य की नई तकनीक का बड़ा केंद्र बनाने के लिए काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत अपने नागरिकों को कहीं भी मुसीबत में अकेला नहीं छोड़ता। वेस्ट एशिया में जो कुछ हो रहा है, उससे आप सभी का चिंतित होना बहुत स्वाभाविक है। हमारे लाखों भाई-बहन वहां काम करते हैं। जब भी हमारा कोई देशवासी संकट में पड़ता है तो हमारी सरकार उसे सुरक्षित बचाने के लिए पूरी ताकत लगा देती है।

खाड़ी देशों का ....

आभारी हूं। वहां हर देश में हमारे जो दूतावास हैं, हमारे मिशन हैं, वे 24/7 उनकी मदद कर रहे हैं। किसी को भी खाना-पीना चाहिए, मेडिकल हेल्प चाहिए, रहने की जगह चाहिए या कानूनी मदद चाहिए, तो इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि कांग्रेस इतने बड़े वैश्विक संकट में भी राजनीति ढूंढ रही है।

बदरीनाथ व केदारनाथ...

धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार देता है। बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल और केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे। चारधाम यात्रा की शुरुआत 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पर्व से होगी जब गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलेंगे।

देश के सबसे ...

को जब वह देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तब मुंबई एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद मंगलवार को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके सह-संस्थापकों आयुष वार्ष्णेय, साहिल बघला और निकुंज जैन की भूमिका सामने आई है। निकुंज जैन वर्तमान में वाओमी एआई के फाउंडर और चीफ कैपिटल ऑफिसर भी हैं। यह घोटाला वर्ष 2015 में गेन बिटकॉइन नाम से शुरू हुआ था, जिसे कथित तौर पर वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसी के मुताबिक इस योजना का मास्टरमाइंड अमित भारद्वाज (अब मृत) और उसका भाई अजय भारद्वाज थे। इस योजना में निवेशकों को 18 महीने तक हर महीने 10% तक बिटकॉइन रिटर्न देने का लालच दिया जाता था। लोगों को बाहरी एक्सचेंज से बिटकॉइन खरीदकर गेन बिटकॉइन में तथाकथित क्लाउड माइनिंग कॉन्ट्रैक्ट के जरिए जमा करने के लिए कहा जाता था। इस बड़े घोटाले के चलते जम्मू-कश्मीर से महाराष्ट्र और दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक कई एफआईआर दर्ज की गई थीं। मामले की व्यापकता और अंतरराष्ट्रीय पहलुओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

हरियाणा और कनाडा नवाचार ...

आधारित साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और कनाडा कई ऐसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं, जिनसे साझा प्रगति और सतत विकास का एक मजबूत मॉडल तैयार किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्मार्ट गवर्नेंस में संभावित सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए डिजिटल और एआई आधारित समाधानों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कनाडा वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है और स्मार्ट गवर्नेंस, डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कृषि क्षेत्र के लिए एआई आधारित समाधानों जैसे क्षेत्रों में सहयोग से शासन और जनसेवा वितरण को और सशक्त बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री सैनी ने शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य हरियाणा के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। कनाडा की एप्लाइड लर्निंग, पॉलिटेक्निक शिक्षा और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण प्रणाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, एक्सपिरियंस लर्निंग और इंडस्ट्री इंटिग्रेटिड पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों में साझेदारी से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो सकते हैं। कृषि और एग्री-टेक के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रिसिजन फार्मिंग, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग और कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग से हरियाणा के किसानों की उत्पादकता और आय दोनों को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कनाडा आने का निमंत्रण दिया, ताकि सहयोग को और आगे बढ़ाया जा सके तथा भारत–कनाडा साझेदारी को सुदृढ़ किया जा सके। उल्लेखनीय है कि हरियाणा का विदेश सहयोग विभाग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य की कूटनीति, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रवासी हरियाणवी समुदाय को सहयोग प्रदान करता है। यह विभाग राज्य सरकार के 'गो ग्लोबल अप्रोच' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, विदेश सहयोग विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार, मुख्यमंत्री के सलाहकार (विदेश सहयोग) पवन कुमार चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

'रीचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग ...

समस्याएं उठाना चाहता हूं। इसमें पहली समस्या है कि रिचार्ज खत्म होने पर आउटगोइंग कॉल के साथ इनकमिंग कॉल का बंद होना।

इनकमिंग कॉल्स के बंद होने का उठाया मुद्दा: चड्ढा ने कहा कि जब प्रीपेड प्लान एक्स्पायर होता है या रिचार्ज की वैलिडिटी खत्म होती है तो आपकी आवाज बंद कर दी जाती है। ऐसे में फोन मेरा, सिम कार्ड मेरा और नंबर मेरा तो रिचार्ज खत्म होने पर आउटगोइंग बंद होना तो समझ आता है लेकिन इनकमिंग कॉल बंद होना सरासर मनमानी है।

गिनाईं लोगों की परेशानियां : चड्ढा ने कहा कि हमारा मोबाइल नंबर हमारी डिजिटल पहचान बन चुका है। ये बेहद इसेंशियल है, जैसे बैंकिंग, यूपीआई पेमेंट, ट्रेन टिकट ओटीपी, पैन-आधार ऑथेंटिकेशन, इंटरव्यू का कॉल, हॉस्पिटल की कॉल, मां-बाप की कॉल, ये सब इनकमिंग कॉल और इनकमिंग एसएमएस से आती है। मैं सदन में फ्री आउटगोइंग की मांग नहीं कर रहा, फ्री डेटा की मांग नहीं कर रहा, लेकिन इनकमिंग कॉल फैसिलिटी की गारंटी होनी चाहिए।

पहली बार 'इच्छामृत्यु'...

'गरिमा के साथ मरने का मौलिक अधिकार' को मान्यता दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह पहला मौका है जब इन दिशा-निर्देशों को असल में लागू किया गया है। हरीश राणा कभी एक तेज-तर्रार, पढ़ाई-लिखाई में अच्छा युवक था। 2013 में चंडीगढ़ में अपनी पेइंग गेस्ट हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उसकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। गंभीर ब्रेन इंजरी के कारण वह परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट (स्थायी अचेत अवस्था, जिसमें अमूमन आंखे खुली रहती हैं) में चला गया। उसकी बॉडी 100 फीसदी क्वाड्रिप्लेजिक हो गई।

जज ने शेक्सपीयर का किया जिक्र : न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला ने कहा, 'होना या न होना... यह निर्णय अब 'मरने का अधिकार' के संदर्भ में हमें मार्ग दिखाता है. उन्होंने कहा कि यह वाक्य अदालत के सामने जीवन बनाम गरिमा का प्रश्न सामने आया है. एक अन्य उद्धरण, 'भगवान किसी से नहीं पूछते कि क्या वह जीवन स्वीकार करता है... आपको इसे अवश्य लेना चाहिए.' उन्होंने कहा कि यह पंक्ति तब महत्वपूर्ण है जब न्यायालय पूछता है कि किस व्यक्ति को जन्म का अधिकार हो सकता है?

दुनिया के किन-किन देशों में इच्छामृत्यु की इजाजत ?: दुनिया के 11 देश हैं, जहां इच्छामृत्यु की कानूनी इजाजत है। यहां पैसिव यूथेनेशिया नहीं, बल्कि एक्टिव यूथेनेशिया की बात कर रहे हैं, जिसमें लोगों को जहरीले इंजेक्शन के जरिए मरने की इजाजत होती है। इन देशों में स्विट्जरलैंड, अमेरिका,नीदरलैंड, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, लक्जमबर्ग, कोलंबिया, इक्वाडोर, ऑस्ट्रिया हैं।

पिता को मजबूरन ....

लिया। कोर्ट ने प्राइमरी और सेकंडरी मेडिकल बोर्ड बनवाए, जिसमें एम्स के एक्सपर्ट्स शामिल थे। दोनों बोर्डों ने एकमत से कहा कि हरीश की हालत अपरिवर्तनीय है। इलाज जारी रखना सिर्फ उसकी बायोलॉजिकल एक्जिस्टेंस को लंबा खींच रहा है, कोई फायदा नहीं दे रहा। माता-पिता और मेडिकल बोर्ड दोनों की राय थी कि सीएएन जैसे इलाज को बंद करना ही उसके हित में है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने रिपोर्ट पढ़कर कहा कि यह दुखद रिपोर्ट है और लड़के को ऐसे ही नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जब दोनों बोर्ड सहमत हों तो कोर्ट की दखलंदाजी की जरूरत नहीं, लेकिन चूंकि यह पहला केस था, इसलिए कोर्ट ने खुद फैसला दिया। फैसले में जोर दिया गया कि यह सब गरिमापूर्ण तरीके से होना चाहिए।

हरी सब्जियां हर मौसम में उपलब्ध रहती हैं। इन सब्जियों के सेवन से न केवल इम्यूनिटी बढ़ती है, जरूरी विटामिंस और मिनरल्स शरीर को मिलते हैं। साथ ही कई तरह के रोगों से भी बचाव होता है। हरी सब्जियों के सेवन से होने वाले फायदों के बारे में जानिए।

पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं हरी सब्जियां

डाइट सजेशन
डॉ. अनुजा चौहान
डाइटीशियन

आजकल की इस आपा-धापी भरी जीवनशैली में लोग स्वस्थ रहने के लिए नेचुरल चीजों के बजाय महंगे सप्लीमेंट्स और सुपर फूड्स पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। जबकि हर मौसम में प्रकृति हमें पोषक तत्वों से भरपूर ऐसे फल, सब्जियां प्रदान करती है, जो सस्ते और आसानी से उपलब्ध होते हैं। ये शरीर की जरूरत के अनुसार ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं और हमें कई रोगों से भी बचाते हैं।

हर मौसम में उपलब्ध: हमारे देश में मौसम के अनुसार अलग-अलग तरह की हरी सब्जियां उगाई जाती हैं। सर्दी के मौसम में जहां हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे-पालक, मेथी, बथुआ, सरसों, सोया और केल खूब मिलते हैं। वहीं गर्मी के मौसम में करेला, भिंडी, तरोई, चौलाई का साग, पत्ता गोभी का सेवन किया जा सकता है। ब्रोकली, शिमला मिर्च, लौकी जैसी हरी सब्जियां लगभग हर मौसम में मिल जाती हैं। ये सभी हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। ये सब्जियां हमारे स्थानीय बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

होते हैं कई पोषक तत्व: सभी हरी सब्जियां, कैलोरी में कम और पोषण में अधिकतम होने की वजह से इनको 'न्यूट्रिएंट डेंसिटी' वाली डाइट भी कहा जाता है। ये सब्जियां विटामिंस, मिनरल, फाइबर और फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होती हैं। मेथी और सरसों का साग फोलेट, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स का प्रचुर स्रोत माने जाते हैं। देखा गया है कि एक कप कच्चे पालक में दैनिक आवश्यकता का विटामिन-ए, विटामिन-के, आयरन कैल्शियम मिलता है। इतना ही नहीं, हरी सब्जियां क्लोरोफिल से भरपूर होती हैं, जो खून की शुद्धिकरण और ऑक्सीजन परिवहन में सहायक होता है।

कई रोगों से करे बचाव: हरी सब्जियों में मौजूद ल्यूटिन, जियाजैंथिन और बीटा-कैरोटिन जैसे यौगिक, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं, उन्हें नष्ट कर शरीर से बाहर करने में सहायक होते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों में नाइट्रेट्स जैसे तत्वों की मौजूदगी हृदय रोग के जोखिम को कम करने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार होती है। कुछ हरी सब्जियां जैसे सरसों, केल, ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक यौगिक छोड़ती हैं, जो फ्री रेडिकल्स के विकास को रोकने में सहायक होता है। इनके अतिरिक्त विटामिन-के का अच्छा स्रोत होने की वजह से ये सब्जियां हड्डियों में कैल्शियम के जमाव और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स और उच्च फाइबर के कारण ये ब्लड शुगर को स्थिर रखती हैं। हरी सब्जियां इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में सहायता करती हैं। इनमें मौजूद ल्यूटिन और जियाजैंथिन कंपाउंड आंखों की कोशिकाओं को मजबूती देता है। विटामिन सी और ए, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इस प्रकार हरी पत्तेदार सब्जियां पोषण का सबसे किफायती और प्रभावी स्रोत हैं। ये ना केवल बीमारियों से बचाती हैं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करती हैं। अपने संतुलित आहार में इन्हें प्रमुख स्थान दें और प्रकृति के इस अनमोल उपहार का पूरा लाभ उठाएं। लेकिन इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि अपनी डाइट में मौसम के अनुसार अलग-अलग प्रकार की हरी सब्जियां शामिल करें। *

प्रस्तुति: संध्या रानी

स्पेशल: वर्ल्ड किडनी डे, 12 मार्च

शरीर में मौजूद छोटा सा एक जोड़ी अंग किडनी, बहुत महत्वपूर्ण काम करता है। इसमें गड़बड़ी होने से आपको गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि किडनी में किन वजहों से किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं? साथ ही यह भी जानिए कि किडनी की प्रॉपर केयर आप कैसे कर सकते हैं?

किडनी की करें प्रॉपर केयर

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. मनीषा सहाय
एमओडी-नेफ्रोलॉजी
उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई अंग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन अंगों में से एक किडनी भी है। राजमा के आकार का शरीर का छोटा-सा अंग किडनी, क्लीनिंग मैकेनिज्म का महत्वपूर्ण काम करती है और शरीर में टॉक्सिंस, इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखती है।

किडनी के कार्य: किडनी में नेफ्रॉन नामक सूक्ष्म वाहिकाओं वाले फिल्टर यूनिट (करीब 10 लाख) होते हैं, जो ग्लोमेरूलर फिल्ट्रेशन प्रक्रिया के माध्यम से शरीर में तकरीबन 140 लीटर खून साफ करते हैं। ग्लूकोज, अमीनो एसिड, प्रोटीन और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम) जैसे एसेंशियल तत्व फिल्टर किए रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में वापस चले जाते हैं। जबकि यूरिक एसिड, क्रिएटिनिन जैसे टॉक्सिक पदार्थ, अतिरिक्त पानी ब्लैडर में जमा होते जाते हैं और यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साथ ही किडनी एरिथ्रोपोइटिन हार्मोन (रेड ब्लड सेल्स बनाने में सहायक), रेनिन हार्मोन (सोडियम लेवल को सामान्य बनाने और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने) का स्राव करती है। हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए जरूरी एक्टिव विटामिन-डी के निर्माण में भी सहायक है।

ऐसे होती है समस्या: कई कारणों से किडनी के फिल्टर्स को नुकसान पहुंचता है, जिसकी वजह से किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर पाती। ध्यान न देने पर किडनी के टिश्यू धीरे-धीरे खराब होने लगते हैं और कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अनदेखी करने या समुचित उपचार न कराने पर किडनी खराब होने लगती है। व्यक्ति एक्यूट किडनी फैल्योर, क्रॉनिक किडनी फेल्यॉर, नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी किडनी की बीमारियों का शिकार हो जाता है। व्यक्ति को असमय मौत का सामना भी करना पड़ सकता है। जबकि प्रारंभिक स्तर पर ही इलाज शुरू कर दिया जाए तो काफी हद तक इसे डैमेज होने से बचाया जा सकता है।

किडनी प्रॉब्लम्स के कारण: कई गलत आदतें और बीमारियां किडनी खराब होने का कारण बनती हैं। जैसे-हेल्दी लाइफस्टाइल न होना। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पॉलिसिस्टिक किडनी डिजीज, किडनी डिस्प्लेसिया, यूटीआई इंफेक्शन जैसी गंभीर बीमारी होना। घर का बना पौष्टिक और संतुलित आहार के बजाय जंक या प्रोसेस्ड फूड का सेवन अधिक करना। आहार में नमक और चीनी की मात्रा अधिक होना। खाने में ऊपर से नमक डालकर खाना। पानी या अन्य तरल पदार्थ जरूरत से कम मात्रा में लेने से डिटॉक्सीफाई न हो पाना। कई तरह के नेचुरल या आर्टिफिशियल हेल्थ प्रोडक्ट्स, हेल्थ टॉनिक या प्रोटीन सप्लीमेंट्स के गैर-जरूरी सेवन से किडनी में इंटरस्टीशियल नैफ्राइटिस एलर्जी होना। पेनकिलर, एंटी बायोटिक या अपने मन से दवाओं का ज्यादा सेवन करना। आनुवांशिक किडनी बीमारियां होना जैसे- ऑटोसोमल डॉमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज, हाइपरॉक्सालुरिया, किडनी डिस्प्लेसियाएनेफ्रोनोफ्थिसिस डिसऑर्डर। इंटरस्टीशियल नैफ्राइटिस एलर्जी, यूटीआई एपाइलोनेफ्राइटिस जैसे किडनी इंफेक्शन होना। लंबे समय तक यूरिन रोके रहना। नियमित रूप से व्यायाम न करना। एल्होहल का सेवन करना।

किडनी रोगों के लक्षण: किडनी की बीमारी को साइलेंट किलर कहा जाता है। कुछ लक्षण किडनी में गड़बड़ी होने की ओर इशारा करते हैं, जिनसे व्यक्ति को सचेत हो जाना चाहिए और यथाशीघ्र डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। जैसे-शरीर के विभिन्न हिस्सों में सूजन आना। खासकर सुबह उठने पर आंखों के आस-पास सूजन होना और शाम होते-होते पैर और टखनों में सूजन आना। बार-बार यूरिन पास करने की इच्छा होना या यूरिन रुक-रुक कर आना। सामान्य से अधिक या कम यूरिन आना, दिन के बजाय रात को यूरिन ज्यादा आना। यूरिन में एलब्यूमिन-एरिथ्रोपोएटिन नामक प्रोटीन का रिसाव होना, यूरिन का पीला या भूरे रंग का होना, झाग आना या बदबू आना, यूरिन करते हुए जलन होना। कमजोरी और थकान महसूस करना। भूख कम लगना, पेट में जलन और दर्द रहना, घबराहट रहना जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं होना। मांसपेशियों में खिंचाव होना।

न करें इग्नोर: स्वस्थ शरीर के लिए हेल्दी किडनी जरूरी है। किडनी संबंधी समस्या होने पर व्यक्ति को बिना देर किए नेफ्रोलॉजिस्ट डॉक्टर को दिखाना चाहिए। अर्ली स्टेज में बीमारी पकड़ में आने पर आगे का ट्रीटमेंट प्लान हो सकता है।

डायग्नोसिस: किडनी की फिल्टर क्षमता को जांचने के लिए ग्लोमेरूलर फिल्टरेशन रेट (जीआरएफ) टेस्ट, ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, बायोप्सी जैसे टेस्ट कराए जाते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: मरीज और रोग की स्थिति के हिसाब से उपचार किया जाता है। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर को पहले कंट्रोल किया जाता है। एक्यूट किडनी फेल्योर के मरीज का उपचार अगर सही समय पर शुरू कर दिया जाता है, तो मेडिसिन से उसे ठीक किया जा सकता है। किडनी ज्यादा खराब होने पर डायलिसिस का सहारा लिया जाता है, जिसमें किडनी का ब्लड फिल्टर करने का काम मशीन अस्थाई तौर पर करती है। स्थिति गंभीर हो जाने पर किडनी ट्रांसप्लांट आखिरी उपाय है, जिसके लिए किडनी डोनेशन की जरूरत रहती है।

ऐसे करें किडनी केयर: इन बातों को फॉलो करके आप अपनी किडनी की प्रॉपर केयर कर सकते हैं।

- अगर आपकी किडनी डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है, तो रेगुलर मेडिकल चेकअप कराएं। 45 साल से ज्यादा उम्र के लोग साल में एक बार होल बॉडी चेकअप कराएं। किडनी जांच के लिए केएफटी जरूर करवाएं।
- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर होने का पता चले तो आप अपना यूरिन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट जरूर कराएं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डायबिटीज को कंट्रोल में रखें।
- वेट कंट्रोल रखें। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं।
- न्यूट्रीशन से भरपूर बैलेंस डाइट लें। कार्बोहाइड्रेट सीमित मात्रा में लें। यथासंभव रिफाइंड सफेद चीजों (चीनी, नमक, मैदा, चावल) के सेवन से बचें। इनके बजाय मल्टीग्रेन आटा, ब्रेड को आहार में शामिल करें।
- पालक, साग, टमाटर जैसी चीजों से परहेज रखें। लौकी, तोरई, परवल, टिंडा और फूलगोभी, किडनी के लिए फायदेमंद हैं। इन में पानी ज्यादा और पोटेशियम कम होता है।
- फ्रूट्स का इनटेक अच्छा रखें। सेब, पपीता और अमरूद फायदेमंद हैं।
- रोजाना 3-4 ग्राम से ज्यादा नमक न खाएं। खासकर खाने में ऊपर से डाला गया सॉल्ट पूरी तरह अवॉइड करें। अचार, पापड़, नमकीन और डिब्बा बंद बिस्कुट से दूरी बनाकर चलें।
- जंक या फास्ट फूड का सेवन न करें।
- हाइड्रेशन स्टेटस मेंटेन रखें। मौसम, शरीर और काम के हिसाब से पानी पिएं। कम पानी पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ शरीर में इकट्ठे होने लगते हैं। लेकिन ज्यादा पानी पीना भी किडनी के लिए नुकसानदायक है।
- डेली कम से कम 6 घंटे की नींद जरूर लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

इसलिए मनाते हैं वर्ल्ड किडनी डे

किडनी की समस्या आज उम्रदराज लोगों में ही नहीं, युवाओं और बच्चों में भी देखी जा रही है। 10 में से 1 व्यक्ति किडनी डिजीज का शिकार हो रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के हिसाब से दुनिया भर में करीब 85 करोड़ लोग किडनी डिजीज से जूझ रहे हैं। हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और श्वसन रोगों के विपरीत किडनी डिजीज से होने वाली मृत्यु दर निरंतर बढ़ रही है। हर साल क्रॉनिक किडनी डिजीज से तकरीबन 24 लाख लोगों की मौत भी हो जाती है। अनुमान है कि 2040 तक नॉन-कम्यूनिकेबल डिजीज से होने वाली मौतों का पांचवां सबसे बड़ा कारण किडनी डिजीज होगा। किडनी डिजीज के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के लिए हर साल मार्च के दूसरे गुरुवार को वर्ल्ड किडनी डे मनाया जाता है। इस साल की थीम है- सभी के लिए किडनी स्वास्थ्य: लोगों की देखभाल, धरती की सुरक्षा।

हमारे जीवन में सोशल मीडिया और एआई का दखल बढ़ता जा रहा है। लेकिन अपने हेल्थ इश्यूज के बारे में इन पर ब्लाइंड फेथ करना बहुत हार्मफुल हो सकता है। इस बारे में आपको बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

हेल्थ के लिए हार्मफुल हो सकते हैं डॉक्टर एआई

प्रिकॉशन
डॉ. माजिद अलीम

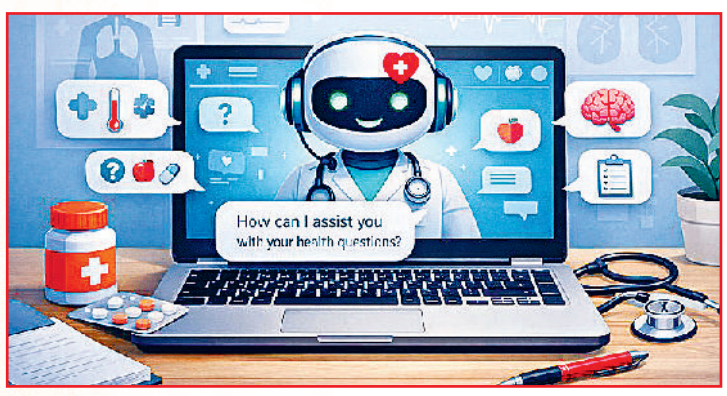

आज के समय में विभिन्न आयुवर्ग के बहुत से लोग अपने या अपने परिवार के सदस्यों की बिगड़ती सेहत या किसी बीमारी के लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह लेने की बजाय, पहले कदम के रूप में एआई का ही सहारा लेते हैं। विभिन्न सर्वेक्षण भी इस बात का खुलासा करते हैं कि 2023 की तुलना में 2024 में एआई सिस्टम चेकर की खोज में 134.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है यानी, अब अधिक लोग अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं।

इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: आजकल अधिकतर लोग डॉक्टर के पास जाने की बजाय चिकित्सा सुविधा के लिए एआई टूल का इस्तेमाल इसलिए करते हैं, क्योंकि यह समय और पैसा बचाने वाला तथा ज्यादा सुविधाजनक माध्यम लगता है। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर एआई के माध्यम से उन्हें अपनी बीमारी को समझने में काफी मदद मिलती है। इतना ही नहीं कुछ लोग तो लक्षण बताकर अपनी बीमारी की गंभीरता की जांच भी एआई के माध्यम से करते हैं। वह डॉक्टर के पास जाने की जरूरत भी नहीं समझते। दरअसल, कोविड महामारी के बाद से हमारे जीवन में टेलीमेडिसिन का चलन काफी तेजी से बढ़ गया है। यही वजह है कि अब सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और टेलिग्राम पर कई लोग एक्टिव हो गए हैं, जो खुद को एक्सपर्ट होने का दावा करके सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और हेल्थ संबंधी सलाह देते रहते हैं। हकीकत यह है कि किसी विशेष मेडिकल स्थिति के लिए सही डॉक्टर से कंसल्ट करने से लेकर जटिल शब्दों को सरल बनाने तक एआई उपकरण मेडिकल टर्म्स को लोगों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद कर रहे हैं। लोग अपनी मेडिकल रिपोर्ट्स को समझने के लिए भी चैटजीपीटी का सहारा ले रहे हैं। समय बचाने के लिए डॉक्टर से न मिलना पड़े इसलिए भी एआई उपकरणों का उपयोग करके लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हल कर रहे हैं।

निर्भरता हो सकता है रिस्की: हर स्वास्थ्य समस्या पर सोशल मीडिया या एआई टूल का उपयोग करना रिस्की हो सकता है। साल 2023 में प्रकाशित एक स्टडी में यह दावा किया गया कि टेलीमेडिसिन पर दी गई हेल्थ कंसल्टेंसी 30 प्रतिशत मामलों में अधूरी या गलत होती है। आमतौर पर एआई से हम अपनी बीमारी के सामान्य लक्षण के आधार पर उनसे सलाह लेते हैं। किसी मरीज की पर्सनल मेडिकल हिस्ट्री या गंभीर बीमारी को एआई भला कैसे समझ सकता है। इसलिए इन पर निर्भर होना गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम बढ़ा सकता है। हकीकत यह भी है कि कई लोग अपने लक्षणों को गलत समझ लेते हैं, उसी गलत समझ के आधार पर वह गलत निष्कर्ष पर पहुंचकर खुद से ही दवा ले लेते हैं। मुंबई में कार्यरत पैथोलॉजिस्ट डॉ. राजेश बेंद्रे का कहना है, 'अधिकांश एआई उपकरण पश्चिमी आबादी के डेटा का उपयोग करके बनाए गए हैं, जो भारतीय संदर्भ का सही प्रतिनिधित्व नहीं करते और इससे उनकी सटीकता भी सीमित हो जाती है।' कई मरीज चैटजीपीटी, गूगल बार्ड या अन्य हेल्थ एप का उपयोग करके अपने लक्षणों की जानकारी ढूंढ़ते हैं और अकसर ही बिना सोचे, समझे गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। ये धारणाएं अनावश्यक चिंता का कारण बन जाती हैं।

डॉक्टर से कंसल्टेशन है जरूरी: एआई के विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी एआई उपकरण के साथ डॉक्टर की सलाह के बिना उस सलाह पर भरोसा करना जोखिम भरा हो सकता है। खांसी, जुकाम, बुखार जैसी छोटी बीमारियों के अलावा यह गंभीर बीमारियों पर भी लागू होता है। इस बारे में एआई विशेषज्ञ जसप्रीत बिंद्रा का कहना है, 'डॉक्टर की निगरानी हमेशा इस प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए।' एआई हमें अधिक जानने, बेहतर शोध करने और यहां तक कि नई चीजों की खोज करने में मदद कर सकता है। लेकिन डॉक्टरी सलाह अभी भी बहुत महत्वपूर्ण है। जसप्रीत बिंद्रा के अनुसार, 'मानव चिकित्सक रोगी का समग्र रूप से इलाज करते हैं न कि बाहरी लक्षणों के आधार पर। वे तनाव, जीवनशैली या छुपे हुए लक्षणों पर भी विचार करते हैं, जिन्हें एआई अनदेखा कर सकता है। इसलिए मेडिकल कंसल्टेंसी के लिए एआई का उपयोग करते समय डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है।'

बरतें सावधानी: सोशल मीडिया पर किसी बीमारी के ये लक्षण या किसी अन्य बीमारी के ये लक्षण हैं। इस बीमारी में ये परहेज बरतें, इस बीमारी ये खाएं, इस बीमारी में ये न खाएं, इस तरह की फर्जी सलाह आपकी हेल्थ को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। इससे बचने में ही समझदारी है। एक ही बीमारी के लिए व्यक्ति के लक्षण, उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति के अनुसार अलग-अलग तरह की दवाई दी जाती है। जब आप किसी डॉक्टर को दिखाते हैं तो वह आपकी पूरी शारीरिक जांच करने के बाद आपकी बॉडी, वजन, हाइट और स्वास्थ्य के आधार पर आपके अनुकूल दवाई लिखते है। ऐसे में केवल एआई या सोशल मीडिया पर पूरी तरह भरोसा करना हार्मफुल हो सकता है। इसी तरह सोशल मीडिया पर जो डॉक्टर कैमरे के सामने लोगों को फ्री कंसल्टेंसी देते हैं, उनकी भी सलाह तभी माननी चाहिए जब आप उनसे पर्सनल कॉन्टेक्ट कर, मिलकर उनसे सलाह लें। सोशल मीडिया पर मेडिकल हेल्थ कंसल्टेंसी देने वाले व्यक्ति की योग्यता और उसकी प्रमाणिकता की भी जांच जरूरी है। हेल्थ संबंधी समस्या छोटी हो या बड़ी, डॉक्टर से पर्सनली मिलकर ही सलाह लें। अगर किसी से पर्सनली न मिल पाएं तो किसी प्रमाणित टेलीमेडिसिन का प्रयोग करें। गलत दवा से गंभीर नुकसान भी हो सकता है। आजकल लोग फर्जी एकाउंट बनाकर भी लाइक्स और फॉलोवर्स के लिए लोगों को आधी-अधूरी मेडिकल सलाह दे रहे हैं। इसलिए उन पर भरोसा न करें। खुद भी सतर्क रहें और अपने घर-परिवार के लोगों को भी एआई की हेल्थ सलाह के प्रति सजग और सचेत रखें। *

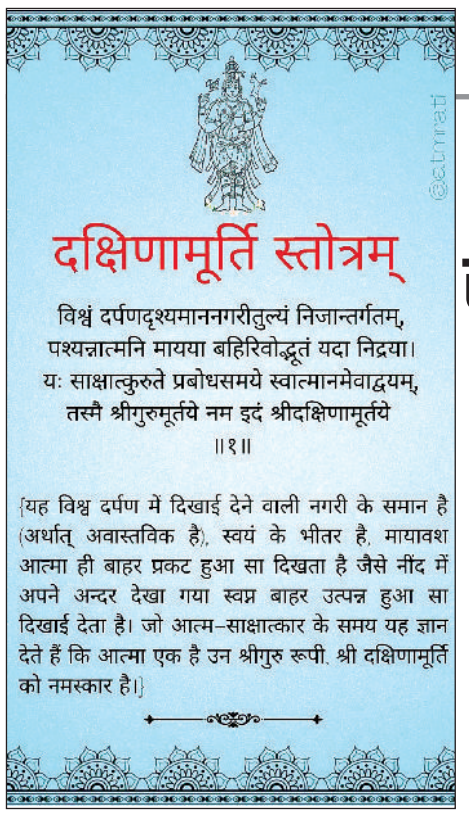

प्रदेश के सभी पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में बजेगा दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम्, आदेश जारी रंगरूटों में संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के विकास के उद्देश्य से पहल

पुलिस मुख्यालय ने जारी किया आदेश, शारीरिक और तकनीकी दक्षता होगी विकसित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश के सभी पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में अब हर सुबह प्रशिक्षण शुरू होने से पहले दक्षिणामूर्ति स्तोत्र का प्रसारण किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि इस पहल से प्रशिक्षण ले रहे रंगरूटों में संवेदनशीलता, करुणा और सहानुभूति जैसे मानवीय मूल्यों का विकास होगा और वे समाज के प्रति अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील पुलिसकर्मी बन सकेंगे। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार राज्य के सभी कॉन्स्टेबल प्रशिक्षण केंद्रों में सार्वजनिक प्रसारण प्रणाली के माध्यम से सुबह के समय दक्षिणामूर्ति स्तोत्र बजाया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम में रंगरूटों को इसके महत्व और अर्थ के बारे में भी बताया जाएगा, ताकि वे केवल इसे सुनें ही नहीं बल्कि इसके संदेश को समझकर अपने व्यवहार और कार्यशैली में भी अपनाएं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल शारीरिक और तकनीकी दक्षता विकसित करना ही नहीं है, बल्कि ऐसे पुलिसकर्मी तैयार करना भी है जो समाज के प्रति संवेदनशील, अनुशासित और जिम्मेदार हों। इसी सोच के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समय-समय पर नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी शामिल किया जाता रहा है। अधिकारियों का मानना है कि दक्षिणामूर्ति स्तोत्र जैसे आध्यात्मिक पाठ से रंगरूटों में मानसिक एकाग्रता, धैर्य और सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिलेगा। प्रशिक्षण केंद्रों में पहले से ही योग, ध्यान और नैतिक शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। अब दक्षिणामूर्ति स्तोत्र के प्रसारण को भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस मुख्यालय का कहना है कि इससे प्रशिक्षण ले रहे जवानों के व्यक्तित्व के समग्र विकास में मदद मिलेगी और वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकेंगे।

क्या है दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम

दक्षिणामूर्ति स्तोत्र भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का एक प्रसिद्ध स्तोत्र है, जिसकी रचना आदि शंकराचार्य द्वारा की गई मानी जाती है। इसमें भगवान शिव के दक्षिणामूर्ति रूप की स्तुति की गई है, जिन्हें ज्ञान और गुरु का प्रतीक माना जाता है। इस स्तोत्र में आत्मज्ञान, ध्यान और आध्यात्मिक बोध का वर्णन किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से प्रशिक्षण ले रहे रंगरूटों में अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा, जिससे वे कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील और मानवीय व्यवहार भी कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

तीन पुलिस अधिकारियों के तबादले, देवास से पीएचक्यू पहुंचीं सृष्टि

भोपाल। गृह विभाग ने प्रदेश में तीन पुलिस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार विभिन्न जिलों और इकाइयों में पदस्थ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश के मुताबिक देवास में पदस्थ एसडीओपी सृष्टि भार्गव को स्थानांतरित कर पुलिस मुख्यालय भोपाल में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं देवास में उनकी जगह नई जिम्मेदारी तय की गई है। इसी तरह कीर्ति बघेल, जो वर्तमान में मंदसौर में एसडीओपी के पद पर पदस्थ थीं, उन्हें स्थानांतरित कर शाजापुर के एसडीओपी कार्यालय में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा संजय सिंह जो कार्यवाहक सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में इंदौर पुलिस मुख्यालय में पदस्थ थे, उन्हें कार्यवाहक एसडीओपी देवास की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में पुलिस मुख्यालय और अन्य जिलों में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से इन अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है।

अब रिटायरमेंट के बाद भी होगी सरकारी कर्मचारियों से वसूली

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब शासकीय सेवकों को वेतन निर्धारण में विसंगति के कारण हुए अधिक भुगतान की वसूली सेवानिवृत्ति के बाद भी की जा सकेगी। राज्य सरकार ने यह कदम सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर उठाया है। वित्त विभाग ने संचालक पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा मध्यप्रदेश और संभागीय व जिला पेंशन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वेतन निर्धारण में त्रुटि के कारण हुए अधिक भुगतान की वसूली के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए। निर्देश में कहा गया है कि हरियाणा चौकीदार प्रकरण सहित सर्वोच्च न्यायालय और अन्य न्यायालयों के फैसलों के आधार पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों से भी अधिक भुगतान की राशि वसूल की जा सकती है। इसके लिए सभी जिला पेंशन अधिकारियों को संबंधित मामलों में न्यायालय के निर्णयों की जानकारी दी जाएगी।

एजुकेट गर्ल सफीना टाइम वूमन ऑफ द ईयर की सूची में

इंदौर। एजुकेट गर्ल्स संस्था की संस्थापक सफीना हुसैन को वर्ष 2026 में टाइम वूमन ऑफ द ईयर की सूची में शामिल किया गया है। जनवरी में उनकी पुस्तक 'एवरी लास्ट गर्ल :ए जर्नी टू एजुकेट इंडिया फॉरगेटन डॉटर्स' का विमोचन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में हुआ। इस पुस्तक में गांवों से जुड़े जीवंत, प्रत्यक्ष अनुभवों की कहानियां शामिल हैं। वर्ष 2025 में, सफीना के नेतृत्व में एजुकेट गर्ल्स रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय गैर-लाभकारी संस्था बनी। सफीना वंचित समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों की गहरी समझ रखती हैं। वर्ष 2035 के लिए उनकी दृष्टि है कि स्वयंसेवा, भागीदारी और समानता पर आधारित, समुदाय-चालित और विस्तार योग्य समाधानों के माध्यम से 1 करोड़ शिक्षार्थियों को सशक्त बनाना।

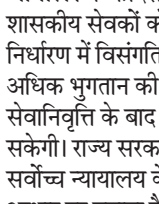

नि:शक्तजन को वृत्तिकर से छूट के लिए 31 मार्च 2030 तक निरंतर किए जाने की मंजूरी

कल्याणकारी योजनाओं के लिए 33 हजार 240 करोड़ रुपए की स्वीकृति

7 जिलों के लिए 'एक जिला-एक उत्पाद' परियोजना का किया अनुमोदन- सिंगरौली में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित 7 पदों की स्वीकृति, मैहर, निमरानी में 3 नए औषधालयों को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने कल्याणकारी योजनाओं सहित विभिन्न 7 विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के लिए लगभग 33 हजार 240 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री यंग इंटनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोगाम को भी मंजूरी दी है। सिंगरौली के चितरंगी में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित कुल 7 नवीन पदों के सृजन की भी मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मैहर, कैमोर जिला कटनी और निमरानी जिला खरगोन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 3 औषधालय खोलने सहित चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गयी है। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश वृत्तिकर अधिनियम, 1995 के अंतर्गत निःशक्त जन को वृत्तिकर से छूट को 31 मार्च, 2030 तक निरंतर किये जाने की स्वीकृति दी गयी गई है।

7 जिलों के लिए "एक जिला-एक उत्पाद" परियोजना

मंत्रि-परिषद द्वारा "एक जिला-एक उत्पाद" परियोजना अंतर्गत चयनित 07 जिलों में पारंपरिक व विशिष्ट उत्पाद के सरंक्षण, विकास और विपणन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगामी 5 वर्षों में 37.50 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रि-परिषद ने चितरंगी जिला सिंगरौली में व्यवहार न्यायालय की स्थापना के लिए व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड का एक नवीन पद और उनके कार्यालयीन अमले के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 नवीन पद सहित कुल 7 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृत प्रदान की है।

मैहर, कैमोर और निमरानी में 3 नए औषधालयों को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने भारत सरकार के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआईसी) द्वारा मैहर (जिला-मैहर), कैमोर (जिला कटनी), तथा निमरानी (जिला खरगौन) में 3 नये औषधालयों को खोलने एवं चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों का सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मैहर, कैमोर तथा निमरानी में नये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय खोलने एवं नये पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे रजिस्टर्ड 15,686 श्रमिकों एवं उन पर आश्रित लगभग 62,744 परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों और योजनाओं की निरंतरता के लिए 63 करोड़ 76 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

पेयजल आपूर्ति के लिए 6090 करोड़ रुपए की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा खनिज साधन विभाग के अंतर्गत "खनिज अधिभार का रक्षित निधि में अतंरण" योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर रखे जाने के लिए 6090 करोड़ 12 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है। यह योजना खनिज साधन विभाग के अंतर्गत पूर्व से संचालित योजना पूर्णतः राज्य वित्त पोषित एवं भारित व्यय से संबंधित योजना है। इस राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों, पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण अवसंरचना, पेयजल आपूर्ति योजना तथा सड़क विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिये किया जायेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं की स्वीकृति

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की 31 मार्च 2031 तक निरंतरता एवं सुचारू संचालन के लिये 7,127 करोड़ 38 लाख रुपए की स्वीकृति दी गयी है। स्वीकृति अनुसार विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण के लिए 16 करोड़ 78 लाख रुपए, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान मप्र जबलपुर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिये 12 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं एवं बाल वाटिका तथा अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा 01 से 08 तक दर्ज एवं उपस्थित बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न योजनाओं/ कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 7098 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले सीएम ने मंत्रियों को किया संबोधित

रानी दुर्गावती अभयारण्य बनेगा चीतों का तीसरा घरः डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नौरादेही का रानी दुर्गावती अभयारण्य चीतों का तीसरा घर बनने जा रहा है। जल्द ही वहां भी चीते छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार और पूरी मंत्रि-परिषद् की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संघ लोक सेवा आयोग-2026 के हालिया घोषित रिजल्ट में मध्यप्रदेश के 2 होनहार अभ्यर्थियों द्वारा टॉप टेन अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने पर दोनों ही अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के कई विद्यार्थियों का यूपीएससी की परीक्षा में आईएएस, आईपीएस, आईआरएस इत्यादि कई पदों पर चयन हुआ है। हमारे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में चयनित होकर प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीते तेजी से फल-फूल रहे हैं। हाल ही में 5 नये शावकों की आमद से चीतों का परिवार और भी समृद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार करीब 2 महीने बाद रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) में भी चीते छोड़ने जा रही है। इससे मध्यप्रदेश में चीतों के 3 घर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मगर/घड़ियाल और कछुए भी विभिन्न जल क्षेत्रों में मुक्त करेंगे, ताकि हमारी जैव सम्पदा और भी समृद्ध हो सके।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को भायी की जल संचय पहल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में जल संचयन के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान की केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल द्वारा सराहना की गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 5 मार्च को हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में कहा था कि मध्यप्रदेश सामुदायिक सहभागिता से जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन देश के सामने श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। मध्यप्रदेश में 250 से अधिक नदियां हैं। मध्यप्रदेश बांधों की संख्या के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा था कि जल संचयन के प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार भी जल इस दिशा में जनभागीदारी से ऐसा ही कदम बढ़ाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि केंद्र से मिली सराहना हमारी जल संचय नीति की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के प्रथम चरण में 2.79 लाख से अधिक जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। दूसरे चरण में भी मध्यप्रदेश में 72 हजार 647 जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं और 64 हजार 395 जल संरचना निर्माण कार्य फिलहाल प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस साल 19 मार्च 2026 से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से कहा कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के काम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दस्तावेजों के डिजिटल पंजीयन का काम शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में प्रति वर्ष करीब 16 लाख से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है। यह एक बड़ा काम है पर हम इसे समय-सीमा में ही पूरा करेंगे।

रसोई गैस की उपलब्धता पर नजर बनाएं रखें अफसर

गैस एजेंसी संचालकों के साथ आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में कलेक्टर के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने 11 मार्च 2026 को गैस एजेंसी संचालकों की बैठक ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि घरेलू गैस की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रहेगी। हालांकि, कमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति अब सीमित कर दी गई है। यह केवल अस्पताल, स्कूल, आश्रम, छात्रावास और आंगनबाड़ी केंद्रों तक ही होगी। होटल और रेस्टोरेंट में कमर्शियल गैस की आपूर्ति पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। कलेक्टर ने सभी एजेंसी संचालकों को भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को गैस की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश भी दिए गए। बैठक में इंडियन ऑयल के प्रतिनिधि और जिले के सभी गैस एजेंसी संचालक उपस्थित थे।

गैस संचालक गोदाम में रखें पर्याप्त स्टॉक

कलेक्टर ने गैस एजेंसी संचालकों को अपने गोदाम में पर्याप्त स्टॉक रखने को कहा। उन्हें कम से कम तीन दिन की बिक्री के बराबर एलपीजी सिलिंडर का स्टॉक अनिवार्य रूप से रखना होगा। कंपनी से रिफिल का लोड डिस्पैच होते ही तुरंत नया इंडेंट भेजने का निर्देश दिया गया। इससे आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी और सुचारू बनी रहेगी। एजेंसियों को घर-घर डिलीवरी सेवा नियमित बनाए रखने और दैनिक बिक्री-स्टॉक रिपोर्ट देने को भी कहा गया। प्रशासन ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब पिछले सिलेंडर की रिफिलिंग के 25 दिन बाद ही अगले सिलेंडर की बुकिंग की जा सकेगी। बुकिंग केवल उपभोक्ता के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही मान्य होगी। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि जिले में रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, इसलिए आवश्यकतानुसार ही बुकिंग करें।

चांदी के जेवर और नकदी लेकर फरार हुए थे आरोपी

सूने मकान में चोरी के मामले में नाबालिग सहित चार गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर चांपा

जिले के वार्ड नंबर 19 में बीते महीने 26 फरवरी की रात एक सूने मकान में चोरी हुई। चोरों ने अलमारी तोड़कर सोने, चांदी के जेवर और नगदी रकम चुराई। पुलिस ने अब इस मामले में एक नाबालिग बालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

चोरी हुए 9.56 लाख रुपये के सोने, चांदी के जेवर और नगदी रकम को बरामद कर लिया गया है। एएसपी उमेश कश्यप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। मुख्य आरोपी जीत कुमार सूर्यवंशी बिलासपुर का निवासी है। वह अपने साथियों के साथ स्कूटी से जांजगीर पहुंचा था। उन्होंने नहर किनारे सूने मकानों की तलाश की थी। रात करीब 1:30 से 2:00 बजे के बीच दीवार फांदकर मकान में घुसे। मकान मालिक अपने परिवार सहित बाहर घूमने गए हुए थे। चोरों ने कमरे की अलमारी तोड़कर चोरी को अंजाम दिया और फरार हो गए।

सिटी कोतवाली पुलिस ने चोरी की जानकारी मिलने पर मामला दर्ज किया। साइबर टीम की मदद से 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की तलाशी ली गई। बिलासपुर में एक संदिग्ध स्कूटी (सीजी 10सीसी 1267) का पता चला। स्कूटी की तलाशी से एक नाबालिग की पहचान हुई। पुलिस हिरासत में पूछताछ के बाद उसने नगदी रकम

सुनसान मैदान में बांटी थी चोरी की नगदी

नगदी जांजगीर के सुनसान मैदान में बांटी गई थी। सोने, चांदी के जेवर बाद में बांटने के लिए बैग में रखे गए थे। आभूषण बेचने के लिए जीत कुमार सूर्यवंशी की मदद ली। जीत ने अपने परिचित गीता प्रसाद साहू से मिलवाया, जिसने रहोद के सोनार सूरज सोनी को 80 हजार रुपये में जेवर बेचे। इसमें से 12-12 हजार रुपये बांटे गए और 56 हजार रुपये मुख्य आरोपी को दिए गए। इस प्रकरण में दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। नाबालिग बालक को किशोर न्यायालय में पेश किया गया है। जीत कुमार सूर्यवंशी, गीता प्रसाद साहू और सोनार सूरज सोनी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 108 नक्सली कैडरों ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 108 नक्सली कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 44 महिला और 64 पुरुष नक्सली शामिल हैं, जिन पर 3.29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण पुणे मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के तहत हुआ। कार्यक्रम राज्य के डीजीपी अरुण देव गौतम और एडीजी विवेकानंद सिन्हा की मौजूदगी में हुआ। बस्तर आईजी सुंदरराज पी सहित सीआरपीएफ, बीएसएफ और जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जमा किए गए हथियारों और अन्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। अधिकारियों ने 101 घातक हथियार बरामद होने की जानकारी दी।

खास बातें

- 44 महिला और 64 पुरुष नक्सली शामिल
- 3 .29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था
- डीजीपी अरुण देव और एडीजी सिन्हा की मौजूदगी में हुआ समर्पण कार्यक्रम

नक्सल इतिहास में पहली बार 3.61 करोड़ नकद बरामद

इन हथियारों में एके 47, इंसास, एलएमजी और बीजीएल शामिल थे। नक्सल इतिहास में पहली बार 3.61 करोड़ रुपये नकद और 1.64 करोड़ रुपये मूल्य का एक किलो सोना बरामद किया गया। इसे अब तक के नक्सल विरोधी अभियानों में सबसे बड़ी डंप बरामदगी माना जा रहा है। यह सभी सामग्री बस्तर रेंज के विभिन्न जिलों से बरामद की गई थी। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर जिले शामिल हैं। बरामद किए गए सभी डंप और सामग्री को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शन जगदलपुर स्थित रेंज मुख्यालय में आयोजित आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह सामग्री अलग-अलग अभियानों में मिली थी। इसमें 101 घातक हथियार और बड़ी मात्रा में नकदी व सोना शामिल था। अधिकारियों का कहना है कि सरकार की पुनर्वास नीति प्रभावी साबित हो रही है। लगातार चल रहे सुरक्षा अभियानों के कारण नक्सली मुख्यधारा में लौट रहे हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज में वापसी की है। यह आत्मसमर्पण बस्तर में शांति और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल क्षेत्र में स्थिरता लाने में सहायक होगी।

चिंतन

इच्छा मृत्यु पर कानून बनाए जाने की जरूरत

भारत में इच्छामृत्यु का सवाल लंबे समय से कानूनी, नैतिक और मानवीय बहस का विषय रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 13 वर्षों से कोमा में पड़े युवक हरीश राणा को पैसिव यूथेनेशिया यानी इच्छामृत्यु की अनुमति देकर एक महत्वपूर्ण और मानवीय फैसला दिया है। यह निर्णय केवल एक व्यक्ति की पीड़ा से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न को भी सामने लाता है कि असाध्य बीमारी और असहनीय पीड़ा झेल रहे व्यक्ति को क्या सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक बार फिर यह जरूरत रेखांकित कर दी है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाया जाए, ताकि ऐसे संवेदनशील मामलों में न्यायिक और चिकित्सीय प्रक्रिया स्पष्ट हो सके। हरीश राणा की कहानी बेहद मार्मिक है। दिल्ली में जन्मे हरीश चंडीगढ़ स्थित पंजाब में बीटेक के छात्र थे। वर्ष 2013 में हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे कोमा में चले गए। डॉक्टरों ने उन्हें क्वाड्रिप्लेजिया से पीड़ित बताया, जिसमें मरीज के चारों अंग काम करना बंद कर देते हैं और वह पूरी तरह लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हो जाता है। पिछले 13 वर्षों से वे वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवन जी रहे हैं। लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने से उनके शरीर पर गंभीर घाव बन गए हैं और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। परिवार के लिए यह स्थिति मानसिक पीड़ा के साथ-साथ भारी आर्थिक बोझ का कारण भी बन चुकी है। इस मामले में शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए, ताकि मरीज की गरिमा बनी रहे। देश में इच्छामृत्यु को लेकर न्यायिक आधार पहले से मौजूद है। वर्ष 2011 में मुंबई की नर्स अरुणा रामचंद्र शानबाग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को सीमित रूप में मान्यता दी थी। इसके बाद 2018 में एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए पैसिव यूथेनेशिया को वैध ठहराया और 'लिविंग विल' को भी मान्यता दी। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आता है, इसलिए आवश्यक है कि संसद इस विषय पर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाए। दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अलग-अलग व्यवस्था है। दूसरी ओर कई बड़े देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अभी भी कड़े प्रतिबंध हैं। अमेरिका में संघीय स्तर पर एक्टिव यूथेनेशिया अवैध है, हालांकि कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से मृत्यु की सीमित अनुमति है। चीन और रूस जैसे देशों में इच्छामृत्यु पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसे कानूनन अपराध माना जाता है। इसी तरह पाकिस्तान में भी धार्मिक और कानूनी आधारों पर इच्छामृत्यु को पूरी तरह गैरकानूनी माना गया है। इन अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों से स्पष्ट है कि दुनिया के अलग-अलग देशों ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे के अनुसार इस विषय पर अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। भारत में भी कानून बनाते समय मानवीय संवेदना और कानूनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक बोझ, पारिवारिक दबाव या संपत्ति विवाद के कारण किसी मरीज को जबरन इच्छामृत्यु की ओर न धकेला जाए।

विश्लेषण

राज कुमार सिंह

जितनी लंबी जंग, उतने व्यापक दुष्परिणाम

मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौव्वा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं।

जाहिर है, जंग एकतरफा नहीं हो सकती। इसलिए मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौव्वा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। 28 फरवरी को पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत 40 प्रमुख लोगों को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं। जाहिर है, राजनीति की तरह कूटनीति में भी माहौल बनाने के लिए बहुत कुछ कह दिया जाता है, जिसका सच से कोई वास्ता नहीं होता। इजराइल के खुफिया सूचना तंत्र की बदौलत खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व के चालीस सदस्यों को पहले ही दिन मार गिराये जाने के बाद अमेरिका को लगा होगा कि ईरान में कठपुतली सरकार बनवाना बस एक-दो दिन का काम है, लेकिन 11 दिन से जारी जंग और विश्व पर उसके व्यापक असर से साफ हो गया कि वह आकलन गलत था। आर्थिक और सैन्य महाशक्ति अमेरिका से जीत की गलतफहमी ईरान को नहीं होगी, लेकिन उसकी संप्रभुता एवं अस्तित्व रक्षा की जंग लंबी चल सकती है।

कम आबादी के बावजूद इजराइल की उन्नत रक्षा तकनीक और सामर्थ्य किसी से छिपी नहीं है, लेकिन दोनों मिल कर भी ईरान पर काबू तो दूर, उसके जवाबी हमलों से बच तक नहीं पा रहे। 18-20 लाख रुपये लागत वाले ईरानी ड्रोन को मार गिराने के लिए अमेरिका को 35-37 करोड़ रुपये की मिसाइल चलानी पड़ रही है। अमेरिका का औसत युद्ध खर्च आठ हजार करोड़ रुपये प्रतिदिन आ रहा है। युद्ध के अन्य असर अलग हैं। जंग जितनी लंबी चलेगी, आर्थिक रूप से भी अमेरिका को भारी पड़ेगी। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि जंग चार-पांच सप्ताह चल सकती है तो कभी जल्द समाप्त होने की भविष्यवाणी कर कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग बुझाने की कोशिश करते हैं। उधर, ईरान छह महीने की तैयारी की बात कह रहा है। हालांकि ऐसी जंग के बीच मृतकों की सही संख्या बता पाना मुश्किल होता है। फिर भी मान लें कि ईरानी बहुत ज्यादा संख्या में मारे जा रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चाहिए कि अपने सैनिकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। जंग जारी रही और जमीन पर भी उतरी तो ताबूत में स्वदेश लौटने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ेगी ही। इजराइल की जंग में अवांछित अग्रणी भूमिका के विरोध में जारी प्रदर्शन, अपने सैनिकों की मौत से न सिर्फ और भड़केंगे, बल्कि ट्रंप को उसकी भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। व्यापारी मूलतः धैर्यवान माने जाते हैं, पर ट्रंप का उतावलापन किसी से छिपा नहीं है। ज्यादा पुरानी घटना नहीं है, जब ट्रंप ने फोर्स वन भेज कर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा लिया और खुद को वहां का कार्यवाहक राष्ट्रपति भी सोशल मीडिया पर लिखना शुरू कर दिया। खामेनेई के खात्मे के बाद

उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उन्हें मिलना चाहिए। किसी दूसरे देश का नेतृत्व खुद चुनने की सोच तानाशाही का मुंह बोलता प्रमाण ही है, लेकिन विश्व समुदाय मौन रहा। फिर भी जो हुआ, वह सबके सामने है। ट्रंप की धमकियों के बावजूद ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना और मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले भी बदस्तूर जारी हैं। बेशक इससे मध्य पूर्व के ये इस्लामी देश ईरान के विरुद्ध हो जाएंगे, लेकिन वे तो पहले से ही अमेरिका का सैन्य अड्डा बने हुए हैं। वैसे खेद जताते हुए भी ईरान ने स्पष्ट कर दिया कि अगर वे उस पर हमलों के लिए लांचिंग पैड बनेंगे तो जवाबी हमले जारी रह सकते हैं। जाहिर है, इन देशों में अमेरिका ने सैन्य ठिकाने बनाये ही लांचिंग पैड की तरह इस्तेमाल के लिए हैं। अब इन देशों की सुरक्षा का दबाव अमेरिका पर अवश्य बढ़ रहा है। चीन और रूस द्वारा ईरान की मदद के अमेरिकी दावों का सच पता कर पाना आसान नहीं, लेकिन अगर अप्रत्यक्ष रूप से भी ऐसा हुआ तो जंग लंबी खिंचना तय है। ईरान ने जिस तरह चीन और रूस के अलावा शेष विश्व के लिए होर्मुज जल डमरूमध्य मार्ग बंद कर दिया है, उसके दो संदेश साफ हैं: एक, चीन और रूस के प्रति उसका मित्रताभाव। जाहिर है, ऐसी रियायत न मिलना भारत की कूटनीति पर सवाल भी खड़े करता है। दूसरा, इससे अन्य देशों की ऊर्जा चुनौतियां बढ़ेंगी, जो अमेरिका पर जंग समाप्ति का दबाव बना सकते हैं। 11 दिन की जंग में ही कई देशों में पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत तथा आसमान छूती कीमतें भविष्य के गंभीर संकट का संकेत ही हैं। विश्व भर की ऊर्जा जरूरतों की लगभग एक-चौथाई आपूर्ति होर्मुज जलडमरू मध्य मार्ग से ही होती है, जिस पर ईरान का नियंत्रण है। खुद कभी भी और किसी भी देश पर हमला करना अपना अधिकार समझने वाले ट्रंप अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर किसी का अधिकार न होने का तर्क देते हुए ईरान को और भी 20 गुना ज्यादा ताकत से हमले की धमकियां तो दे रहे हैं, पर उनका असर होने की उम्मीद नहीं दिखती। इराक और अफगानिस्तान समेत कई देशों में अमेरिकी सैन्य आक्रमण में भागीदार बनने वाले नाटो सदस्य देश इस बार ईरान पर हमले में साथ नहीं हैं। कुछ देशों ने तो अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल तक नहीं करने दिया। इसे विश्व व्यवस्था में अमेरिका के अलग-थलग पड़ने का संकेत भी माना जा रहा है। बेशक अहमन्यता और साम्राज्यवाद अमेरिकी चरित्र का हिस्सा रहा है, लेकिन ट्रंप जिस तरह दुनिया को खुलेआम धमका रहे हैं, उसे वैश्विक व्यवस्था के लिए ही खतरे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए यह युद्ध चाहे-अनचाहे नई वैश्विक व्यवस्था की भूमिका भी लिखने जा रहा है। शायद यही कारण है कि भारत समेत कुछ देश जल्दबाजी में अपने पत्ते नहीं खोलना चाहते। विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र तथा आर्थिक एवं सैन्य महाशक्ति अमेरिका की हैसियत डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति काल के बाद भी बरकरार रह पाएगी- इस पर अब संदेह और सवाल गहराने लगे हैं।

गौरतलब है कि यूएस-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर केवल इन देशों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि दुनिया के कई देश इसके दायरे में आ चुके हैं। मिडिल ईस्ट में तनाव से गैस आपूर्ति का खतरा मंडरा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है। आने वाले समय में ये संकट और बड़ा हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ हार्मुज के बंद होने से जहाज फंसे हैं, जिसके कारण शिपिंग और फर्टिलाइजर के दाम बढ़ने की आशंका है। हालांकि इन चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने के लिए भारत ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

अभियान

बलकार सिंह पूनियां

महिला नेतृत्व से सुदृढ़ होता जमीनी लोकतंत्र

भारत का लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक शक्ति गांवों और स्थानीय समुदायों में स्थित पंचायती राज संस्थाओं में निहित है। जब स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था मजबूत होती है, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं और विकास अधिक समावेशी बनता है। इसी दृष्टि से पंचायती राज मंत्रालय ने नई दिल्ली में पंचायतों की चुनी हुई महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन का केंद्रीय संदेश है-"सशक्त महिला, सशक्त पंचायत।" इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को अधिक समावेशी बनाना तथा ग्रामीण शासन में महिला नेताओं की भूमिका को सामने लाना है। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वर्ष की उस प्रेरणादायी यात्रा का उत्सव है, जिसकी शुरुआत 4 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ग्राम पंचायतों में, विशेष रूप से महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए क्षमता निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। देश में पंचायती राज संस्थाओं में 14 लाख से अधिक महिला निर्वाचित प्रतिनिधि कार्य कर रही हैं। कई राज्यों ने महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है, जिससे महिला नेतृत्व का विस्तार और अधिक हुआ है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि बिहार सहित कई राज्यों में महिलाएं आरक्षित सीटों के अतिरिक्त अनारक्षित सीटों पर भी निर्वाचित होकर सामने आ रही हैं, जो ग्रामीण राजनीति में बढ़ते आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। पिछले एक वर्ष में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वर्ष 2025-26 में कुल 6,81,758 महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त "चैंपियनिंग ऑफ चेंजः स्थानीय शासन में महिला नेत्रियों का सशक्तिकरण" नामक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से 1,21,512 महिला प्रतिनिधियों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, निर्णय-निर्माण और स्थानीय शासन के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। इसी क्रम में 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल 744 मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों का चयन किया है। प्रत्येक जिले में एक ग्राम पंचायत को इस रूप में चिन्हित किया गया है ताकि वे महिला-केंद्रित शासन की मिसाल बन सकें। इन मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 310 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो सरपंचों, पंचायत सचिवों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। हालांकि पंचायतों में महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, फिर भी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई स्थानों पर महिला प्रतिनिधियों को अपने अधिकारों और दायित्वों के निर्वहन में सामाजिक और संस्थागत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की समस्या भी कई राज्यों में देखी जाती है, जहां निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेते हैं।

इसी समस्या को ध्यान मं रखते हुए पंचायती राज मंत्रालय ने "से नो टू प्रोक्सी सरपंच" नामक राष्ट्रव्यापी सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है, जो 8 से 18 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा है। यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहकर्मी-अधिगम और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही उत्कृष्ट महिला पंचायत नेत्रियों को 'बीकन महिला नेत्री' के रूप में सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनके कार्यों से अन्य प्रतिनिधियों को प्रेरणा मिल सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' भारत के जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं तो शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और समावेशी बनता है। पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों को वास्तविक अधिकार और अवसर प्रदान करना केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विकास की अनिवार्य शर्त है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महिला नेतृत्व के माध्यम से सशक्त पंचायत और सशक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

(लेखक सहायक प्रोफेसर इग्नू नई दिल्ली हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सच बोलना सबसे बड़ी तपस्या

संकलित

दर्शन

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं। राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?

समर्पण ही सच्ची भक्ति

संकलित

प्रेरणा

एक बार परमहंसदेव अपने शिष्यों को कुछ उपदेश दे रहे थे। वह शिष्यों को अवसर की महत्ता बता रहे थे । वह बोल रहे थे कि मनुष्य अक्सर अपने जीवन में आये सुअवसरों को ज्ञान और साहस की कमी के कारण खो देता है। अज्ञान के कारण मनुष्य या तो अवसर को समझ ही नहीं पाता और कोई समझ भी जाये तो उसका लाभ उठाने के अनुरूप उसमें साहस नहीं होता। जब उन्होंने देखा कि बात शिष्यों को समझ नहीं आ रही है तो उन्होंने सामने ही बैठे नरेंद्र से कहा– नरेंद्र ! मान ले अगर तू एक मक्खी है और तेरे सामने अमृत का एक कटोरा भरा पड़ा है। अब बता तू उसमें कूद पड़ेगा या किनारे बैठकर उसे छूने की कोशिश करेंगा? नरेंद्र बोला- किनारे बैठकर छूने की कोशिश करूंगा। बीच में कूद पड़ा तो प्राण संकट में आ सकते है । इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि किनारे बैठकर खाने की कोशिश की जाये। पास में बैठे दुसरे शिष्यों ने विवेकानंद के तर्क की खूब सराहना की । किन्तु परमहंसजी हँसे और बोले- मुर्ख! जिस अमृत को पीकर तू अमर होने की कल्पना करता है, उसमें भी डूबने से डरता है। जब अमृत में डूबने का सुअवसर मिल रहा है तो फिर मृत्यु का भय क्यों? तब शिष्यों को बात समझ में आई। चाहे आध्यात्मिक उन्नति हो या भौतिक, जब तक पूर्ण समर्पण नहीं होता, सफलता संदिग्ध है।

अंतर्मन

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-विजया राजपूत, भिलाई

करंट अफेयर

मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को उस समय अटकलें तेज हो गईं जब ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने उनके 'घायल होने' संबंधी समाचार सुनने की बात कही। मोजतबा (56) इजराइल और अमेरिका के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान में मोजतबा लंबे समय से एक रहस्यमय शख्सियत रहे हैं। उनके पिता एवं पत्नी की 28 फरवरी को इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई थी और उसी हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ। इसके बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और सोमवार को सर्वोच्च नेता बनने के बाद से उन्होंने कोई बयान भी नहीं दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बेटे यूसुफ पेजेश्कियन ने टेलीग्राम ऐप पर रात में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा , मैंने मोजतबा के घायल होने की खबरें सुनीं। मैंने उनके संपर्क में रहे मित्रों से इसके बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि 'अल्लाह का शुक्र है, वह स्वस्थ हैं और कोई समस्या नहीं है।

ऑफ बीट

'भारत टैक्सी' का जल्द ही सभी बड़े शहरों में विस्तार

सरकार ने बुधवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र की परिवहन सेवा 'भारत टैक्सी' का अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुका तक विस्तार किया जाएगा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सहकारी समितियों द्वारा रोजगार सृजन से जुड़े पूरक सवालों के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने कहा कि 'भारत टैक्सी' की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, इसकी बुकिंग मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। इसमें सुरक्षा की पूरी गारंटी और पूर्ण पारदर्शिता है। इसे दिल्ली पुलिस के साथ भी संबद्ध किया गया है। मंत्री ने बताया कि 'भारत टैक्सी' फिलहाल दिल्ली-एनसीआर के अलावा गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा, अगले दो या तीन वर्षों में इस सेवा को सभी बड़े शहरों और तालुका तक पहुंचाया जाएगा। अब तक इसके साथ चार लाख ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले महीने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत की थी, जो सहकारी आधार पर संचालित देश का पहला 'राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म' है।

ट्रेंड

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वधर्म, स्वराज एवं राष्ट्ररक्षा हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले महान मराठा छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रधर्म की वेदी पर उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में वीरता, त्याग एवं स्वाभिमान का स्वर्णिम अध्याय है।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सिविक सेंस

कुछ लोग जब सदन के अंदर आते हैं तो सिविक सेंस, कॉन्स्टिट्यूशनल सेंस और कॉमन सेंस बाहर ही छोड़ कर आते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि नियम उनके लिए नहीं है, नियम उनसे है।

-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

रसोई गैस संकट

देश में रसोई गैस आपूर्ति पर गहराता संकट बेहद चिंताजनक है। मोदी सरकार इस संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर भी हमेशा की तरह लापरवाह और असंवेदनशील बनी हुई है। समय रहते स्थिति का आकलन ना कर पाना केंद्र सरकार का स्पष्ट 'कलेक्टिव फेलियर' है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

कच्चे माल की सुरक्षा

भारत को ऐसे युद्ध के प्रतिकूल परिणामों का सामना करते देखना दुखद है, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, खासकर कच्चे माल की सुरक्षा के संदर्भ में। हमें अपने तेल, तांबे, सोने या किसी अन्य धातु संसाधन का आयात नहीं करना पड़ता।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

लोकसभा में रविशंकर प्रसाद और राहुल गांधी के बीच हुई तीखी तकरार

- ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा से जुड़ा मामला
- रविशंकर की राहुल को नसीहत, सदन में गरिमा के साथ अपने दायित्वों को भली-भांति समझें राहुल
- राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी पर लगाया अमेरिका से समझौता करने का आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बीते मंगलवार से शुरू हुई चर्चा का सिलसिला बुधवार को भी चला। जिसमें निचले सदन में सत्ता पक्ष से रविशंकर प्रसाद और विपक्ष से राहुल गांधी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। प्रसाद ने राहुल के संसदीय आचरण और सदन में उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि बतौर नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें अपने पद की गरिमा के साथ तमाम जरूरी दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। लेकिन उन्हें इसका जरा भी भान नहीं है। वो सदन में गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों के साथ कभी भी कुछ भी बोल देते हैं। जवाब में राहुल ने कड़ा पलटवार किया और कहा, यह लोकसभा समूचे देश की आम जनता की आवाज और भावनाओं को प्रदर्शित करती है। न कि इसका संबंध केवल एक दल (भाजपा) से है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यापार डील के मामले को लेकर अमेरिका से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूरा देश इससे अवगत है। भाजपा नेता ने राहुल की इस टिप्पणी को पूरी तरह से नकारते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और पीएम से जुड़े मामलों पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

किसी के अहंकार की संतुष्टि करता प्रस्ताव?

दरअसल इस प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे सदन की कार्रवाई की शुरुआत के साथ हुई। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने चर्चा के क्रम को आगे बढ़ाया और रविशंकर प्रसाद का नाम पुकारा। उन्होंने सीधे कांग्रेस समेत विपक्ष के अन्य दलों पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि बीते 75 वर्षों में ये दूसरा मौका है। जब सदन में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। हकीकत में इससे उनका कोई संबंध नहीं है। बल्कि ये प्रस्ताव तो महज एक दल के एक व्यक्ति (राहुल गांधी) के अहंकार की संतुष्टि का माध्यम है। विपक्ष सदन में अराजकता के हालात बना रहा है। उनका प्रस्ताव बेबुनियाद, प्रायोजित और उत्तेजित है। जिसे अंत में हम खारिज करेंगे।

रविशंकर ने दिखाया कांग्रेस को आईना

उन्होंने कहा, संविधान से लेकर सदन की नियमावली में लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव, उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया के साथ-साथ विपक्ष के नेता के दायित्वों और उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के बारे में भी बताया गया है। अध्यक्ष सदन का मुखिया होता है। कांग्रेस की अगुवाई में ये प्रस्ताव लाया गया। जबकि चौकाने वाला एक तथ्य ये है कि देश की आजादी के बाद सबसे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की सरकार में 1977 में नेता प्रतिपक्ष के पद का गठन किया गया था, वाई.बी चौहान विपक्ष के नेता बने थे। उससे पहले एलओपी नाम की ऐसी कोई व्यवस्था ही नहीं थी। आपातकाल में जब सभी विपक्षी दलों के नेता जेल में बंद किए गए थे। तो उस समय की कांग्रेस सरकार ने लोकसभा के कार्यकाल को स्वतः 5 से 6 साल कर दिया था। यही कांग्रेस पार्टी ने पूर्व सीडीएस बिपिन रावत को सड़क का गुंडा कहा, सेनाओं की शहादत के सबूत मांगे, विदेश में राहुल गांधी ने देश की गरिमा गिराई। बावजूद इसके कांग्रेस पार्टी किस अधिकार की बात करती है?

एलओपी को न बोलने देने का बना इतिहास

राहुल ने कहा कि मैं जब भी लोकसभा में बोलने के लिए खड़ा होता हूं। मुझे सत्ता पक्ष से हमेशा टोका-टोकी के साथ रोका जाता है। अब यह भी इसी सदन का इतिहास है कि यहां एलओपी को अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले संसद के बजट सत्र की शुरुआत के साथ राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान मैंने कई जरूरी मुद्दे उठाए थे। जिनमें पूर्व सेनाप्रमुख जनरल नरावणे की पुस्तक में चीन की आक्रामकता को लेकर जताई गई चिंता, एपस्टीन फाइल्स, अडानी का मुद्दा मुख्य हैं। लेकिन मुझे बोलने से लगातार रोका जाता है।

वेणुगोपाल-दुबे में भी हुई कहासुनी

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी चर्चा में भाग लेते हुए कहा, संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष 'प्रधानमंत्री के प्रतिबिंब (शेडो प्राइम मिनिस्टर) समान होते हैं। लेकिन सदन में एलओपी के बोलते वक्त माइन ऑफ कर दिया जाता है। जबकि सत्ता पक्ष से निशिकांत दुबे के कभी भी खड़े होने अपने आप माइक ऑन हो जाता है। निशिकांत ने इसका विरोध करते हुए कहा कि विपक्षी सांसद की इस बात में फर्क सिर्फ इतना है कि मुझे मेरी पार्टी की तरफ से दिए गए सम्मान के तहत सदन में बोलने का अवसर दिया जाता है। जबकि दूसरी ओर केसी वेणुगोपाल को उनकी पार्टी मेरे जैसा सम्मान नहीं देती है।

सभी संस्थाओं का बीजेपीकरण हो रहा

सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि 2014 के बाद से देश की तमाम बड़ी संस्थाओं का बीजेपीकरण, संघीकरण किया गया है। मौजूदा सरकार अध्यक्ष के आसन के पीछे छिपकर सदन में विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने राहुल का समर्थन करते हुए कहा कि वो इस देश के नेता प्रतिपक्ष ही नहीं हैं। बल्कि इंडिया गठबंधन के 42 फीसदी मतदाताओं की मजबूत आवाज भी हैं।

प्रोपेगैंडा नेता सदन के सारे नियम तोड़ रहेः अनुराग

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग इस सदन में 'माइनस ट्रिपल सी' के साथ प्रवेश करते हैं। कोई सिविक सेंस (नागरिक समझ) नहीं, कोई कॉमन सेंस (सामान्य समझ) नहीं, और कोई संवैधानिक समझ नहीं। जब हम लोकसभा के सदस्य बने थे, तो हमें बताया गया था कि सदन के अंदर कैसा व्यवहार करना चाहिए। लेकिन एक व्यक्ति इन सभी नियमों को तोड़ता है, और वह है प्रोपेगैंडा (दुष्प्रचार) का नेता। यह 'फोमो गांधी' हैं। उन्हें सुर्खियों में न रहने का डर सताता है। अनुराग ठाकुर का कहना है कि स्पीकर ओम बिरला ने सभी को बोलने का मौका दिया है, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

यह गांधी परिवार का वंशवादी विशेषाधिकार बना

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, मैं इस सदन के संरक्षक (स्पीकर) का समर्थन करना अपना राजनीतिक, संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य मानता हूं। इस तरह के प्रस्ताव का मुख्य कारण कांग्रेस और विशेष रूप से गांधी परिवार की सभी के साथ समान व्यवहार को स्वीकार करने में अक्षमता है। जो लोग वंशवादी विशेषाधिकारों के आदी हैं, उन्हें समानता अन्याय लगेगी। कांग्रेस पार्टी को लगता है कि गांधी परिवार कोई गलती कर ही नहीं सकता।

जयराम ने 1954 के दस्तावेज साझा किए

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रिजिजू के इन दावों पर तुरंत पलटवार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर 1954 की बहस के कुछ दस्तावेज साझा किए। रमेश ने बताया कि 18 दिसंबर 1954 को प्रधानमंत्री नेहरू खुद पूरी बहस के दौरान सदन में बैठे थे और उन्होंने चर्चा में हिस्सा भी लिया था। नेहरू ने खुद डिप्टी स्पीकर से अनुरोध किया था कि चर्चा का ज्यादातर समय विपक्ष को मिलना चाहिए। नेहरू का कहना था कि सरकारी पक्ष को ज्यादा समय नहीं लेना चाहिए ताकि विपक्षी सदस्य अपनी बात विस्तार से रख सकें।जयराम ने एक और बड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 1954, 1966 और 1987 में जब भी स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव आया, तब सदन में डिप्टी स्पीकर मौजूद थे। लेकिन 2019 के बीच से लोकसभा में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है। रमेश ने इसे संविधान का स्पष्ट उल्लंघन बताया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 1954 में कांग्रेस के पास 489 में से 364 सांसद थे, फिर भी नेहरू ने विपक्ष की आवाज को महत्व दिया था।

रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा होनी चाहिएः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है।

एलपीजी के हालात देखिएः प्रियंका : कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता कितना बर्दाश्त करेगी। हर चीज के दाम बढ़ गए हैं, बेरोजगारी बढ़ रही है और अब देखिए कि सरकार की नीतियों की वजह से एलपीजीसे उन्हें कितना नुकसान हो रहा है। बेहतर होता कि इस पर पार्लियामेंट में चर्चा होती, कम से कम हम लोगों के मुद्दे तो उठा पाते।

खबर संक्षेप

जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें

जल को केवल उपयोग की वस्तु के रूप में नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर के रूप में देखना चाहिए। भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

मंडी में चलती बस के पीछे लटका मासूम

मंडी। जिला मंडी के जोगिंद्रनगर उपमंडल से वीडियो सामने आया है। स्कूल पहुंचने की जिद में बच्चा एचआरटीसी के जोगिंद्रनगर डिपो की चलती बस के पीछे लगी सीढ़ी पर लटक कर सफर करता हुआ दिखाई दे रहा है। बुधवार को वायरल हुए इस वीडियो ने लोगों की सांसें रोक दी हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब दिल्ली के नए उपराज्यपाल बने संधू

नई दिल्ली। पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के तौर पर शपथ ली। यह समारोह लोक निवास में आयोजित किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सीएमरेखा गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विनय कुमार सक्सेना को अब लद्दाख के उपराज्यपाल होंगे।

पीएम मोदी ने केरलम में 10 हजार 800 करोड़ के प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन और शिलान्यास

भारत आज मैन्युफैक्चरिंग का बहुत बड़ा हब बनता जा रहा, इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश की हो रही प्रशंसा

एजेंसी ⏭ एर्नाकुलम

पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल दौरे पर पर10 हजार 800 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने केरल को केरलम कहकर पुकारा। केरल के एर्नाकुलम में विकास परियोजनाओं के शुभारंभ के दौरान बुधवार को प्रधानमंत्री ने कहा आज दुनिया आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर हो रहे निवेश के लिए भारत की भूरि-भूरि प्रशंसा करती है। बजट में भी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिकॉर्ड फंड रखा गया है। इस निवेश का बहुत अधिक फायदा केरलम को मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत शोरनूर जंक्शन, कुट्टि-पुरम और चंगनासेरी रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया गया है। शोरनूर-नीलांबुर रेल लाइन के एक बड़े सेक्शन का विद्युतीकरण भी पूरा किया गया है। पालक्कड़–पोल्लाच्ची ट्रेन सेवा की शुरुआत भी हुई है। इससे केरलम और तमिलनाडु, दोनों राज्यों के लोगों को और अधिक सुविधा होगी। आज कोच्चि रिफाइनरी में पॉली-प्रोपाइलीन यूनिट के शिलान्यास के पीछे भी यही लक्ष्य है।

रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने से लाखों नागरिकों को मिल रहा लाभ

पालक्कड़–पोल्लाच्ची ट्रेन सेवा की शुरुआत

एआई और सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी देश आगे बढ़ा

उन्होंने कहा कि भारत आज मैन्युफैक्चरिंग का बहुत बड़ा हब बनता जा रहा है। एआई और सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी देश तेजी से प्रगति कर रहा है। ऐसे हर काम के लिए, ज्यादा एनर्जी चाहिए, ज्यादा से ज्यादा ग्रीन और क्लीन एनर्जी की आवश्यकता है। और भारत सोलर पावर के मामले में दुनिया के टॉप के देशों में से एक बन चुका है। हमारा प्रयास है कि केरलम भी सोलर पावर जनरेशन में और आगे बढ़े। इसी मकसद से आज वेस्ट कल्लाडा, उसमें 50 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई है। केरलम में तो बहुत बड़ी संख्या में वॉटर बॉडीज हैं। यहां फ्लोटिंग सोलर पावर क्षेत्र में बहुत पोटेंशियल भी है।

सिक्स लेन की सड़क बनने से कनेक्टिवटी बेहतर होगी

पीएम मोदी ने कहा कि केरलम के कई महत्वपूर्ण रोड प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत हुई है। सिक्स लेन की सड़क बनने से अलीक्कल पोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। सिक्स लेन के कोझिकोड बाइपास से जाम की समस्या कम होगी और इससे ट्रैवल टाइम भी बहुत बच सकेगा। इन सारे प्रोजेक्ट्स से केरलम के किसानों को लाभ होगा, यहां टूरिज्म और दूसरी इंडस्ट्री को बल मिलेगा। ये जितने भी प्रोजेक्ट्स हैं, इनसे केरलम के हजारों नौजवानों को नए रोजगार मिलने वाले हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि ये सभी प्रोजेक्ट विकसित केरलम के हमारे संकल्प को सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मछुआरों के लिए 1400 करोड़ का प्रावधान किया

पीएम मोदी ने कहा कि हमें मत्स्य पालन में नई संभावनाओं को साकार करने और मछुआरों के जीवन स्तर में सुधार करने की आवश्यकता है। एनडीए सरकार उनकी प्रगति और क्षमताओं को असीमित स्तर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा-एनडीए सरकार ने ही मत्स्य पालन के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया है। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत केरल के लिए लगभग 1400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। समुद्र में जाने वाले मछुआरों की सुरक्षा भी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। पहले हमारे मछुआरे भाई-बहन खुले समुद्र में जाते थे, तो उनके घरवाले उनके वापस आने तक चिंता और डर में डूबे रहते थे, क्योंकि समुद्र में मौसम को लेकर हमेशा आशंकाएं बनी रहती थीं। लेकिन अब ऐसा नहीं है। हमने सैटेलाइट के जरिए समुद्र में जाने वाले मछुआरे भाई-बहनों की सुरक्षा को और मजबूत किया है। तकनीक भी मछुआरा समुदाय की एक ताकत है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है।

तमिलनाडु में 5,650 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया

5 नई ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई राज्य को भविष्य के लिए खास बताया

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे के बाद तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने 5 नई ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जनसभा में कहा कि आज का कार्यक्रम तमिलनाडु के भविष्य के लिए खास है। आज शुरु किए गए प्रजोक्ट्स लोगों को काफी फायदा पहुंचाएंगे। तमिलनाडु में एक ऐसा शहर है जहां दो रेलवे स्टेशन एक-दूसरे से मुश्किल से छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, फिर भी अब तक, उनमें से कोई भी अपने लोगों को झारखंड के खनिज-समृद्ध क्षेत्र के लिए सीधी ट्रेन सेवा प्रदान नहीं कर सका था। वह शहर कोयंबटूर है। लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है, जब प्रधानमंत्री मोदी तिरुचिरापल्ली से 'पोदानूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाई। दक्षिण के करघा-नगरों से लेकर पूरब के कोयला-खदानों से घिरे पठारों तक, भारतीय रेल ने उस मांग को पूरा किया है जिसे यह क्षेत्र दशकों से संजोए हुए था। पोदानूर जंक्शन कोयंबटूर का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे केंद्र है और शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है, यह इस नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस' का शुरुआती स्टेशन है। इसके कुछ ही मिनटों बाद कोयंबटूर जंक्शन आता है, जो इसका पहला कमर्शियल हॉल्ट (ठहराव) है। ये दोनों स्टेशन मिलकर कोयंबटूर के लाखों लोगों को ऐसी रेलगाड़ी तक पहुंचने के दो रास्ते उपलब्ध कराते हैं, जो सीधे धनबाद तक जाती है।

यह पूर्वी भारत को 'एनर्जी बेल्ट' से जोड़ेगी

पहले इस यात्रा में चेन्नई या विजयवाड़ा के लिए ट्रेन पकड़ना, वहां घंटों इंतजार करना, और फिर दूसरी ट्रेन पकड़ना; जिससे पहले से ही लंबे इस सफ़र में एक पूरा दिन और जुड़ जाता था। नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस' ने इस पूरे समीकरण को ही बदल दिया है। यह साप्ताहिक सेवा है। यह हर शनिवार सुबह पोदानूर से रवाना होगी और सोमवार तड़के धनबाद पहुंच जाएगी, जबकि वापसी की सेवा हर सोमवार को धनबाद से चलेगी। यह दक्षिण भारत के औद्योगिक केंद्र को पूर्वी भारत की 'एनर्जी बेल्ट' से जोड़ता है।

पहले होता था 2,000 किमी का सफ़र

एक विशेष तरह की थकान को सिर्फ़ वही लोग जानते हैं जिन्हें घर जाने के लिए 2,000 किलोमीटर का सफ़र तय करना पड़ता है। तिरुप्पुर का वह कपड़ा मज़दूर जिसका परिवार धनबाद के बाहर किसी गांव में रहता है। कोयंबटूर का वह मशीन चलाने वाला, जिसके बच्चे झारखंड में उसके बिना ही बड़े हो रहे हैं। वह जवान लड़की जिसने बोकारो छोड़कर कोयंबटूर की कताई मिलों की छांव में कपड़े सिलने का काम शुरू किया। उनके लिए, घर का सफ़र सिर्फ़ एक परेशानी नहीं थी, बल्कि एक हिसाब-किताब भी था। क्या मैं इसके लिए समय निकाल सकता हूँ? क्या मैं ट्रेन बदलने की झंझट, भीड़-भाड़ वाले प्लेटफ़ॉर्म और अनिश्चितता को झेल सकता हूं?

सांसद बोली, केवल आर्थिक प्रतिफल के आधार पर इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डालना उचित नहीं है

सांसद सैलजा ने लोकसभा में उठाई हिसार-फतेहाबाद-सिरसा रेल लाइन की मांग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने बुधवार को लोकसभा में हिसार-फतेहाबाद-सिरसा नई रेलवे लाइन परियोजना का मुद्दा उठाते हुए केंद्र से इस परियोजना का पुनर्मूल्यांकन कर इसे स्वीकृति देने की मांग की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि हिसार और सिरसा पहले से ही भट्टू कलां के माध्यम से भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। हिसार से फतेहाबाद और अग्रोहा के रास्ते सिरसा तक लगभग 93 किमी लंबी प्रस्तावित रेल लाइन का सर्वेक्षण किया गया था, लेकिन कम यातायात अनुमान के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी रेलवे परियोजना की स्वीकृति कई मानकों पर आधारित होती है, जिनमें संभावित यातायात, परियोजना की लाभप्रदता, क्षेत्रीय संपर्क, भीड़भाड़ वाली लाइनों को राहत, जनप्रतिनिधियों की मांग, सामाजिक-आर्थिक लाभ तथा उपलब्ध बजट जैसे कारक शामिल होते हैं। सैलजा ने कहा कि हिसार-फतेहाबाद-सिरसा रेल लाइन लंबे समय से क्षेत्र की जनता की अहम मांग रही है और केवल आर्थिक प्रतिफल के आधार पर इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डालना उचित नहीं है। इस रेल लाइन के बनने से क्षेत्र में उद्योग, व्यापार, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा होंगी। कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि अग्रोहा का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व अत्यंत बड़ा है, जिसे सरकार नजरअंदाज कर रही है। अग्रोहा अग्रवाल समाज का प्रमुख तीर्थ स्थल बनकर पूरे देश में विकसित हो रहा है और यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी को सभी किताबों की समीक्षा का निर्देश दिया

सरकार विशेषज्ञ समिति बनाए तो बेहतर, पाठ्यक्रम का रिव्यू जरूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने एनसीईआरटी को सभी कक्षाओं की किताबों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि एनसीईआरटी से ऐसा करने के लिए कहने के बजाए अगर केंद्र पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए एक विशेषज्ञ कमेटी बनाता तो अच्छा होता। कोर्ट एनसीईआरटी की क्लास आठ की सोशल साइंस की किताब से जुड़े एक सुओ मोटो केस की सुनवाई कर रहा था, जिसमें ज्यूडिशियरी में को लेकर आपत्तिजनक कंटेंट प्रकाशित किया गया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार ने एनसीईआरटी से सिर्फ कक्षा आठ की नहीं, बल्कि सभी क्लास की टेक्स्टबुक्स का समीक्षा करने को कहा है। कोर्स की जांच के लिए डोमेन विशेषज्ञ का एक पैनल बनाया जाएगा।

एसजी मेहता बोले- सभी किताबों की समीक्षा की जाएगी

अब पहले विशेषज्ञों की मंजूरी लेंगेः एसजी

मेहता ने कोर्ट को बताया कि एनसीईआरटी में व्यवस्था को सुधारने के लिए बड़े बदलाव शुरू हो गए हैं। अब विशेषज्ञों की मंजूरी के बिना कोई भी नई सामग्री प्रकाशित नहीं की जाएगी। एनसीईआरटी के डायरेक्टर ने कोर्ट में हलफनामा देकर बिना शर्त माफी भी मांग ली है।

कोर्ट ने वितरण पर लगाई थी पूरी तरह रोक

26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस किताब की छपाई और इंटरनेट पर इसके वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि किताब में लिखी बातें न्यायपालिका पर गोली चलाने जैसी हैं और इससे संस्थान को गहरा जख्म मिला है। कोर्ट ने इसे न्यायपालिका की गरिमा गिराने की एक गहरी साजिश और सोची-समझी चाल करार दिया। कोर्ट ने कहा कि बाजार में मौजूद इस किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त किया जाए और उन्हें सार्वजनिक पहुंच से पूरी तरह हटाया जाए।

परिषद ने 9वीं की नई अंग्रेजी की किताब में सिलेबस कम किया

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा कक्षा 9 के लिए जारी नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक में कई भारतीय लेखकों की रचनाएं शामिल की गई हैं। इनमें तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती, लेखिका और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, नागा लेखिका टेमसुला आओ, प्रसिद्ध कवि रवींद्रनाथ टैगोर और असमिया उपन्यासकार मित्रा फुकन जैसे लेखकों की रचनाएँ शामिल हैं। पहलै किताबों में कुल 29 रचनाओं में से 15 रचनाएं विदेशी लेखकों की थीं।

कामगारों, ऊर्जा क्षेत्र एवं साउथ टेक्सास के लोगों के लिए बड़ी जीत

रिलायंस टेक्सास में खोलेगी 300 अरब डॉलर की तेल रिफाइनरी

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन

ट्रंप बोले : नई रिफाइनरी अमेरिकी बाजारों को ऊर्जा उपलब्ध कराएगी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक्सास में स्थापित की जा रही एक नई तेल रिफाइनरी में निवेश करेगी। उन्होंने इस समझौते के लिए कंपनी और 'भारत में हमारे साझेदारों' का आभार व्यक्त किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर एक संदेश में इसे 300 अरब अमेरिकी डॉलर का ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि यह परियोजना उनके प्रशासन के 'अमेरिका फर्स्ट एजेंडा' के कारण संभव हो रही है। उन्होंने कहा कि यह समझौता 'अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा समझौता है और अमेरिकी कामगारों, ऊर्जा क्षेत्र एवं 'साउथ टेक्सास' के लोगों के लिए बड़ी जीत है।' रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से हालांकि अभी तक इस समझौते को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

ट्रंप ने कहा, ' भारत में हमारे साझेदारों और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी रिलायंस को इस बड़े निवेश के लिए धन्यवाद।' उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविल बंदरगाह पर बनने वाली नई रिफाइनरी अमेरिकी बाजारों को ऊर्जा उपलब्ध कराएगी, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी, अमेरिकी ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएगी एवं हजारों रोजगार उत्पन्न करेगी। अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उसे फरवरी में एक 'वैश्विक प्रमुख ऊर्जा कंपनी' से नौ अंकों की राशि का निवेश प्राप्त हुआ है, जिसका मूल्यांकन 10 अंकों में किया गया है।

20 वर्ष के लिए आपूर्ति समझौते का प्रारुप तैयार

'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' ने यह भी कहा कि उसने उसी वैश्विक ऊर्जा कंपनी के साथ 20 वर्ष के लिए बाध्यकारी आपूर्ति समझौते का प्रारुप भी तैयार किया है, जिसके तहत अमेरिका में उत्पादित ऊर्जा, जो पूरी तरह 'अमेरिकी शेल' तेल से प्राप्त होगी की खरीद, प्रसंस्करण और वितरण के लिए प्रतिबद्धता सुनिश्चित की गई है। विज्ञप्ति में रिलायंस इंडस्ट्रीज का नाम नहीं दिया गया है और न ही परियोजना में किए जाने वाले निवेश की राशि का उल्लेख किया गया है।

शेयर मार्केट में जोरदार गिरावट सेंसेक्स 1,342 अंक फिसला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,342 अंक का गोता लगा गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजार में एक दिन की बढ़त के बाद गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी। बीएसई में सूचीबद्ध 2,380 शेयरों में गिरावट आई जबकि 1,881 शेयर लाभ में रहे। वहीं 153 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ।

बाजार में सतर्क रुख अपनाए जाने संभावना

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आने वाले समय में, बाजार में सतर्क रुख अपनाये जाने संभावना है क्योंकि निवेशकों को नए निवेश से पहले अमेरिकी और घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों और वृहद आर्थिक मोर्चे पर स्पष्ट संकेतों की प्रतीक्षा है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.76 प्रतिशत बढ़कर 92.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

पश्चिम एशिया के लिए एयर इंडिया की बड़ी पहल, 58 उड़ानें होंगी संचालित

मुंबई (एजेंसी)। विमानन कंपनी एयर इंडिया और उसकी कम लागत वाली अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस बुधवार को पश्चिम एशिया के लिए कुल 58 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालन करेंगी। क्षेत्र में अमेरिका, इजराइल और ईरान से जुड़े बढ़ते संघर्ष के बीच विमानन कंपनियां सेवाओं का संचालन सावधानीपूर्वक कर रही हैं, क्योंकि कई क्षेत्रों के हवाई मार्ग प्रतिबंधित हैं और कुछ मार्ग बंद भी किए गए हैं। एयर इंडिया ने कहा कि दोनों कंपनियां 11 मार्च को जेद्दा और मस्कट से आने-जाने वाली अपनी-अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखेंगी। बयान के अनुसार, एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली आठ उड़ानों का संचालन करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट से आने-जाने वाली 14 निर्धारित उड़ानों का संचालन करेगी। एयर इंडिया बुधवार को दिल्ली और मुंबई से जेद्दा के लिए एक-एक आने-जाने वाली उड़ान संचालित करेगी। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस हैदराबाद और कोझिकोड से जेद्दा के लिए एक-एक आने-जाने वाली उड़ान चलाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस, मस्कट के लिए अपनी निर्धारित सेवाएं भी संचालित करेगी। इनमें दिल्ली, मुंबई, कन्नूर, तिरुवनंतपुरम और तिरुचिरापल्ली से एक-एक आने-जाने वाली उड़ान तथा कोच्चि से दो आने-जाने वाली उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, निर्धारित सेवाओं के अलावा एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त रूप से संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने के लिए कुल 36 अतिरिक्त गैर-निर्धारित उड़ानों का भी संचालन करेंगी।

रैली एवं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का किया प्रयास

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माइलस्टोन संगठन ने विश्व युवक केंद्र के सहयोग से 8 मार्च 2026 को नई दिल्ली के गोले मार्केट क्षेत्र में एक सामुदायिक चित्रकला प्रतियोगिता और जन-जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। चित्रकला प्रतियोगिता में 120 से अधिक बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने जीवन की प्रेरणादायी महिलाओं को समर्पित रचनात्मक चित्रों के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। प्रतियोगिता के बाद प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने गोले मार्केट क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली। इस रैली का उद्देश्य समाज में लैंगिक समानता, महिलाओं की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना था।

■ दुनिया भर के 55 प्रतिशत से अधिक केंद्रों का गढ़

जीसीसी का निर्विवाद वैश्विक केंद्र बनकर उभरा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का निर्विवाद वैश्विक केंद्र बनकर उभरा है और दुनिया भर के ऐसे 55 प्रतिशत से अधिक केंद्र यहां स्थित हैं। हालांकि इन नवाचार केंद्रों को केंद्रीय, राज्य एवं स्थानीय स्तर पर 500 से अधिक अलग-अलग कानूनी दायित्वों और हर वर्ष 2,000 से अधिक अनिवार्य अनुपालन (फाइलिंग) वाली जटिल नियामकीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। भारत की प्रमुख नियामक प्रौद्योगिकी 'टीमलीज रेगटेक' ने अध्ययन 'भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रः क्षमता का विकास, अनुपालन सुनिश्चित करना' में कहा कि तेज विस्तार और 64.6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निर्यात राजस्व में योगदान के बावजूद ये जीसीसी किसी भी उद्यम व्यवस्था में लागू सबसे व्यापक अनुपालन ढांचों में से एक के अंतर्गत काम करते हैं। अध्ययन में कहा गया, ' एक सामान्य वैश्विक क्षमता केंद्र की स्थापना के लिए आवश्यक अनुपालन को सात श्रेणियों में बांटा जा सकता है। प्रत्येक श्रेणी में कई कानून, नियम एवं विनियम शामिल होते हैं, जिनकी लागू होने की सीमा, केंद्र के आकार, प्रकृति एवं संचालन पर निर्भर करती है।'

ईरान संकट से बढ़ सकती है भारतीय तेल-गैस कंपनियों की नकदी चिंता: फिच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने कहा है कि ईरान से जुड़ा तनाव लंबे समय तक बना रहता है और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आवागमन बाधित रहता है या कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत की सरकारी तेल विपणन कंपनियों और गैस कंपनी गेल इंडिया के नकदी प्रवाह पर दबाव बढ़ सकता है। रेटिंग एजेंसी फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि अल्पावधि में इन कंपनियों के वित्तीय संकेतक कमजोर हो सकते हैं, लेकिन सरकारी समर्थन के कारण उनकी रेटिंग पर तत्काल कोई खतरा नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिच ने जिन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की रेटिंग की है, उनमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के पास सबसे मजबूत बहीखाता है और वह लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने या कच्चे तेल की लागत बढ़ने की स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकती है। फिच के मुताबिक, इसके बाद इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का स्थान आता है।

एलएनजी का 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आयातित रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार संभवतः महंगाई नियंत्रण और राजकोषीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए ओएमसी कंपनियों की वित्तीय स्थिति को संभालने की कोशिश करेगी। ऐसा पहले भी कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के समय किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपनी प्राकृतिक गैस की लगभग आधी जरूरत आयात से पूरी करता है और आयातित एलएनजी का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आता है।

रेलवे पुलिस ने की शातिर अभियुक्त की गिरफ्तारी

नई दिल्ली। गत 06.03.2026 को दिल्ली शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 पर लगी बेंच पर बैठे यात्री का मोबाइल फोन छीनकर भागने के संबंध में जी.आर.पी. द्वारा दिनांक 07.03.2026 को दर्ज की गई एफ.आई.आर. में आर.पी.एफ., उत्तर रेलवे हेडक्वार्टर तथा दिल्ली मंडल एवं जी.आर.पी. दिल्ली की संयुक्त टीम द्वारा एक शातिर अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई। स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर गाजियाबाद साइड लगी बेंच पर बैठे यात्री का मोबाइल फोन अज्ञात व्यक्ति द्वारा छीनने पर उक्त यात्री द्वारा उसका पीछा करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गई।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील मिचौलीहप्पी, जिला इन्दौर
प्रशासनिक सकुल कक्ष क्रमांक–जी–8

क्रमांक/2230/रीडर/2025–26
इन्दौर, दिनांक : 09/03/2026
प्रकरण कमांकः–0428/अ–6/2025–26

–: उदघोषणा ::–

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/आवेदक अदित गुप्ता पिता श्री सुधीर कुमार गुप्ता निवासी–ए–16, ग्रीन पार्क, न्यु दिल्ली 110016 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर मृतक खातेदार श्रीमती शकुंतला देवी पति स्वः श्री लाला इन्द्रनारायण के स्थान पर पंजीकृत वसीयत पत्र क्रमांक 718 दिनांक 25.07.2023 के आधार पर ग्राम–मोरोदनेहरू तहसील मिचौलीहप्पी, जिला इन्दौर स्थित सर्वे नंबर 359/5/1/1/2 पैकि रकबा 0.033 हे. भूमि पर राजस्व रिकार्ड पर वसीयत के आधार मृतक नामातरण किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत की हैं।

अतः उक्त के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो वह दिनांक 23.03.26 तक अपनी आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपरांत प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 09.03.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
तहसील मिचौलीहप्पी, इन्दौर

ऊपर वाले से मिला वरदान
मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
गुरू कबीर जी रजि.
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसेः- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पाँच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

रुपया 16 पैसे टूटा, 92.01 प्रति डॉलर पर पहुंचा (मुंबई): अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 (अस्थायी) पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टेलीग्राम पर 20 सक्रिय समूहों की हुई पहचान, हर ग्रुप में 100 से अधिक सदस्य

नई तकनीक से यूपीआई सुरक्षा पर खतरा, सक्रिय हुए 'डिजिटल लुटेरे'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑनलाइन ठग नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अनुप्रयोगों की सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर वित्तीय लेनदेन को अंजाम दे रहे हैं। साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने संदेश भेजने से जुड़े मंच टेलीग्राम पर कम से कम 20 सक्रिय समूहों की पहचान की है। प्रत्येक समूह में 100 से अधिक सदस्य हैं, जहां 'डिजिटल लुटेरा' नामक टूलकिट पर चर्चा की जा रही है, उसे साझा किया जा रहा है और उसका उपयोग भी किया जा रहा है। क्लाउडसेक के

अनुसंधानकर्ता (खतरा) शोभित मिश्रा ने कहा, ' यह केवल यूपीआई से जुड़ा एक और हानिकारक सॉफ्टवेयर नहीं है। डिजिटल लुटेरा उपकरण प्रणाली पर भरोसे की संरचना पर हमला करता है। जब संचालन तंत्र ही प्रभावित हो जाता है तो 'सिम-बाइंडिंग' और हस्ताक्षर जांच जैसी पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भरोसेमंद नहीं रहतीं।

दो दिन में 25 से 30 लाख रुपए का लेनदेन

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी सुरक्षा प्रौद्योगिकी है, जो व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप को केवल उसी रजिस्टर्ड सिम कार्ड से चलाने की अनुमति देती है, जो फोन में लगा हो। क्लाउडसेक ने बताया कि उसने ऐसे ही एक समूह के विश्लेषण में पाया कि केवल दो दिन में करीब 25 से 30 लाख रुपए के लेनदेन किए गए। इससे पता चलता है कि धोखाधड़ी का यह तरीका कितनी तेजी से फैल रहा है और कितने लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस संबंध में 'नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

संदेशों का हेरफेर करते हैं ठग

'सिम-बाइंडिंग' को इस बात का प्रमाण माना जाता रहा है कि कोई बैंक खाता किसी विशेष उपकरण से सुरक्षित रूप से जुड़ा हुआ है। यूपीआई अनुप्रयोग लेनदेन से पहले उस फोन नंबर के सिम का सत्यापन करते हैं, जिसके साथ खाता मोबाइल फोन में पंजीकृत होता है। क्लाउडसेक ने बताया कि यह हमला आमतौर पर तब शुरू होता है जब उपयोगकर्ता अनजाने में एक हानिकारक एपीके फोन में डाल लेते हैं, जो किसी सामान्य सूचना (जैसे यातायात चालान या शादी के निमंत्रण) के रूप में दिखाई देती है। एक बार इसके फोन में आ जाने पर यह हानिकारक सॉफ्टवेयर पीड़ित के फोन में संदेश पढ़ने की अनुमति प्राप्त कर लेता है।'

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आजाद, पुत्रः** इस्लाम, **निवासीः** म. नं. बी–129, गली नं. 05, कमल विहार, करावल नगर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 643/2019 U/s 379/411 IPC, थानाः करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आजाद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आजाद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 643/2019 U/s 379/411 IPC, थानाः करावल नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आजाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 64, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3109/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी रोहित सिंह बिष्ट पुत्र** अनिल सिंह बिष्ट **पताः** ए–26, गली नंबर 2 कौशिक एन्क्लेव, हॉस्पिटल ग्राउंड के पास, बुराड़ी, दिल्ली **Case FIR No. 147/2025, U/S: 112(2) भारतीय न्याय संहिता–2023, Date: 10.12.2025, पुलिस थानाः साइबर साउथ वेस्ट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित सिंह बिष्ट** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित सिंह बिष्ट** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **रोहित सिंह बिष्ट Case FIR No. 147/2025, U/S: 112(2) भारतीय न्याय संहिता–2023, Date: 10.12.2025, पुलिस थानाः साइबर साउथ वेस्ट, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मृदुल गुप्ता
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
26, भू–तल, एनेक्स बिल्डिंग
पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली

DP/3124/SW/2026
(Court Matter)

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

एआई से इतिहास का सबसे बड़ा अवसंरचना निर्माण शुरू : हुआंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) मानव इतिहास में ' सबसे बड़े अवसंरचना निर्माण ' को गति दे रही है, जिसके लिए खरबों डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी और कुशल श्रमिकों की भारी मांग उत्पन्न होगी। हुआंग ने हाल ही में प्रकाशित एक ब्लॉग लेख में कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) अब केवल एक साधारण अनुप्रयोग या एकल मॉडल तक सीमित नहीं रही है, बल्कि इसे बिजली एवं इंटरनेट की तरह एक आवश्यक अवसंरचना के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने लिखा, ' हमने अभी इस निर्माण की शुरुआत ही की है। अब तक इसमें कुछ सौ अरब डॉलर का निवेश हुआ है, जबकि अब भी खरबों डॉलर की अवसंरचना तैयार की जानी बाकी है। दुनिया भर में अभूतपूर्व स्तर पर चिप कारखाने, कंप्यूटर 'असेंबल' संयंत्र और कृत्रिम मेधा (एआई) कारखाने बनाए जा रहे हैं। यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा अवसंरचना निर्माण बनता जा रहा है।

पीएम-कुसुम योजना किसानों को बना रही 'ऊर्जादाता'

जोधपुर/चंडीगढ़। पीआईबी चंडीगढ़ के पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने विधायक ओसियां भैराराम चौधरी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विभिन्न समसामयिक विषयों, क्षेत्र के विकास कार्यों तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक भैराराम चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रमुख पहल कर रहा है। पीएम-कुसुम योजना किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ 'ऊर्जादाता' के रूप में सशक्त बना रही है। चौधरी ने जलवायु लक्ष्यों और ऊर्जा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता तथा देश भर में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकार के केंद्रित प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राज्य के लिए पीएम-कुसुम योजना और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रदेश के समग्र विकास के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने से किसानों की आय में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को ऊर्जा और जल सुरक्षा प्रदान करना, उनकी आय बढ़ाना, कृषि क्षेत्र को डीजल मुक्त करना और पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है। चौधरी ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही हैं। विभिन्न योजनाओं और विकास परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने, बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा प्रदेश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से "विकसित भारत" के संकल्प को साकार किया जा सकेगा। इस दौरान पत्रकारों ने क्षेत्रीय विकास, जनहित से जुड़े मुद्दों और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

शब्द पहेली - 6162

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	15	16	■	17	18	
	■		■	19			20	■		■
21	22		23		■	24		25		26
■		■	27		28		■		■	
29		30	■	31		■	32			
	■	33	34	■	35				■	
36	37	■	38			■		■	39	
40				■	41					

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना–6
5.अलमस्त, उत्साही–4
8. हरे रंग का–2
9.चाह,इच्छा–3
10.अधिकार,आरोप–2
11.निर्दय, हिंसक–4
12.आंदोलन–2
14.सज्जन,सभ्य–4
15.स्मृति,अविस्मरण–2
17.रूखा, रसहीन–3
19.गुप्तचर–4
21.संकट मोचक,नाविक–5
24.चुगली करना–5
27.नेता पथ प्रदर्शक–4
29.प्रेम,चाहत–3
31.एक ग्रह–2
32.अनर्गल प्रलाप–4
33.नौकर,सेवक–2
35.उद्विग्न,आतुर–4
36.श्रवणेंद्रिय–2
38.दीपक,दिया–3
39.बोलने के लिये कहना–2
40.एक मुस्लिम महीना–4
41.सहायता करना–3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता–6
2.थोड़ा,कम–2
3.कपड़ों के टुकड़े–4
4.असफल–5
5.राजी करना–3
6.वजन,वायदा–2
7.अनाथ,बेवारिस–4
11.वैधव्य–4
13.राजा की पत्नी–2
16.टूटना–4
18.धावक (अंग्रेजी–3)
19.खबरी,खबर देने वाला–4
20.हमारा पड़ोसी देश–2
22.घूमना–3
23.पराजय–2
25.खतरनाक, खौफनाक–4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत–4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म–5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध–4
30.कभी–2
32.जब्त,प्राप्त होना–4
34.मास्टर ब्लास्टर–3
37.भीगा हुआ–2
39.टैक्स,हाथ–2

शब्द पहेली- 6161 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	मि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	रा	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी: हरियाणा की धमाकेदार जीत, विदर्भ को 130 रनों से रौंदा

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। पुडुचेरी के सीएपी ग्राउंड-2 में खेले गए महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी के एलीट मुकाबले में हरियाणा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर विदर्भ को 130 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया। हरियाणा की इस जीत में बल्लेबाजों के ठोस प्रदर्शन के बाद अमनदीप कौर की घातक गेंदबाजी का मुख्य योगदान रहा।

बल्लेबाजों ने खड़ा किया मजबूत स्कोर: टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 255 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से तीन अर्धशतकीय पारियां देखने को मिलीं। कप्तान सोनिया मेंधिया ने 85 गेंदों में 66 रन की कप्तानी पारी खेली। साक्षी लोहिया ने 92 गेंदों में 64 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। दीया यादव ने 48 गेंदों में 58 रन बनाए, जिससे टीम मजबूत स्थिति में पहुंची। अन्य योगदानों में कोमल बिश्नोई ने 23 और तनिष्का शर्मा ने 18 रन जोड़े।

अमनदीप कौर के पंजे में फंसा विदर्भ

56 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम हरियाणा के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 41.1 ओवर में महज 125 रनों पर सिमट गई। हरियाणा की जीत की मुख्य सूत्रधार अमनदीप कौर रहीं। उन्होंने अपने 10 ओवर के कोटे में किफायती और घातक गेंदबाजी करते हुए केवल 17 रन दिए और 5 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके स्पेल में 2 मेडन ओवर भी शामिल थे और उनका इकोनॉमी रेट मात्र 1.7 रहा। अन्य गेंदबाजों में गुलशन अली ने 2 विकेट। राघिनी लाठवाल, सानिया मेंधिया और समायरा सहगल ने 1-1 विकेट लिया। विदर्भ की ओर से रिद्धिमा मराडवार (27), तृप्ति लोधे (26) और वेदांती सालोडकर (17) ने टिकने की कोशिश की, लेकिन किसी भी बड़ी साझेदारी के अभाव में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान ने असम को दस विकेट से दी करारी शिकस्त

रोहतक (लाहली)। चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वूमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप मुकाबले में राजस्थान की टीम ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए असम को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। राजस्थान की धारदार गेंदबाजी के सामने असम की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई और पूरी टीम महज 45 रनों पर सिमट गई।

असम की बल्लेबाजी फ्लॉप, 45 रन पर हुई ढेर: मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम राजस्थान की सधी हुई गेंदबाजी के आगे बेबस नजर आई। पूरी टीम 30.3 ओवरों का सामना करने के बाद केवल 45 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सकी। रेशमी सिन्हा ने सर्वाधिक 8 रन बनाए, जबकि हेमलता पायेंग ने 6 और डाली कार्डोंग ने 5 रनों का योगदान दिया।

गेंदबाजों ने बरपाया कहर

राजस्थान की गेंदबाजों ने मैच की शुरुआत से ही असम पर दबाव बनाए रखा। शानू और मैना सियोल ने घातक गेंदबाजी करते हुए महत्वपूर्ण विकेट झटके, वहीं अर्चना योगी ने भी बेहद किफायती और प्रभावी स्पेल डालकर असम की कमर तोड़ दी।

राजस्थान की आसान जीत

46 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम ने बिना किसी नुकसान के मात्र 13 ओवरों में ही जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज तनिका शर्मा ने नाबाद 23 रन और नंदिनी पालीवाल ने नाबाद 14 रनों की पारी खेलकर टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया की शरण में दो ईरानी महिला फुटबॉलर

वेलिंगटन। ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। देश के गृह मंत्री टोनी बर्क ने यह जानकारी दी। यह टीम ईरान में युद्ध शुरू होने से पहले एक टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया आई थी। बर्क ने कैनबरा में बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने पांच खिलाड़ियों को पहले शरण दी थी और अब दो अन्य खिलाड़ियों को शरण दी गई है। दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से हटे बाबर

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

एचआरटी फोर्ड रेसिंग के साथ बने रहेंगे मैनी

नई दिल्ली। भारतीय ड्राइवर अर्जुन मैनी 2026 के डीटीएम सत्र में भी एचआरटी फोर्ड रेसिंग टीम के साथ बने रहेंगे। टीम ने बुधवार को यह घोषणा की। मैनी एचआरटी फोर्ड रेसिंग के प्रमुख ड्राइवरों में से एक हैं। टीम फोर्ड मस्टैंग जीटी3 ईवीओ के साथ डीटीएम के नए सत्र के लिए तैयार है। फोर्ड रेसिंग के ड्राइवर मैनी के पास डीटीएम का व्यापक अनुभव है और वह टीम के अभिन्न अंग बने हुए हैं।

विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगा ईरान : फीफा

मियामी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति दी जाएगी, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। ईरान की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच अमेरिका में खेलेगी। उसकी टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलेवुड में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

बैडमिंटन : किरण जॉर्ज ने लोह को हराया

बासेल। किरण जॉर्ज ने बुधवार को यहां सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू पर सीधे गेम में जीत दर्ज की जबकि स्विस ओपन में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मिलाजुला दिन रहा। दुनिया में 42वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने अपने शुरुआती दौर के मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त लोह को 23-21, 21-19 से हराया। वह अगले दौर में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ेंगे। गुनावन ने पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत का अभियान समाप्त करते किया। भारतीय खिलाड़ी को 21-15, 12-21, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने भी अपने शुरुआती मैच में जेस्पर टॉफ्ट और अमाली मैगेलुंड की चौथी वरीयता प्राप्त डेनमार्क की जोड़ी के खिलाफ 21-15, 21-14 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की।

ईशान किशन और सैमसन ने लगाई लंबी छलांग, अभिषेक शीर्ष पर बरकरार

आईसीसी टी20 रैंकिंग में टीम इंडिया के बल्लेबाजों का एक बार फिर जलवा

आईसीसी की ओर से टी20 विश्व कप के बाद नई रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें कई सारे उलटफेर और बदलाव हैं। हालांकि भारतीय बल्लेबाज छाए हुए हैं।

एजेंसी ▸▸ दुबई

आईसीसी की ओर से एक बार फिर से रैंकिंग जारी कर दी है। टी20 विश्व कप के बाद ये पहली रैंकिंग है। इस बीच टीम इंडिया के बल्लेबाजों का जलवा फिर से देखने के लिए मिल रहा है। ईशान किशन ने लंबी छलांग लगाते हुए दूसरे नंबर की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है। अब अभिषेक शर्मा की पहले नंबर की कुर्सी पर खतरा खड़ा हो गया है। संजू सैमसन भी अपने शानदार खेल की बदौलत उड़ान भरने में कामयाब रहे हैं। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा को हल्का सा नुकसान हुआ है।

अभिषेक नंबर एक बल्लेबाज

टी20 विश्व कप के बाद आईसीसी ने नई टी20 की रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें अभिषेक शर्मा अभी भी नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। हालांकि उनकी कुर्सी पर खतरा आ गया है, क्योंकि पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच अब ज्यादा गैप नहीं है। अभिषेक शर्मा की रेटिंग 875 की है। इसके बाद दूसरे नंबर पर ईशान किशन हैं। उन्होंने इस बार दो स्थानों की छलांग मारी है। उनकी रेटिंग 871 की हो गई है। यानी पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच केवल चार अंकों का ही फासला है।

संजू ने 18 स्थानों की मारी छलांग

इस बीच संजू सैमसन का भी जिक्र किया जाना जरूरी है। इस बार उन्होंने एक साथ 18 स्थानों की छलांग मारी है और वे सीधे 22 नंबर पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 के आखिरी के तीनों मैचों में संजू ने 80 से अधिक रन बनाए थे। इसका फायदा उन्हें रैंकिंग में भी मिलता हुआ नजर आ रहा है।

बुमराह और अक्षर को फायदा

विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जिन अन्य गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है उनमें आदिल रशीद (एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर), जसप्रीत बुमराह (एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और अक्षर पटेल (छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर) शामिल हैं।

वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हटे

टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हट गए हैं और उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं।

टिम सिफर्ट को जबरदस्त फायदा

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान अब एक स्थान के नुकसान के साथ तीसरे नंबर पर चले गए हैं। उनकी रेटिंग अभी 848 की है। इंग्लैंड के फिल साल्ट को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 792 की रेटिंग के साथ नंबर चार पर हैं। श्रीलंका के पथुम निसंका पहले की ही तरह नंबर पांच पर हैं। न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट को इस बार जबरदस्त फायदा हुआ है। वे चार स्थानों की छलांग लगाकर सीधे नंबर 6 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 749 की हो गई है। भारत के तिलक वर्मा को भी इस बार एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब नंबर 7 पर चले गए हैं। साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस नंबर आठ पर हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दो स्थानों का नुकसान उठाना पड़ा है। वे नौवें नंबर पर खिसक गए हैं।

आईपीएल 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित

पहला मुकाबला बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच 28 मार्च को हैदराबाद में खेला जाएगा

भाषा ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खिलाड़ियों की यात्रा के इंतजामों को लेकर बनी चिंताओं के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित किया जिसमें मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुरूआती मैच में 28 मार्च को बेंगलुरु में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले सभी मैच फिलहाल कर्नाटक सरकार की विशेषज्ञ समिति की मंजूरी पर निर्भर करेंगे। पिछले सत्र में स्टेडियम में हुई भगदड़ को ध्यान में रखते हुए यह समिति 13 मार्च को बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों का आकलन करेगी। बीसीसीआई ने बुधवार को पहले 20 मैच का कार्यक्रम जारी किया है। पूरे टूर्नामेंट का कार्यक्रम तब घोषित किया जाएगा जब तीन राज्यों तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों की तारीख घोषित हो जाएंगी। बीसीसीआई के अधिकारियों के दिमाग में राज्य चुनावों के अलावा पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भी सबसे अहम होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे प्रमुख हवाई अड्डों जैसे दोहा और दुबई में संचालन पर भारी प्रतिबंध लगने से कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप समाप्त होने के एक सप्ताह बाद भी अपने देश नहीं लौट पाए हैं।

शुरूआती 20 मैचों का शेड्यूल

तारीख	दिन	मुकाबला / वेन्यू
28 मार्च 2026	शनिवार, शाम	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु **vs** हैदराबाद- बेंगलुरु
29 मार्च 2026	रविवार, शाम	मुंबई इंडियंस **vs** कोलकाता नाइट राइडर्स- मुंबई
30 मार्च 2026	सोमवार, शाम	राजस्थान रॉयल्स **vs** चेन्नई सुपर किंग्स- गुवाहाटी
31 मार्च 2026	मंगलवार, शाम	पंजाब किंग्स **vs** गुजरात टाइटंस - मुल्लांपुर
1 अप्रैल 2026	बुधवार, शाम	लखनऊ सुपर जायंट्स **vs** दिल्ली कैपिटल्स-लखनऊ
2 अप्रैल 2026	गुरुवार, शाम	कोलकाता नाइट राइडर्स **vs** हैदराबाद- कोलकाता
3 अप्रैल 2026	शुक्रवार, शाम	चेन्नई सुपर किंग्स **vs** पंजाब किंग्स- चेन्नई
4 अप्रैल 2026	शनिवार, दोपहर	दिल्ली कैपिटल्स **vs** मुंबई इंडियंस- दिल्ली
4 अप्रैल 2026	शनिवार, शाम	गुजरात टाइटंस **vs** राजस्थान रॉयल्स-अहमदाबाद
5 अप्रैल 2026	रविवार, दोपहर	सनराइजर्स हैदराबाद **vs** लखनऊ जायंट्स- हैदराबाद
5 अप्रैल 2026	रविवार, शाम	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु **vs** चेन्नई सुपर किंग्स बेंगलुरु
6 अप्रैल 2026	सोमवार, शाम	कोलकाता नाइट राइडर्स **vs** पंजाब किंग्स-कोलकाता
7 अप्रैल 2026	मंगलवार, शाम	राजस्थान रॉयल्स **vs** मुंबई इंडियंस-गुवाहाटी
8 अप्रैल 2026	बुधवार, शाम	दिल्ली कैपिटल्स **vs** गुजरात टाइटंस - दिल्ली
9 अप्रैल 2026	गुरुवार, शाम	कोलकाता नाइट राइडर्स **vs** लखनऊ कोलकाता
10 अप्रैल 2026	शुक्रवार, शाम	राजस्थान रॉयल्स **vs** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुवाहाटी
11 अप्रैल 2026	शनिवार, दोपहर	पंजाब किंग्स **vs** सनराइजर्स हैदराबाद- मुल्लांपुर
11 अप्रैल 2026	शनिवार, शाम	चेन्नई सुपर किंग्स **vs** दिल्ली कैपिटल्स- चेन्नई
12 अप्रैल 2026	रविवार, दोपहर	लखनऊ सुपर जायंट्स **vs** गुजरात टाइटंस- लखनऊ
12 अप्रैल 2026	रविवार, शाम	मुंबई इंडियंस **vs** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- मुंबई

इंडियन वेल्स

भांबरी-गोरानसन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी ▸▸ इंडियन वेल्स

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार गोरान गोरानसन ने सैंडर एरेंड्स और जिरी लेहेका की जोड़ी पर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

भांबरी और गोरानसन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एरेंड्स और लेहेका को 6-4 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 14 मिनट तक चला। मैच में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा और इस बीच उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों की दो बार सर्विस तोड़ी। भारत और स्वीडन की जोड़ी ने मैच में अधिकतर समय दबदबा बनाए रखा।

उन्होंने प्रत्येक सेट में एक-एक ब्रेक प्वाइंट हासिल किया और आसानी से जीत दर्ज की। भांबरी और गोरानसन इस प्रतिष्ठित एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के अंतिम आठ के मुकाबले में ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावासोरी का सामना करेंगे।

क्रिकेट: बांग्लादेश ने पाक को आठ विकेट से हराया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का जीत से आगाज किया है। पाकिस्तान की टीम का इस मुकाबले में बुरा हाल हो गया। बांग्लादेश ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में पाकिस्तान की टीम टॉस हारकर पहले खेलने उतरी और 114 रन पर सिमट गई। जवाब में मेजबान टीम ने 15.1 ओवर यानी 91 गेंदों में ही मुकाबला जीत लिया। बांग्लादेश के लिए गेंदबाजी में जहां नाहिद राणा ने जलवा बिखेरा था। वहीं उसके बाद बल्लेबाजी में तंजिद हसन तमीम ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा और टीम को आसान जीत दिला दी। तमीम ने नाबाद रहते हुए 42 गेंद पर 67 रन की बेहतरीन पारी खेली। पाकिस्तान के लिए मात्र दो विकेट ही गेंदबाज ले पाए। एक विकेट कप्तान शाहीन अफरीदी और एक विकेट मोहम्मद वसीम जूनियर को मिला।

विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप: प्रियांश अंबेकर व साहिल का शानदार प्रदर्शन

बैंकॉक (एजेंसी)। प्रियांश सहरावत, एल अंबेकर और साहिल दुहान ने बुधवार को यहां आसान जीत दर्ज की जिससे भारत की युवा मुक्केबाजी टीम ने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप के चौथे दिन अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। सुबह के सत्र में प्रियांश (70 किग्रा) ने भारत के लिए दिन की सकारात्मक शुरुआत करते हुए लातविया के मुक्केबाज को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। शाम के सत्र में भी भारतीय मुक्केबाजों ने दो और आसान जीत दर्ज की। अंबेकर ने 50 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 से शिकस्त दी जबकि साहिल ने भी 60 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के ही मुक्केबाज को सर्वसम्मत फैसले से हराया। इस बीच अमन सिवाच (65 किग्रा) को यूक्रेन के मुक्केबाज के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा जब रैफरी ने दूसरे राउंड के बीच में ही मुकाबला रुकवा दिया।

नवनीत कौर की हैट्रिक ने भारत ने विश्व कप क्वालीफायर में वेल्स को 4-1 से हराया

हैदराबाद (भाषा)। नवनीत कौर की हैट्रिक से भारत ने बुधवार को यहां महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के पूल बी मैच में वेल्स के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। जीएमसी बालायोगी हॉकी मैदान पर साक्षी राणा (सातवें मिनट) के शुरुआती गोल के बाद नवनीत (29वें, 34वें और 55वें मिनट) ने तीन गोल करके भारत की आसान जीत सुनिश्चित की। हालांकि भारत ने इस मुकाबले से पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी लेकिन इस नतीजे ने यह सुनिश्चित कर दिया कि टीम तालिका में शीर्ष पर रहेगी। भारत अब फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए शुक्रवार को इटली से भिड़ेगा। पहले क्वार्टर में भारत ने तेज शुरुआत की। वेल्स की टीम के जोरदार खेल के बावजूद भारत ने तेज जवाबी हमलों से विरोधी टीम पर दबाव बनाया। मेजबान टीम ने सातवें ही मिनट में बढ़त बना ली जब सलीमा टेटे ने दाईं ओर से मूव बनाया और साक्षी ने सर्कल के किनारे से एक जोरदार रिवर्स हिट लगाकर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद भारत ने दबाव बनाया। उदिता को पेनल्टी कॉर्नर पर बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला लेकिन वह नाकाम रहीं। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अपनी लय बनाए रखी।

प्रवीण कुमार ने स्वर्ण पदक जीता, विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में भारत चमका

नई दिल्ली (भाषा)। भारत के ऊंची कूद के स्टार एथलीट प्रवीण कुमार ने बुधवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री के पहले दिन अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए एक और स्वर्ण पदक जीता जिससे मेजबान टीम ने कई पदक अपने नाम किए। पेरिस पैरालिंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण ने पुरुषों की टी44 ऊंची कूद में दबदबा बनाया और 1.96 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। साथी भारतीय उन्नी रेणु (1.86 मीटर) और बंती (1.83 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा और विदेशी खिलाड़ी सीमित थे। शैलेश कुमार ने पुरुषों की टी42 ऊंची कूद में 1.84 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि रामसिंहभाई गोव पढियार (1.65 मीटर) और लोकेश मंत्रा (1.60 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता, जिससे भारत ने इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। महिलाओं की 100 मीटर टी35-टी37 स्पर्धा में पेरिस खेलों में दो बार कांस्य पदक जीतने वाली प्रीति पाल ने 14.46 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता जिससे मार्गरीटा माटेवा (16.25) दूसरे नंबर पर आ गईं जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड में कांस्य पदक जीता।

आईसीसी ने घोषित की प्राइज मनी, भारत को मिलेंगे 2.63 मिलियन डॉलर

आईसीसी ने टीम इंडिया पर की धन की वर्षा

एजेंसी ▸▸ दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों का टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद बुधवार को खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि की घोषणा की, जो रिकॉर्ड 1.125 करोड़ अमेरिकी डॉलर है, जिसमें घरेलू मैदान पर चैंपियन बनी भारतीय टीम को सबसे बड़ा हिस्सा 2,639,423 डॉलर (लगभग 25 करोड़ रुपए) मिला।

भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी ट्रॉफी अपने नाम की। उपविजेता न्यूजीलैंड को 14,22,692 अमेरिकी डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपए) मिले जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को क्रमशः लगभग 9.24 करोड़ रुपए और 8.96 करोड़ रुपए प्राप्त हुए।

अन्य शीर्ष टीमों में वेस्टइंडीज को 5,38,269 अमेरिकी डॉलर मिले जबकि अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने वाली पाकिस्तान टीम को 5,22,692 अमेरिकी डॉलर मिले। जिम्बाब्वे को 4,91,538 अमेरिकी डॉलर और श्रीलंका को 4,75,962 अमेरिकी डॉलर दिए गए।

सुपर-8 से बाहर हुई टीमें हुई मालामाल

सुपर आठ चरण में बाहर हुई अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की टीमों को प्रत्येक 3,09,808 अमेरिकी डॉलर मिले। स्कॉटलैंड को 2,78,654 अमेरिकी डॉलर और आयरलैंड को 2,71,731 अमेरिकी डॉलर जबकि चार अन्य टीम इटली, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल प्रत्येक 2,56,154 अमेरिकी डॉलर दिए गए। कनाडा, नामीबिया और ओमान प्रत्येक को 2,25,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। आईसीसी ने कहा कि यह पुरस्कार राशि वितरण खिलाड़ियों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन बढ़ाने और सदस्य देशों में क्रिकेट के विकास को मजबूत करने के उसके लगातार प्रयासों को दर्शाता है।

युद्ध के 12वें दिन ईरान की आईआरजीसी की अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी

अगला लक्ष्य टेक कंपनियां, बैंक और इंफ्रास्ट्रक्चर, लोगों को 1 किमी दूर रहने की सलाह

गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, पलेंटिर, आईबीएम, एनवीडिया और ओरेकल जैसी कंपनियां शामिल

अमेरिका - ईरान जंग
विश्व युद्ध की आहट

एजेंसी ▶▶ तेहरान

मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने अब इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक लक्ष्यों को निशाना बनाना शुरू किया है। ईरानी मीडिया ने रिपोर्ट किया है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट समेत कई अमेरिकी टेक कंपनियों के ऑफिस और इंफ्रास्ट्रक्चर ईरान के नए हमले की सूची में शामिल हैं। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़ी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इन कंपनियों की सूची जारी की है, जिन्हें ईरान के नए लक्ष्य बताया गया है। इस सूची में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, पलेंटिर, आईबीएम, एनवीडिया और ओरेकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। इनके ऑफिस इजराइल के कई शहरों और कुछ खाड़ी देशों में स्थित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कंपनियों की तकनीक का इस्तेमाल इजराइल के सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। तस्नीम ने लिखा कि क्षेत्रीय युद्ध के दायरे में इंफ्रास्ट्रक्चर युद्ध शामिल होने के साथ ईरान के वैध लक्ष्यों का दायरा भी बढ़ रहा है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल से जुड़े आर्थिक केंद्रों और बैंकों को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी है। खातम अल-अंबिया मुख्यालय (जिसे संयुक्त राष्ट्र आईआरजीसी से जुड़ा बताता है) के प्रवक्ता ने कहा कि दुश्मन ने हमें अमेरिका और जायोनी शासन से जुड़े आर्थिक केंद्रों और बैंकों को निशाना बनाने की खुली छूट दे दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि क्षेत्र के लोगों को ऐसे बैंकों के एक किलोमीटर के दायरे में नहीं रहना चाहिए। टेक कंपनियों के मिडिल ईस्ट में ऑफिस, जैसे गूगल का दुबई में मुख्यालय और माइक्रोसॉफ्ट का यूएई में प्रमुख कार्यालय, अब खतरे में हैं।

इजराइल का लेबनान की राजधानी बेरुत पर मिसाइल से हमला, इमारतें और वहां खड़ी कारें क्षतिग्रस्त

ईरान का आरोप इन कंपनियों की तकनीक का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा

हम पर हमले हो रहे, मध्यस्थ नहीं बन सकते: कतर

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर के विदेश मामलों के राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल-खुलैफी ने साफ कहा है कि मौजूदा हालात में वह ईरान और पश्चिमी देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकता। उन्होंने कहा हम पर हमले हो रहे हों तो हम मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकते। ईरान को यह समझने की जरूरत है। क्षेत्र के देश ईरान के दुश्मन नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि ईरान इस बात को नहीं समझ रहा।

पेंटागन का खुलासा

ईरान युद्ध में 140 अमेरिकी सैनिक घायल, स्थिति गंभीर नहीं

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने मंगलवार को बड़ा खुलासा किया। विभाग के अनुसार इस युद्ध में अब तक करीब 140 अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि घायल हुए अधिकांश सैनिकों की स्थिति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में सैनिक इलाज के बाद फिर से अपनी ड्यूटी पर लौट चुके हैं।

अमेरिका का दावा

ईरान की 16 माइन बिछाने वाली नौकाएं नष्ट कीं

अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सैन्य कार्रवाई में ईरान की 16 ऐसी नौकाओं को नष्ट कर दिया गया है, जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (माइन) बिछाने के लिए किया जा सकता था। यह कार्रवाई रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की गई। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह होर्मुज स्ट्रेट में समुद्र के अंदर माइन (बारूदी सुरंग) न लगाए। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी ऐसी कोई पक्की रिपोर्ट नहीं है लेकिन ऐसा है तो उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। अगर ईरान माइन हटा देता है, तो यह सही दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम होगा।

इजराइल का दावा- ईरान ने क्लस्टर बमों से किया हमला

इजराइल ने सनसनीखेज दावा किया है कि ईरान इस युद्ध में बेहद खतरनाक क्लस्टर म्यूनिशन यानी क्लस्टर बमों का इस्तेमाल कर रहा है। इन हथियारों के कारण इजराइल की पहले से ही दबाव में चल रही एयर डिफेंस प्रणाली के सामने अतिरिक्त चुनौती पैदा हो गई है और आम नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में दिख रहा है कि क्लस्टर बम इजराइल के आसमान में फटता है और इसके अंदर से कई छोटे बम अलग-अलग जगह गिरते हैं। आईआरआईबी ने बताया कि ईरान ने यह हमला अमेरिका और इजराइल के आक्रमणों के जवाब में किया। इस हमले में दक्षिणी तेल अवीव के हेइला उपग्रह संचार केंद्र, बेयर याकोव, पश्चिमी यरूशलम और हाइफा में मौजूद सैन्य केंद्रों को निशाना बनाया गया।

ईरान ने इराक, बहरीन और इजराइल को बनाया निशाना

ईरानी सेना ने भारी और मल्टी-वॉरहेड मिसाइलों की नई खेप दागने का वीडियो जारी किया है। इन मिसाइलों को इराक, बहरीन और इजराइल की दिशा में छोड़ा गया बताया गया है। ईरान का कहना है कि यह हमला अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किया गया है।

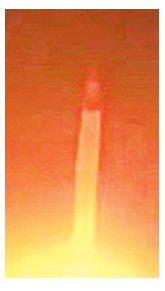

वीडियो में कई मिसाइलों को एक साथ लॉन्च होते देखा जा सकता है। ईरानी सेना के मुताबिक इन मिसाइलों में मल्टी-वॉरहेड तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे एक ही मिसाइल से कई लक्ष्य साधे जा सकते हैं। इस हमले के बाद पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया गया है और कई देशों की वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी गई है। बहरीन की सेना ने कहा है कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 106 मिसाइल और 176 ड्रोन को मार गिराया गया है। सेना के मुताबिक ये हमले नागरिक ठिकानों और निजी संपत्ति को निशाना बना रहे थे, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। इराक की राजधानी बगदाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अमेरिकी दूतावास के एक लॉजिस्टिक कैंप पर ड्रोन हमला हुआ है। अभी तक यह साफ नहीं है कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। वहीं, बगदाद में एक रिहायशी इलाके में ड्रोन गिरने की घटना सामने आई है। इराकी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार यह ड्रोन शहर के अल-जिहाद इलाके में एक घर के ऊपर गिरा।

हमलावारों को पहचानें: इटली

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान के मीनाब शहर में प्राथमिक स्कूल पर हुए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में कम से कम 170 लोगों की मौत हुई, जिनमें ज्यादातर 7 से 12 साल की छात्राएं थीं। इटली की सीनेट में बोलते हुए मेलोनी ने कहा कि वह मीनाब के स्कूल में लड़कियों के नरसंहार की कड़ी निंदा करती हैं। इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान जल्द से जल्द की जानी चाहिए और उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

जॉर्जिया मेलोनी

बद्र अब्देलात्ती

तनाव कम करें: मिस्त्र

मिस्त्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलात्ती ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत कर क्षेत्र में तनाव कम कराने में मदद की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में स्थिरता के लिए संवाद जरूरी है।

यूएन प्रमुख ने जताई गहरी चिंता

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत कर पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध पर चिंता जताई। उन्होंने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने और नागरिक ठिकानों पर हमले से बचने की अपील की। वहीं, अराघची ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का मुख्य दायित्व अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। इसलिए सुरक्षा परिषद को मौजूदा हालात में ज्यादा जिम्मेदार और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

मेडागास्कर के साथ खड़ा हुआ भारत

तूफान से प्रभावितों को भेजी मेडिकल और राहत सामग्री, दवाएं भी शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने बुधवार को मेडागास्कर को 12 टन मेडिकल मदद और 18 टन आपदा राहत का सामान भेजा। यह जानकारी इस साल की शुरुआत में ट्रॉपिकल साइक्लोन फिटिया और गेजानी से हुई भारी तबाही के बाद दी गई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि भारत मुश्किल समय में मेडागास्कर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। मंत्रालय ने कहा कि भारत मेडागास्कर के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। इस साल की शुरुआत में ट्रॉपिकल साइक्लोन फिटिया और गेजानी से हुई भारी तबाही के बाद, भारत ने चल रहे राहत कामों में मदद के लिए मानवीय मदद भेजी। राहत का सामान ले जा रहा भारतीय वायुसेना का सी-17 एयरक्राफ़्ट मानवीय मदद के साथ एंटानानारिवो में उतरा। इस आपूर्ति में 12 टन मेडिकल मदद और 18 टन आपदा राहत का सामान शामिल है, जिसका मकसद तूफान से बुरी तरह प्रभावित समुदायों की मदद करना है।

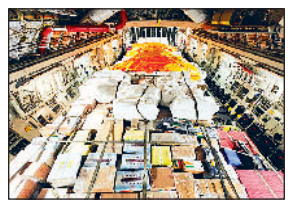

गुजरात के कांडला बंदरगाह आ रहा था

होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज 'मायुरी नारी' पर हमला, 3 लापता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली हमला अब 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में एक थाई रजिस्टर्ड मालवाहक जहाज 'मायुरी नारी' पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे जहाज में भीषण आग लग गई। यह जहाज संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से निकलकर भारत के गुजरात स्थित कांडला बंदरगाह की ओर जा रहा था। हमले के बाद जहाज पर काला धुआं उठता दिखा और चालक दल को जीवन राफ्ट के जरिए जहाज छोड़ना पड़ा। रॉयल थाई नेवी ने बताया कि जहाज थाई कंपनी प्रेशियस शिपिंग का है, जो 178 मीटर लंबा बल्क कैरियर और लगभग 30,000 टन का है। जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था। ओमानी नौसेना ने बचाव अभियान चलाया, जिसमें अब तक 20 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया है। तीन नाविक अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

समुद्री जहाज सतर्कता बरतें: ब्रिटेन

यूके समुद्री संगठन (यूकेएमटीओ) ने बताया कि यूएई के रास अल खैमा से उत्तर-पश्चिम में 25 समुद्री मील दूर यह हमला हुआ। जहाज पर आग लगने के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ दिया। उसके अनुसार, एक कंटेनर जहाज के मास्टर ने बताया कि जहाज को किसी अज्ञात प्रक्षेप्य से नुकसान पहुंचा है। नुकसान का पूरा आकलन अभी नहीं हुआ है और इसे जहाज के चालक दल द्वारा जांचा जा रहा है। जहाज पर सभी चालक दल सुरक्षित हैं और उनकी संख्या पूरी है। यूकेएमटीओ ने कहा कि समुद्री जहाजों को सतर्कता बरतते हुए यात्रा करने की सलाह दी जाती है।

रिफाइनरी के लिए स्थान होगा टेक्सास का बंदरगाह, रिलायंस की होगी भागीदारी

निवेश की कुल धनराशि 300 बिलियन डॉलर की होगी

पश्चिम-एशिया में युद्ध के बीच... अमेरिका में 50 साल बाद भारत के निवेश से खुलेगी तेल रिफाइनरी, ट्रंप बोले थैंक्यू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में इजरायल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ युद्ध लड़ रहे अमेरिका ने एक बहुत बड़ी घोषणा की है। जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके देश में 50 साल बाद एक नई तेल रिफाइनरी स्थापित की जाएगी। जिसमें भारत की रिलायंस इंडस्ट्री निवेश करेगी और इसके लिए हमारे बीच ऐतिहासिक समझौता हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारी ये परियोजना अमेरिकी प्रशासन की 'अमेरिका सबसे पहले' वाले एजेंडे के तहत ही सफल हुई है। रिफाइनरी के लिए टेक्सास के ब्राउंसविले बंदरगाह का चयन किया गया है और इससे जुड़े निवेश की कुल धनराशि 300 बिलियन डॉलर की होगी। जिसके लिए मैं भारत की ऊर्जा से जुड़ी हुई निजी क्षेत्र की एक सबसे बड़ी कंपनी और वहां पर हमारे साझेदारों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर बीते मंगलवार को की गई एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है।

तेल आपूर्ति के विकल्पों को दर्शाता निर्णय

यहां बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति का ये ऐलान एक ऐसे समय पर किया गया है। जब मौजूदा युद्ध के बीच ईरान ने होर्मुज की खाड़ी को बंद कर दिया है। जिससे दुनिया की करीब 30 फीसदी तेल और गैस की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। इन सबके बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी उनका सैन्य अभियान तभी बंद होगा। जब हमारे द्वारा तय किए गए सभी लक्ष्यों की पूर्ति हो जाएगी और ईरान बिना शर्त आत्मसमर्पण कर देगा। उनके तेल रिफाइनरी खोलने के उक्त फैसले को बीते वक्त में ट्रंप द्वारा दौरान दुनिया में तेल आपूर्ति को चुनौतीपूर्ण समय में भी बरकरार रखने से जुड़े हुए विकल्पों की तलाश के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, भारत में भी युद्ध की वजह से एलपीजी को लेकर संकट गहरा रहा है। सरकार ने आवश्यक सेवाओं के रखरखाव के मद्देनजर एस्मा कानून लागू कर दिया है।

रिफाइनरी का होगा यह लाभ

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस रिफाइनरी का सबसे बड़ा लाभ हमारे देश को ये होगा कि इससे हमारे बाजारों की ताकत मिलेगी, देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और ऊर्जा का उत्पादन बढ़ेगा, अमेरिकी कामगारों को लाभ होगा। साथ ही टेक्सास की आम जनता को भी इसका पूरा फायदा मिलेगा। एक प्रकार से यह उनकी भी जीत है। ट्रंप ने रिफाइनरी को दुनिया की साफ-सुथरी रिफाइनरी बताया है।

2026 की दूसरी तिमाही में शुरू होगा काम

वहीं, अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से जारी बयान में रिलायंस का कहीं नाम सहित उल्लेख नहीं किया गया है। न ही परियोजना में निवेश के लिए तय की गई धनराशि के बारे में कोई जानकारी दी गई है। केवल इतना कहा गया है कि यह समझौता ऊर्जा क्षेत्र की एक बड़ी वैश्विक कंपनी के साथ 20 वर्ष के लिए किया गया है। इसके अलावा कंपनी मौजूदा साल 2026 की दूसरी तिमाही में इस परियोजना के निर्माण कार्य की शुरुआत की योजना बना रही है। रिफाइनरी के बनकर तैयार हो जाने के बाद एक्सपोर्ट बढ़ेगा, रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। यह पूरी कवायद अमेरिका के विकास में काफी मददगार साबित होगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109